



थलापति सरकार के फैसले..

02

राष्ट्रीय शिखर

खबरों की स्वतंत्रता



ऐश्वर्या ने टाइप-1 डायबिटीज...

11

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र गौतमबुद्धनगर, नई दिल्ली, देहरादून और लखनऊ से एक साथ प्रसारित

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

वर्ष - 02, अंक - 203

गाजियाबाद / रविवार 25 अक्टूबर 2026

PRGI No. - UPHIN/25/A0086

पृष्ठ-12, मूल्य - 04 रूपए

संक्षिप्त

समाचार

हर बूथ पर बढ़ाएं अपनी विचारधारा के वोट

लखनऊ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश में आगामी विधानसभा चुनाव की तैयारियों को धार देते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पार्टी संगठन और विधायकों को बूथ स्तर पर मोर्चा संभालने के कड़े निर्देश दिए हैं। वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए प्रदेश भर के भाजपा विधायकों, प्रदेश पदाधिकारियों और जिलाध्यक्षों से संवाद करते हुए मुख्यमंत्री ने मतदाता सूची पुनरीक्षण अभियान को पूरी मुस्तैदी से चलाने का अल्टीमेटम दिया। सीएम ने कहा कि भारत निर्वाचन आयोग के विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम के तहत हर पात्र मतदाता का नाम सूची में



शामिल कराना अनिवार्य है और इसमें किसी भी तरह की लापरवाही पार्टी को नुकसान पहुंचा सकती है। यदि ग्रामीण क्षेत्रों के मतदाताओं के नाम गांवों की सूची में दर्ज हैं और वे अब शहरी इलाकों में रह रहे हैं, तो उनके नाम शहर की मतदाता सूची में ट्रांसफर कराने के लिए अभियान चलाएं। सूत्रों के मुताबिक, मुख्यमंत्री ने जिलाध्यक्षों को सख्त लहजे में हिदायत देते हुए कहा कि विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण प्रक्रिया में केवल खानापूर्ति या लीपापोती नहीं होनी चाहिए। हर पोलिंग बूथ पर पार्टी की विचारधारा से जुड़े समर्थकों का वोट बढ़ाना प्राथमिक कार्य है। विशेष गहन पुनरीक्षण प्रक्रिया के दौरान जिन पात्र मतदाताओं के नाम गलती से कट गए थे।

केरलम राज्यपाल ने पद संभालते ही नॉनवेज रोका

नई दिल्ली (एजेंसी)। केरलम के नए राज्यपाल ओम प्रकाश माथुर के पद संभालने के कुछ घंटे बाद ही लोकभवन में मांसाहारी खाना बनाने और परोसने पर रोक लगा दी। कांग्रेस और विपक्षी सीपीएम ने इस फैसले की आलोचना की। कांग्रेस ने कहा कि क्या अब राज्यपाल तय करेंगे कि क्या खाना है। राज्यपाल कार्यालय के सूत्रों ने कहा कि माथुर शाकाहारी हैं। इसी वजह से उन्होंने यह बदलाव करवाया। सूत्रों ने साफ किया कि लोकभवन के कर्मचारियों के खाने पर कोई रोक नहीं लगाई गई है। माथुर ने शुक्रवार सुबह केरलम के 29वें राज्यपाल के रूप में शपथ ली। केरल हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस सीमेन सेन ने उन्हें पद की शपथ



दिलाई थी। केरलम में 97ल लोग मांसाहारी हैं। देश में सबसे ज्यादा नॉन-वेज खाने वाले लोग तेलंगाना में हैं। लोकसभा सांसद केसी वेणुगोपाल ने कहा कि सिर्फ शाकाहारी खाना बनाने का निर्देश देकर राज्यपाल ने हद पार कर दी है। उन्होंने कहा कि केरलम की खान-पान की संस्कृति अलग है। तटीय राज्य होने के कारण यहां मछली भी बड़ी मात्रा में उपलब्ध है। राज्य के लोग शाकाहारी या मांसाहारी भोजन चुनने के लिए स्वतंत्र हैं। सूत्रों के मुताबिक, लोकभवन की रसोई में तैयार खाना सिर्फ राज्यपाल और उनके निजी स्टाफ के कुछ सदस्यों को दिया जाता है। अन्य कर्मचारी या तो घर से खाना लाते हैं या बाहर खाना खाते हैं। उनके खाने की पसंद पर कोई रोक नहीं लगाई गई है।

सैन्यबलों के लिए बनेगा खास ब्रॉडबैंड नेटवर्क

- देशभर के 30 लाख कर्मियों को मिलेगी सुविधा
- गृह मंत्रालय का आदेश, डिजिटल की ओर पुलिस

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश में पुलिस, अर्धसैनिक बलों और आपदा राहत से जुड़े कर्मियों के बीच संचार व्यवस्था को मजबूत करने की तैयारी है। केंद्रीय गृह मंत्रालय करीब 30 लाख कर्मियों के लिए देशव्यापी सर्मापित ब्रॉडबैंड नेटवर्क विकसित करना चाहता है। इसके जरिए जरूरत के समय सुरक्षित और तेज संचार के साथ आवाज, वीडियो और डेटा साझा करने की सुविधा उपलब्ध कराने की योजना है। गृह मंत्रालय ने शुक्रवार को इस प्रस्तावित नेटवर्क के डिजाइन और तकनीकी ढांचे को लेकर आम लोगों और संबंधित पक्षों से सुझाव मांगे। इस पहल



का उद्देश्य पुलिस और अन्य आपातकालीन सेवाओं को ऐसा संचार तंत्र उपलब्ध कराना है, जो गंभीर परिस्थितियों में भी उनके काम आ सके।

सुरक्षा और आपदा राहत से जुड़े विभाग शामिल- गृह मंत्रालय के प्रस्तावित नेटवर्क का नाम ब्रॉडबैंड पब्लिक प्रोटेक्शन एंड डिजास्टर रिलीफ है। यह देशभर में सार्वजनिक सुरक्षा और आपदा राहत से जुड़े विभागों के लिए तैयार किया जाएगा। इस नेटवर्क के तहत मिशन क्रिटिकल पुश-टू-टॉक मिशन क्रिटिकल डेटा और मिशन क्रिटिकल वीडियो जैसी सुविधाएं उपलब्ध होंगी।

30 लाख उपकरणों की जरूरत, तीन श्रेणियों में बांटने की योजना

गृह मंत्रालय के मुताबिक, इस परियोजना के लिए करीब 30 लाख हैंडसेट की जरूरत का अनुमान है। इन्हें कर्मियों की जिम्मेदारियों और कार्यस्थल की आवश्यकताओं के अनुसार अलग-अलग श्रेणियों में बांटने की योजना है। मंत्रालय के अनुसार, फील्ड में इस्तेमाल होने वाले उपकरणों को कठिन परिस्थितियों में काम करने के अनुकूल बनाया जाएगा। वरिष्ठ अधिकारियों के लिए स्मार्टफोन श्रेणी के उपकरण और अन्य जरूरतों के लिए स्थिर या वाहन में लगाए जाने वाले उपकरण प्रस्तावित हैं। बॉडी-वॉर्न केमरां यानी शरीर पर लगाए जाने वाले केमरां की संख्या अभी तय नहीं की गई है। इस परियोजना के लिए गृह मंत्रालय को 814-824 मेगाहर्ट्ज और 859-869 मेगाहर्ट्ज बैंड में स्पेक्ट्रम का सैद्धांतिक आवंटन मिला है। ये फ्रीक्वेंसी सामान्य मोबाइल ब्रॉडबैंड के प्रचलित बैंड से अलग हैं। मंत्रालय ने इन फ्रीक्वेंसी पर काम करने वाले रेडियो उपकरणों और व्यावसायिक रूप से उपलब्ध डिवाइस की जानकारी भी मांगी है। इससे नेटवर्क के लिए जरूरी तकनीक की उपलब्धता और उसकी व्यावहारिक उपयोगिता का आकलन होगा।

इंडो-पैसिफिक क्षेत्रीय वार्ता की मेजबानी करेगी नौसेना

- 3 सितंबर से होगा संवाद, 18 देशों के एक्सपर्ट होंगे शामिल
- जलवायु परिवर्तन-उभरती तकनीकों पर मिलकर करेंगे चर्चा

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय नौसेना तीन से पांच नवंबर तक नई दिल्ली में इंडो-पैसिफिक रणनीतिक वार्ता की मेजबानी करेगी। इस दौरान कई देशों के विशेषज्ञ समुद्री विज्ञान, महासागरों के प्रबंधन और जलवायु परिवर्तन के प्रभावों से निपटने की क्षमता और उभरती प्रौद्योगिकियों पर विचार-विमर्श करेंगे। शुक्रवार को रक्षा मंत्रालय के अधिकारियों ने बताया कि इस कार्यक्रम के पहले दिन रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह का संबोधन होगा। मंत्रालय के अनुसार, इस तीन दिवसीय कार्यक्रम में मंत्रिस्तरीय एवं अन्य विशेष संबोधनों के साथ हिंद-प्रशांत क्षेत्र के 18 देशों के समुद्री पेशेवरों, वैज्ञानिकों, शिक्षाविदों, नीति निर्माताओं और विशेषज्ञों के योगदान भी शामिल होंगे। मंत्रालय ने कहा कि समाधान-उन्मुख संवाद पर आईपीआरडी



के विशेष ध्यान के मद्देनजर इस अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का विचार-विमर्श राष्ट्रीय, उप-क्षेत्रीय और व्यापक क्षेत्रीय स्तरों पर विशिष्ट एवं कार्रवाई योग्य उपायों की पहचान पर केंद्रित होगा।

इन उपायों को हिंद-प्रशांत क्षेत्र में सौहार्द, सहयोग और समन्वय को बढ़ावा देने वाली द्विपक्षीय, त्रिपक्षीय और बहुपक्षीय संरचनाओं के मौजूदा तंत्रों के माध्यम से लागू किया जा सकेगा। संयुक्त

अनुसंधान, सहयोग से प्रौद्योगिकी विकास, जिम्मेदार शासन, वैज्ञानिक आंकड़ों तक उचित पहुंच और संस्थागत साझेदारी को मजबूत करने के लिए ‘व्यावहारिक रास्ते’ पर भी विचार किया जायेगा। हिंद-प्रशांत क्षेत्रीय संवाद (आईपीआरडी) 2026 ‘हिंद-प्रशांत क्षेत्र में विज्ञान, प्रौद्योगिकी और शैक्षणिक सहयोग’ विषय पर केंद्रित होगा।

कैबिनेट विस्तार से पहले पीएम करेंगे बैठक

सभी मंत्रालयों की सचिवों के साथ होगी यह मीटिंग

प्रधानमंत्री के पास पहुंचेगा मंत्रियों का रिपोर्ट कार्ड

नई दिल्ली (एजेंसी)। हाल ही में जब प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने राज्य और फिर केंद्र सरकार के मुखिया के रूप में 25 वर्ष पूरे किए तो जनविश्वास को इसका आधार बनाने के साथ ही नई ऊर्जा से काम और रिफार्म एक्सप्रेस चलाने के प्रति भी देशवासियों को आश्वस्त किया। अब उसी दिशा में प्रयास तेज करने का केंद्र सरकार का इरादा दिखाई दे रहा है। दरअसल, 27 अक्टूबर को कैबिनेट सचिव ने सभी मंत्रालयों के सचिवों की बैठक बुलाई है। इसमें मंत्रालयों से उनकी परफार्मेंस रिपोर्टें ली जाएंगी। वह समय रिपोर्ट प्रधानमंत्री तक जाएगी, जिसके बाद ईज आफ डूड्स और ईज आफ लिविंग बढ़ाने की दिशा में कुछ महत्वपूर्ण निर्णय किए जा सकते हैं। एक मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि कैबिनेट सचिवालय से सभी मंत्रालयों से कहा गया है कि वर्तमान में चल रही योजनाओं, उनकी प्रगति, जनता को मिल रहे लाभ के साथ ही भविष्य के लिए प्रस्तावित कार्ययोजनाओं पर पूरी रिपोर्ट तैयार की जाए।



देश में अब डिजिटल क्रांति से बदलेगी खेती

- तय समय से 5 महीने पहले बनीं 11 करोड़ फार्मर आईडी
- केन्द्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने जताई बेहद खुशी

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मार्च 2027 तक 11 करोड़ किसानों की फार्मर आईडी बनाने का लक्ष्य रखा था लेकिन इसे पांच माह पहले हुए हासिल कर लिया गया है। देश में 11 करोड़ किसानों की फार्मर आईडी बनने पर केंद्रीय मंत्री चौहान ने कहा है कि आज का दिन भारतीय खेती, कृषि और किसानों के लिए ऐतिहासिक है। एक सपना साकार हुआ है, एक संकल्प पूरा हुआ है।

किसानों को समृद्ध बनाने के लिए टेक्नोलॉजी जरूरी- उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का संकल्प है, जिसके लिए विकसित भारत के लिए, विकसित कृषि और समृद्ध किसान और खेती को विकसित और किसानों को समृद्ध बनाने के लिए, आधुनिक टेक्नोलॉजी जरूरी है। उन्होंने आगे कहा कि कई तरह की योजनाएं

प्रधानमंत्री के नेतृत्व में देशभर में किसानों के लिए चल रही हैं। उन योजनाओं का लाभ सही समय पर, सही किसान को मिले, यह भी जरूरी है। इसलिए डिजिटल कृषि मिशन बनाया गया और उस मिशन के अंतर्गत यह तय किया गया कि अब हर किसान की अलग पहचान होगी, फार्मर आईडी बनाई जाएगी।



सैन्यबलों के लिए बनेगा खास ब्रॉडबैंड नेटवर्क

- देशभर के 30 लाख कर्मियों को मिलेगी सुविधा
- गृह मंत्रालय का आदेश, डिजिटल की ओर पुलिस

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश में पुलिस, अर्धसैनिक बलों और आपदा राहत से जुड़े कर्मियों के बीच संचार व्यवस्था को मजबूत करने की तैयारी है। केंद्रीय गृह मंत्रालय करीब 30 लाख कर्मियों के लिए देशव्यापी सर्मापित ब्रॉडबैंड नेटवर्क विकसित करना चाहता है। इसके जरिए जरूरत के समय सुरक्षित और तेज संचार के साथ आवाज, वीडियो और डेटा साझा करने की सुविधा उपलब्ध कराने की योजना है। गृह मंत्रालय ने शुक्रवार को इस प्रस्तावित नेटवर्क के डिजाइन और तकनीकी ढांचे को लेकर आम लोगों और संबंधित पक्षों से सुझाव मांगे। इस पहल



का उद्देश्य पुलिस और अन्य आपातकालीन सेवाओं को ऐसा संचार तंत्र उपलब्ध कराना है, जो गंभीर परिस्थितियों में भी उनके काम आ सके।

सुरक्षा और आपदा राहत से जुड़े विभाग शामिल- गृह मंत्रालय के प्रस्तावित नेटवर्क का नाम ब्रॉडबैंड पब्लिक प्रोटेक्शन एंड डिजास्टर रिलीफ है। यह देशभर में सार्वजनिक सुरक्षा और आपदा राहत से जुड़े विभागों के लिए तैयार किया जाएगा। इस नेटवर्क के तहत मिशन क्रिटिकल पुश-टू-टॉक मिशन क्रिटिकल डेटा और मिशन क्रिटिकल वीडियो जैसी सुविधाएं उपलब्ध होंगी।

30 लाख उपकरणों की जरूरत, तीन श्रेणियों में बांटने की योजना

गृह मंत्रालय के मुताबिक, इस परियोजना के लिए करीब 30 लाख हैंडसेट की जरूरत का अनुमान है। इन्हें कर्मियों की जिम्मेदारियों और कार्यस्थल की आवश्यकताओं के अनुसार अलग-अलग श्रेणियों में बांटने की योजना है। मंत्रालय के अनुसार, फील्ड में इस्तेमाल होने वाले उपकरणों को कठिन परिस्थितियों में काम करने के अनुकूल बनाया जाएगा। वरिष्ठ अधिकारियों के लिए स्मार्टफोन श्रेणी के उपकरण और अन्य जरूरतों के लिए स्थिर या वाहन में लगाए जाने वाले उपकरण प्रस्तावित हैं। बॉडी-वॉर्न केमरां यानी शरीर पर लगाए जाने वाले केमरां की संख्या अभी तय नहीं की गई है। इस परियोजना के लिए गृह मंत्रालय को 814-824 मेगाहर्ट्ज और 859-869 मेगाहर्ट्ज बैंड में स्पेक्ट्रम का सैद्धांतिक आवंटन मिला है। ये फ्रीक्वेंसी सामान्य मोबाइल ब्रॉडबैंड के प्रचलित बैंड से अलग हैं। मंत्रालय ने इन फ्रीक्वेंसी पर काम करने वाले रेडियो उपकरणों और व्यावसायिक रूप से उपलब्ध डिवाइस की जानकारी भी मांगी है। इससे नेटवर्क के लिए जरूरी तकनीक की उपलब्धता और उसकी व्यावहारिक उपयोगिता का आकलन होगा।

भारत का मोस्ट वॉन्टेड गैंगस्टर

हिमांशु भाऊ यूएसए से गिरफ्तार

- 30 से ज्यादा मामले दर्ज, 2023 में इंटरपोल ने रेड कॉर्नर नोटिस जारी किया था

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के मोस्ट वॉन्टेड गैंगस्टर हिमांशु भाऊ को अमेरिका में एफबीआई ने गिरफ्तार किया है। हिमांशु पर दिल्ली, हरियाणा समेत कई राज्यों में मर्डर, हत्या की कोशिश, रंगदारी और हथियारों की तस्करी जैसे करीब 30 से ज्यादा गंभीर मामले दर्ज हैं। मीडिया रिपोर्ट्स में यह जानकारी सामने आई है। इंटरपोल ने उसके खिलाफ 2023 में रेड कॉर्नर नोटिस जारी किया था। हरियाणा पुलिस ने उस पर 2.5 लाख और दिल्ली पुलिस ने 1 लाख रूपए का इनाम घोषित किया था। 2022 में हरियाणा में 24 घंटे में तीन हत्याओं के बाद हिमांशु चर्चा में आया था। हिमांशु भाऊ की गैंग ने ही 2025 में यूट्यूबर एल्विश यादव के गुरुद्वारा स्थित घर के बाहर फायरिंग की जिम्मेदारी ली थी। हिमांशु की लॉरेंस और गोल्डी बराइ गैंग से दुश्मनी मानी जाती है। इसी मामले में एक अन्य भगोड़े नीरज फरीदपुरिया को भी पकड़ा गया। बताया गया है कि वह इस साल जमानत पर रिहा होने के बाद अपने टखने में लुगा निगरानी ट्रैकर हटाकर बचा रहा।



कश्मीर में प्रतिबंधित संगठन

से जुड़े छह लोग गिरफ्तार

- इनमें चार महिलाएं शामिल
- होटल में हुई सीक्रेट बैठकें

श्रीनगर (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के बादीपोरा जिले में प्रतिबंधित संगठन इतेहाद-उल-मुस्लिमीन से जुड़ाव के आरोप में 6 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। इनमें 4 महिलाएं शामिल हैं। पुलिस को शक है कि इस नेटवर्क को सीमा पर से फंडिंग मिली थी। पुलिस के मुताबिक, बादीपोरा



और आसपास के इलाकों में 14 से 15 सीक्रेट बैठकें हुई थीं। इनमें से 5 से 6 बैठकें बादीपोरा-बारामूला रोड पर स्थित एक छोटे होटल में किए जाने की बात सामने आई है। जांचकर्ताओं को एक साल से ज्यादा समय में करीब 7 से 8 लाख के संदिग्ध लेन-देन का पता चला है। मामले में यूएपीए की धारा 10 और 13 के तहत केस दर्ज किया गया है। पुलिस फंडिंग के स्रोत और नेटवर्क से जुड़े लोगों की भूमिका की जांच कर रही है।

पीएम मोदी द्वारा तय किए लक्ष्य का किया जिक्र- उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री मोदी ने लक्ष्य तय किया था कि मार्च 2027 तक 11 करोड़ फार्मर आईडी बन जाने चाहिए। लेकिन तय समय से 5 महीने पहले ही 11 करोड़ फार्मर आईडी बनाने का काम पूरा हो गया। केंद्रीय कृषि मंत्री चौहान ने बताया कि अब यह फार्मर आईडी के माध्यम से योजनाओं का पारदर्शी तरीके से किया जाएगा। बैंक का ऋण भी, कोई कागज के पेट नहीं भरने पड़ेंगे, कि बार-बार यह कागज लाओ, वह कागज लाओ।

इंस्टाग्राम के बाद ‘एक्स’ पर आई सोनिया गांधी

पर आई सोनिया गांधी

वीडियो में बताया राजीव गांधी के साथ पहली मुलाकात का किस्सा

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी ने इंस्टाग्राम के बाद एक्स पर भी डेब्यू किया है। उन्होंने सोशल मीडिया पर एक वीडियो साझा किया है, जिसमें उन्होंने बताया है कि



पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी के साथ उनकी प्रेम कहानी की शुरुआत 1965 में इंग्लैंड के कैम्ब्रिज में द वासिंटी नाम के एक छोटे से ग्रीक रेस्तरां में हुई थी। एक्स पर अपनी पहली पोस्ट में सोनिया गांधी ने

अपनी आने वाली किताब बिलॉगिंग अ जर्नी ऑफ लव के बारे में बात की। यह किताब 10 नवंबर को रिलीज होने वाली है। उन्होंने राजीव गांधी के साथ बिताए अपने जीवन की निजी यादें भी साझा कीं और पुरानी यादों व तस्वीरों के जरिए अपने रिश्ते के शुरुआती दिनों की एक झलक पेश की।

ग्रीक रेस्तरां में शुरू हुआ प्यार का सफर- उन्होंने कहा, कैम्ब्रिज के एक छोटे से ग्रीक रेस्तरां में मेरे प्यार का सफर शुरू हुआ। राजीव और मैंने प्यार, हंसी और यादों से भरी एक दुनिया बनाई। 10 नवंबर को मैं उस दुनिया को आपके साथ साझा कर रही हूँ। 1965 में कैम्ब्रिज के एक ग्रीक रेस्तरां में हुई अपनी पहली मुलाकात को याद करते हुए सोनिया ने राजीव गांधी और उन खूबियों के बारे में बहुत आत्मीयता से बात की, जिन्होंने उन्हें उनकी ओर आकर्षित किया था। उन्होंने कहा, बेशक, वह बहुत हैंडसम थे। उन्हें इंग्लैंड में अच्छा खाना खोजने में दिक्कत थी।



महाराष्ट्र में रैपिडो चला रहा था जैश का संदिग्ध आतंकी, एटीएस ने दबोचा

मुंबई। महाराष्ट्र आतंकवाद निरोधक दस्ते (एटीएस) ने प्रतिबंधित आतंकवादी संगठन जैश-ए-मोहम्मद से जुड़े एक 33 वर्षीय संदिग्ध आतंकी मोहम्मद हसन अबु सरमद अख्तर को मुंबई से गिरफ्तार किया है।एटीएस को गुप्त सूचना मिली थी, जिसके आधार पर आरोपी को माहिम मेट्रो स्टेशन के पास से पकड़ा गया।एटीएस के अनुसार, शुरुआती जांच में सामने आया है कि मोहम्मद हसन रैपिडो राइडर और इत्र विक्रेता के तौर पर काम करने की आड़ में कथित तौर पर कट्टरपंथी विचारों का प्रचार कर रहा था। जानकारों के अनुसार, एटीएस ने संदिग्ध को हिरासत में लेकर मुंबई पुलिस के हवाले किया था, जिसके बाद मुंबई पुलिस ने कार्रवाई करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर लिया।पुलिस के मुताबिक, माहिम पुलिस थाने में संदिग्ध के खिलाफ प्राथमिकी (एफआईआर) दर्ज की गई है। आरोपी के पाकिस्तान के एक खुफिया अधिकारी (पीआईओ) के संपर्क में होने का भी आरोप है।जांच के दौरान पुलिस ने आरोपी के पास से एक मोबाइल फोन और लैपटॉप बरामद किए हैं।इन इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों की गहन जांच की जा रही है ताकि संदिग्ध के संपर्कों और गतिविधियों के बारे में विस्तृत जानकारी जुटाई जा सके।महाराष्ट्र एटीएस और मुंबई पुलिस संयुक्त रूप से आरोपी की गतिविधियों और जैश-ए-मोहम्मद से उसके कथित संबंधों का पता लगाने का प्रयास कर रही है।यह गिरफ्तारी भारत में जैश-ए-मोहम्मद के बढ़ते नेटवर्क और उसके मॉड्यूल के सक्रिय होने का संकेत देती है।इससे पहले भी देश के विभिन्न हिस्सों से जैश से जुड़े संदिग्धों की गिरफ्तारी हुई है।जुलाई में गुजरात एटीएस ने एक बड़ी कार्रवाई करते हुए पाकिस्तान स्थित जैश-ए-मोहम्मद से जुड़े 8 लोगों को गुजरात और मध्य प्रदेश के विभिन्न जिलों से गिरफ्तार किया था।गुजरात एटीएस ने बताया था कि ये आरोपी भी पाकिस्तानी हैंडलर्स के संपर्क में थे और गुजरात में जैश का नेटवर्क स्थापित करने, आतंकी गतिविधियों को बढ़ावा देने तथा जैश की विचारधारा का गुजराती में अनुवाद व प्रसार करने का काम कर रहे थे।उस जांच में पाकिस्तान स्थित आतंकी संगठन से फंडिंग का भी खुलासा हुआ था।

दिल्ली के स्कूल में 12वीं की छात्रा का जला हुआ शव मिला, बैग से तीन लेटर बरामद



नई दिल्ली। दिल्ली के कृष्णा नगर स्थित सर्वोदय बालिका विद्यालय में शनिवार दोपहर 12वीं कक्षा की 18 वर्षीय छात्रा का जला हुआ शव मिलने से हड़कंप मच गया। सूचना मिलने पर पुलिस और दमकल विभाग की टीम मौके पर पहुंची। छात्रा का शव स्कूल परिसर में गार्ड रूम के पीछे मिला। घटनास्थल के पास उसका स्कूल बैग भी बरामद हुआ, जिसमें से तीन लेटर मिले हैं। पुलिस मामले को आत्महत्या से जोड़कर जांच कर रही है। पुलिस के मुताबिक, स्कूल में आग लगने की सूचना पीसीआर कॉल के जरिए मिली थी। इसके बाद पुलिस और दमकलकर्मी मौके पर पहुंचे। जांच के दौरान छात्रा जली हुई हालत में मिली। प्रारंभिक जांच में आशंका जाहिर की गई है कि छात्रा ने खुद पर पेट्रोल डालकर आग लगाई थी। हालांकि, घटना के वास्तविक कारणों की पुष्टि जांच पूरी होने के बाद ही हो सकेगी। पुलिस को छात्रा के बैग से मिले तीन लेटर की जांच से मामले से जुड़े अहम तथ्य सामने आने की उम्मीद है। प्रारंभिक जांच में प्रेम प्रसंग से जुड़ा पहलू भी सामने आया है, लेकिन अधिकारियों ने संबंध में विस्तृत जानकारी साझा नहीं की है। घटनास्थल से साक्ष्य जुटाने के लिए फ़ाइम टीम को बुलाया गया। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है और सभी पहलुओं को ध्यान में रखकर पड़ताल की जा रही है।

सीएम रेखा ने अधिकारियों से कहा- छठ पर्व में साफ-सफाई और उचित रोशनी सुनिश्चित करें

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने शनिवार को शालीमार बाग इलाके में मुनक नहर पर छठ घाट की तैयारियों का जायजा लिया है। सीएम ने अधिकारियों को क्षेत्र में व्यवस्थित ढंग से कार्य सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने इस दौरान विभिन्न कार्यों की प्रगति की समीक्षा की और अधिकारियों को ल्याहार के दौरान उचित रोशनी तथा साफ-सफाई पर विशेष ध्यान देने को कहा। सीएम रेखा गुप्ता ने कहा, दिल्ली सरकार का लक्ष्य छठ से पहले घाटों का निर्माण और उनसे जुड़े विकास कार्य पूरे करना है, ताकि श्रद्धालु स्वच्छ वातावरण में पूरी श्रद्धा और भक्ति के साथ पूजा-अर्चना कर सकें। सीएम ने हरित क्षेत्रों के विकास और पौधारोपण कार्यों की भी समीक्षा की। उन्होंने कहा, अधिकारियों को निर्देश दिया कि सुनियोजित योजना के बिना पौधारोपण नहीं किया जाए। इसके बजाय, क्षेत्र के समग्र स्वरूप और उपलब्ध जगह को ध्यान में रखते हुए व्यवस्थित ढंग से कार्य किया जाए।

स्ट्रांग लीडर की छवि के लिए छात्रों को निशाना बना रही सरकार: दीपके

नई दिल्ली, एजेंसी। कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के संयोजक अभिजीत दीपके ने अमेरिकी नागरिक मैथ्यू वैन डाइक की दोबारा रिहाई को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर तीखा निशाना साधा है। दीपके ने तंज कसा कि आतंकियों को प्रशिक्षण देने वाले को रिहा कर दिया गया, जबकि देश का तिरंगा लहराने वालों को राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा माना जाता है। उन्होंने आरोप लगाया कि पीएम मोदी स्ट्रांग लीडर वाली अपनी छवि को बरकरार रखने के लिए छात्रों और प्रदर्शनकारियों को निशाना बना रहे हैं।

दीपके ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो जारी कर सवाल उठाया कि भारतीय सुरक्षा एजेंसियों ने वैन डाइक की रिहाई पर कोई आपत्ति क्यों नहीं जताई। उन्होंने व्या्यात्मक लहजे में कहा, वह म्यांमार में सिर्फ आतंकियों को ही तो ट्रेनिंग दे रहा था। ऐसा तो नहीं है कि वह हमारे देश का तिरंगा लहराना चाहता था। अगर वह हमारे देश में तिरंगा लहराता, तो बड़ा नेशनल



सिक्वेरिटी थ्रेट हो सकता था। दीपके का यह तंज उनके अपने लहरा दो तिरंगा प्रदर्शन से जुड़ा था, जिसके लिए सीजेपी दावा करती है कि उनके कार्यकर्ताओं को तिरंगा लहराने के लिए जेल भेजा गया था। हालांकि, सरकार का दावा है कि उन्हें तिरंगा लहराने के लिए नहीं बल्कि शांति भंग करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया था। दीपके ने भारत-चीन सीमा

ऑपरेशन प्रहार में पुलिस की कार्रवाई, हरिद्वार में साधु-वेशधारी 17 आरोपी गिरफ्तार



हरिद्वार (शिखर समाचार)। लोगों को भ्रमित कर उनकी धार्मिक भावनाओं के साथ खिलवाड़ करने और कथित तौर पर ठगी करने के आरोप में हरिद्वार नगर कोतवाली पुलिस ने 17 लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने यह कार्रवाई ऑपरेशन प्रहार के तहत की। गिरफ्तार किए गए आरोपी साधु-संतों का वेश धारण कर घूम रहे थे। पुलिस ने उनके विरुद्ध भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) की धारा 172(2) के अंतर्गत कार्रवाई की है। पुलिस के अनुसार, आरोपी साधु-संतों का भेष बनाकर लोगों, विशेषकर महिलाओं और युवाओं को अपने जाल में फंसाने का प्रयास करते थे। वे लोगों की व्यक्तिगत और घरेलू समस्याओं का समाधान कराने का प्रलोभन देकर उन्हें भ्रमित करते थे। आरोप है कि इस तरीके से लोगों की धार्मिक आस्था का फायदा उठाकर ठगी की जाती थी। ऐसे मामलों पर अंकुश लगाने के उद्देश्य से पुलिस ने अभियान के तहत कार्रवाई करते हुए 17 आरोपियों को गिरफ्तार किया। पुलिस की इस कार्रवाई का उद्देश्य धार्मिक वेशभूषा की आड़ में लोगों को गुमराह करने और उनकी भावनाओं का दुरुपयोग करने वाली गतिविधियों पर रोक लगाना है।

पुलिस ने लोगों से अपील की है कि व्यक्तिगत, पारिवारिक या अन्य समस्याओं के समाधान का दावा करने वाले संदिग्ध व्यक्तियों के झूसे में न आए। किसी भी प्रकार की ठगी या संदिग्ध गतिविधि की जानकारी मिलने पर पुलिस को सूचित करें। धार्मिक आस्था का सम्मान करते हुए सतर्कता बरतना और किसी भी संदिग्ध दावे की जांच करना जरूरी है।

कुंभ-2027 की तैयारियों में तेजी, हरिद्वार में तीन किलोमीटर से अधिक लंबाई के घाटों का निर्माण जारी

हरिद्वार (शिखर समाचार)। कुंभ मेला-2027 में आने वाले श्रद्धालुओं को बेहतर और सुगम स्नान सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए हरिद्वार में नए घाटों का निर्माण तेजी से कराया जा रहा है। विभिन्न क्षेत्रों में तीन किलोमीटर से अधिक लंबाई के घाट विकसित किए जा रहे हैं। गंग नहर बंदी की अवधि का उपयोग करते हुए निर्माण कार्य दिन-रात जारी हैं। मेला प्रशासन निर्माण की प्रगति, गुणवत्ता और निर्धारित समयसीमा पर लगातार निगरानी कर रहा है। इसी क्रम में मेलाधिकारी सोनिया और अपर मेलाधिकारी दयानंद सरस्वती ने बीती रात विभिन्न घाटों पर चल रहे निर्माण कार्यों का स्थलीय निरीक्षण किया।

उन्होंने संबंधित अधिकारियों और अभियंताओं को कार्यों में तेजी लाने तथा निर्माण की गुणवत्ता बनाए रखते हुए निर्धारित समय में काम पूरा करने के निर्देश दिए।

कुंभ की तैयारियों के तहत सिंचाई विभाग द्वारा हरिद्वार से बहादराबाद के बीच नौ घाटों का निर्माण कराया जा रहा है। इनकी कुल लंबाई 2,966 मीटर बताई गई है। अपर गंग नहर के बाएं तट पर शहीद भगत सिंह घाट से सिंहद्वार के बीच 321 मीटर लंबे कामधेनु घाट का निर्माण किया जा रहा है। अमरापुर घाट से ऋषिकुल पुल, शंकराचार्य चौक और तुलसी घाट क्षेत्र में कुल 770 मीटर लंबाई में निर्माण कार्य चल रहे हैं।



उन्होंने संबंधित अधिकारियों और अभियंताओं को कार्यों में तेजी लाने तथा निर्माण की गुणवत्ता बनाए रखते हुए निर्धारित समय में काम पूरा करने के निर्देश दिए।



विकास नियमों का पालन करना अनिवार्य है। बिना आवश्यक अनुमति के निर्माण करने वालों के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। प्राधिकरण ने पर्वतीय प्राधिकरण ने सख्ती दिखाई। विन्सेन्ट हिल, फ्रेग टॉप एस्टेट, वैवरली, हाथीपांव रोड स्थित अरुण सहगल तथा निर्माणकर्ता राहुल रोहानी से संबंधित मामले में सीलिंग की कार्रवाई की गई। प्राधिकरण के अनुसार, पर्वतीय क्षेत्रों में निर्माण कार्यों के दौरान स्वीकृत मानचित्र और निर्धारित

पर कमजोर होती सुरक्षा व्यवस्था पर भी चिंता जताई और इसके लिए केंद्र सरकार को जिम्मेदार ठहराया। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार ने सुरक्षाबलों को सीमा से हटाकर दिल्ली में हो रहे विरोध प्रदर्शनों को रोकने में लगाया है। दीपके ने कहा कि सरकार की प्रार्थमिकता इस समय वैन डाइक मामले या सीमा सुरक्षा जैसे महत्वपूर्ण मामलों को गंभीरता से लेना नहीं, बल्कि दिल्ली में होने वाले आम विरोध प्रदर्शनों को नियंत्रित करना है। पीएम मोदी पर सीधा हमला बोलते हुए दीपके ने कहा कि अमेरिका और पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के सामने अपनी सख्त छवि न दिखा पाने के कारण प्रधानमंत्री देश के छात्रों को पीटकर, घसीटकर और हिरासत में लेकर एक मजबूत नेता की छवि पेश कर रहे हैं। दीपके ने कहा, स्ट्रांग लीडर वाला फील लेने के लिए कुछ तो करना पड़ेगा न। तो पीटेंगे स्टूटेंट को सड़कों पर, घसीटेंगे, डिटेल करंगे, गिरफ्तार करंगे तिरंगा लहराने के लिए।

थलापति सरकार के फैसले से खुश हुई मोदी सरकार हवाई यात्रियों को राहत मिलने की उम्मीद

नई दिल्ली, एजेंसी। विमान ईंधन यानी एविएशन टर्बाइन फ्यूल (एटीएफ) पर मूल्य वर्धित कर (वैट) घटाने के तमिलनाडु सरकार के फैसले का केंद्र की मोदी सरकार ने स्वागत किया है। केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री राम मोहन नायडू ने मुख्यमंत्री सी.जे.सेफ विजय के नेतृत्व वाली राज्य सरकार के कदम की सराहना कर कहा कि इस कदम से विमानन क्षेत्र को राहत मिल सकती है और हवाई यात्रा को अधिक किफायती बनाने में मदद मिलेगी।

दरअसल तमिलनाडु सरकार की ओर से एटीएफ पर वैट में कटौती की अधिसूचना जारी होने के बाद केंद्रीय मंत्री नायडू ने सोशल मीडिया पर अधिसूचना को साझा किया। उन्होंने कहा कि विमान ईंधन पर कर कम



करना विमानन क्षेत्र के लिए स्वागतयोग्य कदम है। उन्होंने केंद्र और राज्यों के बीच सहयोग की जरूरत पर जोर देकर कहा कि हवाई यात्रा को सस्ता बनाने के प्रयासों में यात्रियों के हितों को प्राथमिकता दें।

थलापति सरकार के फैसले के तहत केंद्र में एटीएफ पर वैट 29 से घटाकर 16 प्रतिशत कर दिया है। वहीं, राज्य के अन्य हवाई अड्डों पर इस घटकर एक प्रतिशत करने का प्रावधान किया है। विमान ईंधन की कीमतें एयरलाइंस की

परिचालन लागत का महत्वपूर्ण हिस्सा होती हैं। इसके बाद कर में कटौती से विमानन कंपनियों को कुछ राहत मिलने की उम्मीद है। हालांकि, इसका असर हवाई टिकटों की कीमतों पर कितना पड़ेगा, यह कंपनियों के खर्च और बाजार की परिस्थितियों पर निर्भर करेगा। यह फैसला तब सामने आया है, जब वैश्विक विमानन क्षेत्र ईंधन की बढ़ती कीमतों और भू-राजनीतिक तनाव के कारण दबाव का सामना कर रहा है। पश्चिम एशिया में जारी तनाव से तेल बाजार और अंतरराष्ट्रीय उड़ानों के संचालन पर असर पड़ने की आशंका बनी हुई है। कई मार्गों पर हवाई क्षेत्र संबंधी प्रतिबंधों और उड़ानों के मार्ग बदलने से भी विमानन कंपनियों की लागत बढ़ सकती है।

रेहान वाझा की तस्वीरें हटाने पर प्रियंका चतुर्वेदी, कलाकारों की अभिव्यक्ति का किया समर्थन



नई दिल्ली, एजेंसी। नई दिल्ली के बीकानेर हाउस में आयोजित प्रदर्शनी से प्रियंका गांधी वाझा के पुत्र रेहान वाझा की कुछ तस्वीरें हटाने का मामला चर्चा में है। इस विवाद के बीच शिवसेना (यूबीटी) की नेता और पूर्व राज्यसभा सांसद प्रियंका चतुर्वेदी प्रदर्शनी देखने पहुंचीं। उन्होंने तस्वीरें हटाने के फैसले पर निराशा जताकर युवा कलाकारों और फोटोग्राफरों की अभिव्यक्ति को समर्थन देने की जरूरत जाहिर की। शिवसेना यूबीटी नेता प्रियंका चतुर्वेदी ने कहा कि वे प्रदर्शनी में शामिल सभी कलाकारों के समर्थन के लिए आई हैं। उन्होंने कहा कि कलाकार और फोटोग्राफर अपनी कला, तस्वीरों और रचनात्मक अभिव्यक्ति के माध्यम से समाज में हो रही घटनाओं को सामने लाते हैं। उनके काम को प्रोत्साहित करना और उन्हें अपनी बात रखने के लिए उचित मंच उपलब्ध कराना जरूरी है। रेहान वाझा की कुछ तस्वीरों को हटाने के फैसले पर प्रियंका चतुर्वेदी ने युवा कलाकारों की रचनात्मक स्वतंत्रता और उनके काम को उचित स्थान देने पर जोर दिया। उन्होंने रेहान वाझा के भविष्य को लेकर भी सकारात्मक टिप्पणी की और उनके कलात्मक प्रयासों के प्रति समर्थन जताया। इस मामले ले तस्वीरें हटाने के बाद राजनीतिक और सार्वजनिक हलकों में चर्चा को जन्म दिया है। शिवसेना यूबीटी नेता प्रियंका चतुर्वेदी का प्रदर्शनी में पहुंचना कलाकारों और फोटोग्राफरों के काम के समर्थन के रूप में देखा जा रहा है। उनके बयान ने कला के क्षेत्र में अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और युवा प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने के मुद्दे को फिर चर्चा में ला दिया है।

कुंभ-2027 की तैयारियों में तेजी, हरिद्वार में तीन किलोमीटर से अधिक लंबाई के घाटों का निर्माण जारी

ऋषिकुल पुल से साक्षी सतनाम घाट के बीच 735 मीटर क्षेत्र में भी काम जारी है, जिसमें जानकी घाट, लक्ष्मण घाट और भरत घाट के हिस्से शामिल हैं। अपर गंग नहर के दाएं तट पर नगर निगम कार्यालय के निकट 275 मीटर लंबे घाट का निर्माण भी कराया जा रहा है। इसके अतिरिक्त बैरागी कैप में स्केप चैनल पर 260 मीटर लंबे स्नान घाट, खड़खड़ी के निकट 75 मीटर लंबे, वैदनिकेतन घाट और बहादराबाद में बैरियर संख्या छह के पास 200 मीटर लंबे छठ पूजा घाट का निर्माण कराया जा रहा है। ज्वालापुर में जन्वाड़ा पुल के ऊपरी हिस्से में 300 मीटर लंबे घाट तथा दुर्गा मंदिर के निकट 30 मीटर लंबे

घाट का निर्माण भी प्रस्तावित है। वहीं, हरकी पैड़ी क्षेत्र की पुनर्विकास योजना के तहत सीसीआर भवन से धनुष पुल के बीच 82 मीटर लंबे घाट का निर्माण कार्य जारी है। मेला प्रशासन के अनुसार, घाटों की संख्या और स्नान स्थलों का विस्तार होने से श्रद्धालुओं को अधिक स्थान उपलब्ध होगा। इससे प्रमुख घाटों पर भीड़ का दबाव कम करने और स्नान व्यवस्था को सुचारु बनाने में मदद मिलेगी। निर्माण कार्यों के लिए श्रमिकों और मशीनों को लगाया गया है तथा अलग-अलग घाटों पर अभियंताओं की नैतानी की गई है, ताकि कुंभ-2027 से पहले आवश्यक सुविधाएं तैयार की जा सकें।

एमडीडीए का अवैध प्लॉटिंग और निर्माण पर बड़ा प्रहार, सात स्थानों पर कार्रवाई

देहरादून (शिखर समाचार)। राजधानी देहरादून और आसपास के क्षेत्रों में अवैध प्लॉटिंग, अनधिकृत निर्माण और बिना जरूरी स्वीकृति संचालित व्यावसायिक प्रतिष्ठानों के खिलाफ मसूरी देहरादून विकास प्राधिकरण (एमडीडीए) ने सख्त कार्रवाई की। प्राधिकरण की टीम ने शिमला बाईपास, पौधा, मसूरी और विधौली क्षेत्र में अभियान चलाकर सात स्थानों पर कार्रवाई की। इस दौरान शिमला बाईपास क्षेत्र में करीब 20 बीघा भूमि पर की जा रही अवैध प्लॉटिंग को ध्वस्त किया गया, जबकि पौधा रोड पर 30 से 40 बीघा भूमि पर विकसित की जा रही अवैध प्लॉटिंग को सील किया गया। इसके अलावा मसूरी में नियमों के विरुद्ध किए जा रहे निर्माण और विधौली में बिना आवश्यक स्वीकृति संचालित कैफे व दुकानों के खिलाफ भी सीलिंग की कार्रवाई की गई। प्राधिकरण के इस अभियान से अवैध निर्माण और अनधिकृत व्यावसायिक गतिविधियां संचालित करने वालों में हड़कंप मचा रहा। एमडीडीए के अनुसार, शिमला बाईपास रोड स्थित मेदनीपुर, ढकरानी, हरबटपुर क्षेत्र में भू-स्वामी गौरव रावत द्वारा लगभग 20 बीघा भूमि पर की जा रही अवैध

प्लॉटिंग के विरुद्ध ध्वस्तोकरण की कार्रवाई की गई। प्राधिकरण की टीम ने मौके पर पहुंचकर अनधिकृत रूप से विकसित की जा रही प्लॉटिंग को हटाया। वहीं, पौधा रोड पर राजेंद्र अग्रवाल द्वारा लगभग 30 से 40 बीघा भूमि पर की जा रही अवैध प्लॉटिंग के मामले में सीलिंग की कार्रवाई की गई। प्राधिकरण ने स्पष्ट किया कि बिना निर्धारित अनुमति और स्वीकृत लेआउट के भूमि पर प्लॉटिंग करना नियोजन नियमों का उल्लंघन है। ऐसे मामलों में नियमानुसार कार्रवाई जारी रहेगी। एमडीडीए ने आमजन से भी अपील की कि किसी भी भूखंड में निवेश करने से पहले उसके स्वीकृत मानचित्र, लेआउट और संबंधित अनुमतियों की जांच अवश्य कर लें, ताकि भविष्य में कानूनी और आर्थिक परेशानियों से बचा जा सके। मसूरी क्षेत्र में भी अवैध निर्माण के खिलाफ प्राधिकरण ने सख्ती दिखाई। विन्सेन्ट हिल, फ्रेग टॉप एस्टेट, वैवरली, हाथीपांव रोड स्थित अरुण सहगल तथा निर्माणकर्ता राहुल रोहानी से संबंधित मामले में सीलिंग की कार्रवाई की गई। प्राधिकरण के अनुसार, पर्वतीय क्षेत्रों में निर्माण कार्यों के दौरान स्वीकृत मानचित्र और निर्धारित



कैफे, रवि शंकर का कैफे एवं दुकान, गायत्री शर्मा की बिना स्वीकृत मानचित्र वाली दुकान और माही कैफे के नाम से संचालित प्रतिष्ठान शामिल रहे। प्राधिकरण ने संबंधित प्रतिष्ठानों को सील करते हुए स्पष्ट किया कि व्यावसायिक गतिविधियां शुरू करने से पहले नियमानुसार जरूरी स्वीकृतियां प्राप्त करना आवश्यक है। बिना मानचित्र स्वीकृति और निर्धारित अनुमतियों के संचालित प्रतिष्ठानों के खिलाफ आगे भी कार्रवाई की जाएगी।

प्राधिकरण की इस कार्रवाई के दौरान संबंधित क्षेत्रीय सहायक अभियंता, अवर वाली दुकान और माही कैफे के नाम से संचालित प्रतिष्ठान शामिल रहे। प्राधिकरण ने संबंधित प्रतिष्ठानों को सील करते हुए स्पष्ट किया कि व्यावसायिक गतिविधियां शुरू करने से पहले नियमानुसार जरूरी स्वीकृतियां प्राप्त करना आवश्यक है। बिना मानचित्र स्वीकृति और निर्धारित अनुमतियों के संचालित प्रतिष्ठानों के खिलाफ आगे भी कार्रवाई की जाएगी।

सुनिश्चित करना है। एमडीडीए के उपाध्यक्ष बंशीधर तिवारी ने कहा कि प्राधिकरण क्षेत्र में सुनियोजित विकास सुनिश्चित करना और अवैध निर्माण व अनधिकृत प्लॉटिंग पर प्रभावी अंकुश लगाना प्राथमिकता है। नियमों की अनदेखी कर भूमि पर प्लॉटिंग करने अथवा बिना स्वीकृति निर्माण करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने आमजन से अपील की कि किसी भी भूखंड को खरीदने से पहले उसके स्वीकृत लेआउट और संबंधित अनुमतियों की पूरी जानकारी प्राप्त करें। वहीं, प्राधिकरण के सचिव मोहन सिंह बर्निया ने कहा कि अवैध निर्माण और अनधिकृत व्यावसायिक गतिविधियों पर नियमित निगरानी रखी जा रही है। क्षेत्रीय अधिकारियों और कर्मचारियों को अपने-अपने क्षेत्रों में सतर्कता बनाए रखने तथा नियमों का उल्लंघन सामने आने पर आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने नागरिकों से भी भवन निर्माण और व्यावसायिक गतिविधियां शुरू करने से पहले सभी जरूरी स्वीकृतियां प्राप्त करने की अपील की।



संक्षिप्त

समाचार

गंगा पार से फाइटर जेट्स का बेस्ट व्यू, अस्सी से केदारघाट तक मायूसी



वाराणसी, एजेंसी। वाराणसी में सुबह 11 से लेकर दो बजे तक अस्सी घाट पर परिवार के साथ बैठे रहे, लेकिन आसमान की ओर देख मायूसी हुई। चुनिंदा प्लेन भी कब उड़ गए पता नहीं चला। केदारघाट पर चार घंटे बैठे रहे, लेकिन सारांग और हार्वर्ड को छोड़कर बाकियों का अच्छा नजारा या फोटो नहीं आ पाई। वहीं, दशधमेघ घाट पर अद्भुत नजारे देखने को मिले। कम से कम 50 से 60 विमानों को नजदीक से देखा। ये बातें बुधस्तिवार को कई घाटों से एयर शो देखने पहुंचे जयंत, पूजा और विनय ने बताई।

लोगों और सोशल मीडिया पर चल रही राय को माने तो गंगा पार डोमरी से एयर शो का बेस्ट व्यू मिल रहा है। यदि नमो घाट पर वायुसेना के जारी पास आप्के पास नहीं है तो यह विकल्प सबसे बेहतर है।

ज्यादातर विमान अपने करतब और राउंड डोमरी से ले रहे हैं। इसे देखना काफी रोमांचकारी है। यहां सबसे नजदीक से फाइटर जेट देखने का अनुभव मिल रहा है। कई बार तो विमान जो रंग छोड़ रहे वो भी वहीं पर गिर रहे हैं।

दूसरा विहंगम व्यू राजघाट और भैंसासुर घाट से मिलेगा। यहां से भी सभी विमानों की कलाबाजी देखी जा सकती है और फोटो और वीडियो काफी आकर्षक बन रहे। इसके बाद गाय घाट, पंचगंगा, सिंधिया घाट, ललित घाट से लेकर दशधमेघ घाट तक विमानों के हैरतअंगेज करतब का अद्भुत नजारा काफी अच्छा दिख रहा है। ललित घाट पर हेलीकॉप्टर से कमांडो की ड्रिल देखने को मिलेगी, जिसमें वे रस्सी के सहारे हेलीकॉप्टर से वरूज पर उतरेंगे।

सुनवाई पर रोक लगाने

की मांग, वक्फ बोर्ड ने दिया सुप्रीम कोर्ट के आदेश का हवाला

वाराणसी, एजेंसी। ज्ञानवापी परिसर में हिंदुओं को पूजा-पाठ का अधिकार देने से जुड़े 1991 में दायर मुकदमे में उत्तर प्रदेश सुनौ सेंट्रल वक्फ बोर्ड ने अग्रिम सुनवाई पर रोक लगाने की मांग की है। बोर्ड की ओर से सुप्रीम कोर्ट के आदेश का हवाला देते हुए अदालत में प्रार्थना पत्र दाखिल किया गया है। सिविल जज (सीनियर डिबीजन, फास्ट ट्रैक) अभिषिक्ता यादव की अदालत में इस अर्जी पर 13 नवंबर को सुनवाई होगी।

वक्फ बोर्ड के अधिवक्ता की ओर से दाखिल प्रार्थना पत्र में कहा गया है कि वरिष्ठ अधिवक्ता अभिन्नी उपाध्याय की याचिका पर सुप्रीम कोर्ट ने उपासना स्थल कानून (प्लेसेज ऑफ वरिषिण एक्ट) से संबंधित विवादों में अग्रिम सुनवाई पर रोक लगाई है। इसी आदेश का हवाला देते हुए बोर्ड ने ज्ञानवापी के मूल मुकदमे की सुनवाई आगे नहीं बढ़ाने की मांग की है।

वाद मित्र ने रोक की मांग पर जताई आपत्ति दूसरी ओर, मुकदमे में वाद मित्र विजय शंकर रस्तोगी ने वक्फ बोर्ड की मांग पर आपत्ति जताई है। उनका कहना है कि सुप्रीम कोर्ट ने ज्ञानवापी के इस मुकदमे की सुनवाई पर रोक लगाने का कोई विशिष्ट आदेश नहीं दिया है। उन्होंने इलाहाबाद हाईकोर्ट के उस निर्देश का भी उल्लेख किया, जिसमें मुकदमे का निस्तारण छह महीने के भीतर करने को कहा गया था। इसी के तहत अदालत में मामले की त्वरित सुनवाई चल रही है।

इससे पहले जिला जज की अदालत ने सील वजुखाने के ताले पर कपड़ा बदलने से संबंधित प्रशासन की अर्जी पर सुनवाई करने से इनकार कर दिया था। फिलहाल ज्ञानवापी के मूल मुकदमे में पक्षकार बनाए जाने से संबंधित प्रार्थना पत्रों पर सुनवाई चल रही है।

ऐसे में वक्फ बोर्ड की ओर से दाखिल अग्रिम सुनवाई पर रोक लगाने संबंधी अर्जी पर अदालत का रुख महत्वपूर्ण माना जा रहा है। 13 नवंबर को होने वाली सुनवाई में यह स्पष्ट होगा कि बोर्ड की मांग पर अदालत क्या रुख अपनाती है और मूल मुकदमे की सुनवाई आगे किस तरह बढ़ेगी।

सिल्वरलाइन प्रेस्टीज स्कूल में ‘तारे जमीन पर’ की धूम, नन्हे सितारों की प्रतिभा ने मोहा मन

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। सिल्वरलाइन

प्रेस्टीज स्कूल (एसएलपीएस) की सीनियर सेकेंडरी शाखा में वार्षिकोत्सव ‘तारे जमीन पर’ का भव्य आयोजन किया गया। ‘पॉम पॉम शो-2026’ के अंतर्गत फ्री-प्राइंडेशन से कक्षा दो तक के नन्हे-मुन्ने विद्यार्थियों ने रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से अपनी प्रतिभा, सृजनशीलता, आत्मविश्वास और मंचीय कौशल का शानदार प्रदर्शन किया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य प्रत्येक बच्चे की विशिष्ट प्रतिभा को पहचानने, उसकी अंतर्निहित क्षमताओं को विकसित करने तथा उसे अपने सपनों और आकांक्षाओं को साकार करने के लिए प्रोत्साहित करना रहा। समारोह ने यह संदेश दिया कि हर बच्चा अपने आप में ख़ास है और उसे आगे बढ़ने के लिए उचित मार्गदर्शन, प्रोत्साहन तथा अनुकूल वातावरण मिलना चाहिए। समारोह का शुभारंभ दीप प्रज्वलन एवं राष्ट्रगान के साथ हुआ। इसके बाद अतिथियों का स्वागत एवं अभिनंदन किया गया। विद्यार्थियों ने मधुर संगीत और आकर्षक प्रस्तुतियों के माध्यम से अतिथियों तथा अभिभावकों का स्वागत किया। इस अवसर पर विद्यालय के अध्यक्ष डॉ. सुभाष जैन, बबिता जैन, उपाध्यक्ष नमन जैन, कार्यकारी निदेशक रचनात्मक एवं अनुभववात्मक कार्यक्रम मोनिका जैन, संस्थापक निदेशक डॉ. माला कपूर, निदेशक प्रशासन प्रणव जैन, निदेशक वित्त डॉ. स्वाति अग्रवाल, प्रधानाचार्या डॉ. गीता जोशी तथा रणनीति, कौशल एवं क्षमता निर्माण के निदेशक डॉ. सी. एस. नायर की गरिमामयी उपस्थिति रही। अभिभावकों और अन्य गणमान्य



अतिथियों ने भी कार्यक्रम में सहभागिता कर विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन किया। सांस्कृतिक कार्यक्रम में बचपन की सहज अभिव्यक्ति, सपनों, पारिवारिक संबंधों और बच्चों की व्यक्तिगत स्वतंत्रता को खूबसूरती से प्रस्तुत किया गया। गणेश वंदना पर आधारित मनोहारी नृत्य से कार्यक्रम की शुरुआत हुई। इसके बाद खोल दे पर, गिव मी सम सनशाइन, मैं कभी बतलाता नहीं और ऑल इज वेल जैसे गीतों पर विद्यार्थियों ने मनमोहक प्रस्तुतियां देकर दर्शकों की खूब तालियां बटोरीं। इन प्रस्तुतियों के माध्यम से बच्चों की भावनाओं को समझने, उनकी रचियों का सम्मान करने और उन्हें आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित करने का संदेश दिया गया। कार्यक्रम ने यह भी रेखांकित किया कि बच्चों पर दूसरों से आगे निकलने का दबाव डालने के बजाय उनकी व्यक्तिगत क्षमताओं को पहचानना और उनके सपनों को साकार करने के अवसर प्रदान करना अधिक महत्वपूर्ण है।

कार्यक्रम के अगले चरण में विभिन्न प्रेरणादायी व्यक्तित्वों के जीवन, उपलब्धियों और संघर्षों को सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से जीवंत किया गया। मैथ में डब्बा गुल के जरिए महान वैज्ञानिक अल्बर्ट आइंस्टीन की असाधारण प्रतिभा को दर्शाया गया, जबकि मैं राधा तेरी, तू मेरा श्याम की प्रस्तुति ने प्रख्यात कथक नर्तक पंडित बिरजू महाराज की अनुपम कला-साधना को श्रद्धापूर्वक प्रस्तुत किया। दिल यह जिद्दी है के माध्यम से विश्वविख्यात मुक्केबाज मैरी कॉम के संघर्ष, साहस और हृदय संकल्प की झलक दिखाई गई। वहीं, शाबाशियां ने डिस्टोक्सिया के प्रति जागरूकता बढ़ाने के साथ बच्चों की अलग-अलग सीखने की क्षमताओं को समझने और स्वीकार करने का संदेश दिया। उद्योगपति एवं समाजसेवी रतन टाटा के जीवन-मूल्यों से प्रेरित प्रस्तुति आशाएं ने आशावाद, परिश्रम, दूरदृष्टि और लक्ष्य के प्रति समर्पण की भावना को उजागर किया।

समारोह का समापन ठान लिया और बादल पे पांव हैं गीतों पर आधारित ऊजावांन प्रस्तुतियों के साथ हुआ। विद्यार्थियों के उत्साह, आत्मविश्वास, आपसी समन्वय और शानदार मंचीय प्रदर्शन ने उपस्थित दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। नन्हे कलाकारों की प्रत्येक प्रस्तुति ने यह संदेश दिया कि हर बच्चे में कोई न कोई विशेष गुण और क्षमता होती है, जिसे उचित मार्गदर्शन, निरंतर अभ्यास और सकारात्मक प्रोत्साहन से निखारा जा सकता है। कार्यक्रम के दौरान अभिभावकों ने भी बच्चों की प्रस्तुतियों का उत्साहपूर्वक आनंद लिया और उनकी प्रतिभा की सराहना की। इस अवसर पर विद्यालय के अध्यक्ष डॉ. सुभाष जैन ने अपने संबोधन में बच्चों को अपनी क्षमताओं को पहचानने तथा अपनी महत्वाकांक्षाओं को साकार करने के लिए पर्याप्त समय, विश्वास और प्रोत्साहन देने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि बच्चों की रचियों का सम्मान करते हुए उन्हें

स्वतंत्र रूप से आगे बढ़ने के अवसर उपलब्ध कराए जाने चाहिए। उपाध्यक्ष नमन जैन ने विद्यार्थियों और शिक्षकों के प्रयासों की सराहना करते हुए शिक्षा के क्षेत्र में सृजनशीलता, अनुशासन और सामूहिक सहयोग की महत्वपूर्ण भूमिका को रेखांकित किया। वहीं, निदेशक प्रशासन प्रणव जैन ने आयोजन को सफल बनाने में योगदान देने वाले अतिथियों, अभिभावकों, शिक्षकों और विद्यार्थियों के प्रति आभार व्यक्त किया।

विद्यालय की प्रधानाचार्या डॉ. गीता जोशी ने अपने संबोधन में कहा कि बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए हृदय संकल्प, साहस और आत्मविश्वास आवश्यक हैं। शिक्षा का उद्देश्य केवल शैक्षणिक उपलब्धियां हासिल करना नहीं, बल्कि बच्चों में सृजनात्मकता, भावनात्मक संतुलन, संवेदनशीलता और चुनौतियों का सामना करने की क्षमता विकसित करना भी है। उन्होंने बच्चों की व्यक्तिगत विशेषताओं को समझने और उनकी क्षमताओं के अनुरूप आगे बढ़ने के अवसर प्रदान करने की आवश्यकता पर जोर दिया। वार्षिकोत्सव तारे जमीन पर के माध्यम से सिल्वरलाइन प्रेस्टीज स्कूल ने बच्चों की विशिष्ट प्रतिभाओं को पहचानने, उनकी रचनात्मक अभिव्यक्ति को प्रोत्साहित करने और उनके सर्वांगीण विकास के लिए सकारात्मक वातावरण उपलब्ध कराने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। कार्यक्रम ने एक बार फिर यह संदेश दिया कि प्रत्येक बच्चा ख़ास है और सही अवसर, विश्वास तथा प्रोत्साहन मिलने पर वह अपनी अलग पहचान बना सकता है।

अपराधियों पर शिकंजा कसने के निर्देश, नशा

तस्करों की संपत्ति जब्तोकरण में तेजी लाने पर जोर

हरिद्वार (शिखर समाचार)। जनपद में अपराध नियंत्रण, नशा तस्करी पर रोक और आगामी त्योहारों के दौरान सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने के उद्देश्य से पुलिस कार्यालय के सम्मेलन कक्ष में सितंबर माह की अपराध गोष्ठी आयोजित की गई। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक नवनीत सिंह की अध्यक्षता में हुई बैठक में जनपद के सभी राजपत्रित पुलिस अधिकारियों और थाना व शाखा प्रभारियों ने हिस्सा लिया। इस दौरान पिछले माह हुए अपराधों, उनके अनावरण और बरामदगी के आंकड़ों की समीक्षा की गई। नवनीत सिंह ने अपराधों की श्रेणीवार समीक्षा करते हुए कुछ थाना प्रभारियों को प्रदर्शन में सुधार लाने और बरामदगी का प्रतिशत बढ़ाने के निर्देश दिए। उन्होंने नशा तस्करी, वाहन चोरी, हुड़दंग और अन्य अपराधिक गतिविधियों में शामिल लोगों के खिलाफ अधिक सक्रियता से कार्रवाई करने को कहा। ऑपरेशन प्रहार के तहत थाना प्रभारियों द्वारा की जा रही कार्रवाई की भी सराहना की गई।

त्योहारी सीजन को देखते हुए वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ने सुरक्षा व्यवस्था और वाहनों के सुचारु आवागमन के लिए की गई तैयारियों को जानकारी ली। उन्होंने भीड़ जनप्रति की व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए अधीनस्थ अधिकारियों से सुझाव मांगे। साथ ही थाना प्रभारियों को पुलिसकर्मियों की ड्यूटी में नियमानुसार बदलाव करने और



चेतक पर तैनात कर्मचारियों के कार्यों की नियमित समीक्षा करने के निर्देश दिए, ताकि कोई भी पुलिसकर्मि अवैध गतिविधियों में संलिप्त न हो। नशा तस्करी को समाज के लिए गंभीर खतरा बताते हुए एसएसपी ने पेशेवर तस्करों की चल-अचल संपत्ति जब्त करने की प्रक्रिया तेज करने पर जोर दिया। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को आवश्यक पत्राचार में तेजी लाने तथा सर्किल प्रभारियों को मामलों की निगरानी कर प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए।

विवेचनाओं की समीक्षा करते हुए उन्होंने कहा कि सभी विवेचक निर्धारित समयसीमा में जांच पूरी करें। अतिरिक्त समय की आवश्यकता होने पर संबंधित अधिकारी से अनुमति लेना अनिवार्य होगा। अनावश्यक देरी पाए जाने पर विभागीय कार्रवाई की जाएगी। इसके अलावा सभी राजपत्रित अधिकारियों और थाना प्रभारियों को अपने सीयूजी नंबर पर आने वाली कॉल उठाने, जनता की समस्याएं सुनने और उनके समाधान के प्रयास करने के निर्देश भी दिए गए।

पीएम मोदी, रक्षामंत्री राजनाथ और सीएम योगी आज आएंगे, बंद होंगे रास्ते; एसपीजी ने नमो घाट पर डाला डेरा

वाराणसी, एजेंसी। वाराणसी में आयोजित एयर शो में शनिवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, रक्षामंत्री राजनाथ सिंह और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ शामिल होंगे। सुरक्षा व्यवस्था को लेकर एसपीजी ने नमो घाट पर डेरा डाल दिया है। सुरक्षा कारणों से शनिवार सुबह 10-15 बजे से पुलिस लाइन से नमो घाट जाने वाला रास्ता बंद कर दिया जाएगा। प्रशासन ने लोगों से वैकल्पिक मार्गों का इस्तेमाल करने की अपील की है। काशी में विंग्स ऑफ गंगेज की थीम पर हो रहे एयर शो का समापन 25 अक्टूबर को होगा। इस खास अवसर के मुख्य अतिथि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी होंगे। इनके साथ रक्षामंत्री राजनाथ सिंह, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य, वित्त मंत्री सुरेश खन्ना, होमगार्ड एवं नागरिक सुरक्षा मंत्री धर्मवीर प्रजापति और अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री जमा खान भी शामिल होंगे। इसके लिए शुक्रवार को ही तैयारियां पूरी कर ली गईं। शनिवार को जिले के 32 विद्यालयों के 3150 बच्चे नमो घाट से एयर शो देखेंगे। एयर शो के लिए नमो घाट को मुख्य कार्यक्रम स्थल बनाया गया है। जिला प्रशासन और पुलिस अधिकारियों के अनुसार रविवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी नमो घाट से एयर शो देखेंगे। प्रधानमंत्री रविवार को दोपहर 12-45 बजे पुलिस लाइन हेलिपैड पहुंचेंगे। यहां से सड़क मार्ग से नमो घाट पहुंचेंगे। इस दौरान सड़क पर ट्रैफिक पूरी तरह रोक दिया जाएगा। इनके स्वागत के लिए रक्षामंत्री और मुख्यमंत्री समेत कई बड़े नेता वहां मौजूद होंगे।

मतदाता सूची दुरुस्त करने को शामिली में विशेष

अभियान, डीएम ने बूथों पर पहुंचकर परखी व्यवस्था

शामली (शिखर समाचार)। भारत निर्वाचन आयोग के विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण अभियान के तहत शनिवार को जिलाधिकारी एवं जिला निर्वाचन अधिकारी आलोक यादव ने जनपद के विभिन्न मतदान केंद्रों का निरीक्षण किया। उन्होंने बूथ स्तरीय अधिकारियों (बीएलओ) को पात्र नागरिकों और नए युवा मतदाताओं का पंजीकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि मतदाता सूची को शुद्ध और त्रुटिरहित बनाया जाए, ताकि कोई भी पात्र नागरिक अपने मतधिकार से वंचित न रहे। जिलाधिकारी ने राष्ट्रीय किसान इंटर कॉलेज शामली के बूथ संख्या 35 से 40, देशभक्त इंटर कॉलेज शामली के बूथ संख्या 43 से 48, उच्च प्राथमिक विद्यालय ताजपुर सिम्भालका के बूथ संख्या 175 से



177 तथा प्राथमिक विद्यालय नंबर-2 लिलौन के बूथ संख्या 190 से 192 का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने मतदाता सूची का अवलोकन कर पंजीकरण और संशोधन से संबंधित कार्यों की जानकारी ली। जनपद के सभी 451 मतदान केंद्रों के 1,129 मतदेय स्थलों पर विशेष

अभियान चलाया गया। संबंधित निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों ने भी अपने-अपने विधानसभा क्षेत्रों में भ्रमण कर अभियान की प्रगति का जांचना लिया। जिलाधिकारी ने अपील की कि जिन युवाओं की आयु एक जनवरी 2027 को 18 वर्ष पूरी हो रही है, वे मतदाता सूची

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। मतदाता सूची में पात्र नागरिकों के नाम शामिल कराने के लिए चलाए जा रहे विशेष अभियान में लापरवाही बरतने वाले बूथ स्तरीय अधिकारियों (बीएलओ) के खिलाफ जिला प्रशासन ने सख्त रुख अपनाया है। 24 अक्टूबर को आयोजित विशेष अभियान के दौरान कुछ मतदान केंद्रों पर बीएलओ अनुपस्थित पाए गए। इस पर जिलाधिकारी एवं जिला निर्वाचन अधिकारी के निर्देशों के क्रम में संबंधित बीएलओ को प्रतिकूल प्रविष्टि देने और अग्रिम आदेश तक वेतन बाधित रखने की कार्रवाई के निर्देश दिए गए हैं। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशों के तहत जनपद में विधानसभा निर्वाचक नामावलिओं के निरंतर पुनरीक्षण का कार्य चल रहा है। इसका उद्देश्य पात्र नागरिकों और युवा मतदाताओं के नाम मतदाता सूची में शामिल कराना है। जिला प्रशासन ने सभी संबंधित बीएलओ को निर्देश दिए हैं कि वे 25 अक्टूबर, रविवार को विशेष अभियान दिवस पर अपने निर्धारित बूथों पर सुबह 10 बजे से शाम 4 बजे तक अनिवार्य रूप से उपस्थित रहें। इस दौरान बीएलओ पात्र नागरिकों से प्रपत्र-



6 प्राप्त करेंगे और मतदाता सूची में नाम दर्ज कराने की प्रक्रिया में आवश्यक सहायता उपलब्ध कराएंगे। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि 25 अक्टूबर को भी कोई बीएलओ अपने निर्धारित बूथ से अनुपस्थित पाया गया तो उसके खिलाफ प्रतिकूल प्रविष्टि और अग्रिम आदेश तक वेतन रोकने की कार्रवाई की जाएगी। इसके अतिरिक्त निर्वाचन संबंधी दायित्वों के निर्वहन में बाधा उत्पन्न करने के मामले में लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 की सुसंगत धारा के तहत प्राथमिकी दर्ज कराने की कार्रवाई भी की जाएगी। जिला प्रशासन ने



निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों, सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों और संबंधित पर्यवेक्षकों को बूथों का निरीक्षण कर बीएलओ की उपस्थिति तथा अभियान की प्रगति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। अधिकारियों को चेतावनी दी गई है कि निर्वाचन कार्य में किसी भी प्रकार की लापरवाही को गंभीरता से लिया जाएगा। प्रशासन का उद्देश्य है कि प्रत्येक पात्र नागरिक को मतदाता सूची में नाम दर्ज कराने का अवसर मिले और निर्वाचन आयोग के निर्देशों का समयबद्ध अनुपालन सुनिश्चित हो।

संपादकीय

अरुणाचल सीमा पर चीन की चुनौती:
राष्ट्रीय सुरक्षा पर राजनीति नहीं,
पारदर्शिता और हढ़ता जरूरी

भारत और चीन के बीच सीमा विवाद एक बार फिर राष्ट्रीय सुरक्षा, कूटनीति और राजनीतिक जवाबदेही के केंद्र में आ गया है। अरुणाचल प्रदेश में भारतीय और चीनी पक्षों के कई स्थानों पर आमने-सामने आने की पुष्टि भारत-तिब्बत सीमा पुलिस के महानिदेशक शत्रुजीत कपूर के बयान से हुई है। उन्होंने कहा कि पिछले कुछ दिनों में ऐसी स्थिति बनी, जब दोनों देशों के सुरक्षकर्मि अरुणाचल प्रदेश में कई जगहों पर आमने सामने आ गए और स्थिति अब भी जारी है। यह बयान इसलिए महत्वपूर्ण है, क्योंकि इस वर्ष जुलाई में पूर्वोत्तर सीमा पर तनाव शुरू होने के बाद इसे आधिकारिक स्तर पर सामने आई एक अहम घुट्टि के रूप में देखा जा रहा है। ऊपरी सुबनसिरी जिले के असाफिका और माजा क्षेत्रों में जुलाई के अंत से तनाव बने रहने की खबरें सीमा की संवेदनशीलता को रेखांकित करती हैं। इस घटनाक्रम ने स्वाभाविक रूप से देश की सुरक्षा व्यवस्था और सरकार की चीन नीति पर सवाल खड़े किए हैं। कांग्रेस तथा अन्य विपक्षी दलों ने इस मुद्दे पर केंद्र सरकार को घेरा है। लेकिन सीमा पर उत्पन्न परिस्थिति को केवल राजनीतिक आरोप प्रत्यारोप के चरमे से देखना देशहित के अनुकूल नहीं होगा। जरूरत इस बात की है कि सरकार तथ्यों के आधार पर स्थिति स्पष्ट करे, सुरक्षा बलों की तैयारियों को मजबूत रखे और चीन को यह संदेश दे कि भारत अपनी संप्रभुता से कोई समझौता नहीं करेगा।

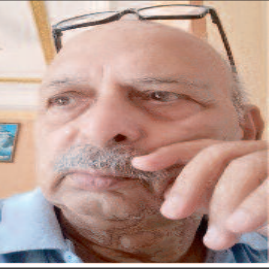
अरुणाचल प्रदेश भारत का अभिन्न हिस्सा है। चीन की ओर से इस क्षेत्र पर समय-समय पर किए जाने वाले दावों और भारतीय क्षेत्रों को लेकर उसकी आपत्तियों के बावजूद भारत की स्थिति स्पष्ट रही है कि अरुणाचल प्रदेश देश का अविभाज्य अंग है। सीमा पर वास्तविक नियंत्रण रेखा को लेकर दोनों देशों के बीच मतभेद लंबे समय से चले आ रहे हैं। कई क्षेत्रों में सीमा का स्पष्ट निर्धारण नहीं होने के कारण गश्त, आमने-सामने की स्थिति और क्षेत्रीय दावों को लेकर तनाव उत्पन्न होता रहता है। ऐसी परिस्थितियों में स्थानीय स्तर पर हुई किसी घटना को हल्के में नहीं लिया जा सकता। एक छोटी-सी गलतफहमी भी गंभीर टकराव का रूप ले सकती है। इसलिए सीमा पर तैनात जवानों की सतर्कता, बेहतर संचार व्यवस्था, खुफिया सूचनाओं का समय पर आदान प्रदान और स्पष्ट रणनीतिक निर्देश अत्यंत आवश्यक हैं। देश को यह भरोसा होना चाहिए कि सुरक्षा बल किसी भी परिस्थिति से निपटने के लिए तैयार हैं। भारत और चीन के संबंधों में गलतफहमी घाटी की घटना की स्मृति अभी भी ताजा है। जून 2020 में हुई हिंसक झड़प ने यह स्पष्ट कर दिया था कि सीमा विवाद को केवल बातचीत के भरोसे छोड़ देना पर्याप्त नहीं है। उसके बाद दोनों देशों ने सैन्य और राजनयिक स्तर पर कई दौर की बातचीत की तथा विभिन्न सीमावर्ती क्षेत्रों में तनाव कम करने के प्रयास किए। इसके बावजूद सीमा पर शांति को स्थायी मान लेना उचित नहीं होगा। जब तक सीमा विवाद का स्वीकार्य और टिकाऊ समाधान नहीं निकलता, तब तक सतर्कता में किसी प्रकार की हिलाई जोखिम पैदा कर सकती है। भारत को एक ओर सदा के रास्ते खुले रखने होंगे, वहीं दूसरी ओर सीमावर्ती क्षेत्रों में आधारभूत ढांचे, निगरानी तंत्र, संचार साधनों और सैन्य तैयारियों को लगातार मजबूत करना होगा। शांति की इच्छा और सुरक्षा की तैयारी एक-दूसरे के विरोधी नहीं, बल्कि एक-दूसरे के पूरक हैं। इस पूरे मामले में सरकार की जवाबदेही भी महत्वपूर्ण है।

~  मौलिक चिंतन  ~

जब आपके तर्क का उतर चीखते कुतर्क से दिया

जाने लगे, तो समझ लीजिए कि आप सही

रास्ते पर हैं।



©

विनय

संवकोची

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र महिलाओं के लिए सबसे असुरक्षित



मनोज कुमार अग्रवाल

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र और दिल्ली में महिलाओं के खिलाफ बढ़ते अपराधों और वारदातों पर हाल ही में सुप्रीम कोर्ट ने गंभीर चिंता जताई है। सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली-एनसीआर में महिलाओं के खिलाफ बढ़ते बलात्कार और यौन उत्पीड़न की घटनाओं पर स्वतः संज्ञान लिया है। कोर्ट ने दिल्ली पुलिस, गृह मंत्रालय और एमसीडी को नोटिस जारी कर 4 सप्ताह के भीतर विस्तृत सुरक्षा ऑडिट रिपोर्ट मांगी है। आपको बता दें कि दक्षिण दिल्ली के आस्था कुंज पार्क में बंदूक की नोक पर पुलिसकर्मि बनकर 17 वर्षीय लड़की के साथ सामूहिक बलात्कार की घटना ने क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था पर बड़े सवाल खड़े कर दिए हैं, जिसके बाद विरोध प्रदर्शन तेज हो गए हैं। इससे पहले दिल्ली के स्वरूप नगर इलाके में एक किशोरी के साथ सामूहिक दुष्कर्म करने के बाद उसकी निर्मम हत्या कर दी गई।

इसके अलावा राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र के ग्रेटर नोएडा से दिल्ली आ रही एक चलती स्लीपर बस के भीतर एक और नाबालिग लड़की का यौन उत्पीड़न किया गया। एक हालिया अध्ययन के अनुसार, दिल्ली में सड़क, मेट्रो और बसों में महिलाओं से छेड़खानी और यौन उत्पीड़न की घटनाएं बढ़ रही हैं, जिससे महिलाएं डर के मारे अपने सफर का समय और मार्ग बदलने को मजबूर हैं। सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि केवल वारदात होने के बाद आरोपियों को गिरफ्तार करना पर्याप्त नहीं है; पुलिस का मुख्य काम अपराध होने से रोकना होना चाहिए। कोर्ट ने रात के समय महिलाओं की सुरक्षा, प्रमुख स्थानों पर पर्याप्त रोशनी, सीसीटीवी निगरानी और पुलिस गश्त बढ़ाने के निर्देश दिए हैं।

एनसीआरबी के हालिया डेटा के मुताबिक, देश के सभी महानगरों की तुलना में दिल्ली में महिलाओं के खिलाफ अपराध और बलात्कार के मामले सबसे अधिक दर्ज किए जा रहे हैं, जिसके कारण यह लगातार असुरक्षित शहरों की सूची में ऊपर बना हुआ है। हाल ही में दिल्ली पुलिस मुख्यालय के बाहर विभिन्न महिला संगठनों और कार्यकर्ताओं ने महिलाओं और प्रदर्शनकारियों के खिलाफ कथित यौन हिंसा एवं उत्पीड़न के मामलों में विगत दिवस नाबालिग लड़कियों और महिलाओं के साथ हुए अपराधों से संबंधित समाचारों का स्वयं ही गम्भीर संज्ञान लेते हुए कड़ी टिप्पणियां की थीं। सर्वोच्च न्यायालय ने कहा था कि राष्ट्रीय राजधानी के आस-पास घटित होती ऐसी घटनाएं कानून लागू करने वाली एजेंसियों की विफलता को दर्शाती हैं। सर्वोच्च न्यायालय ने विशेष रूप से इस संबंध में दिल्ली के आस्था कुंज पार्क में 17 वर्षीय लड़की के साथ सामूहिक दुष्कर्म, दिल्ली के स्वरूप नगर क्षेत्र में कथित सामूहिक दुष्कर्म के उपरांत नाबालिग लड़की की हत्या और चलती स्लीपर बस में एक और नाबालिग लड़की

के कथित शारीरिक शोषण आदि से संबंधित समाचारों का संज्ञान लिया था। इस मामले के संबंध में जस्टिस जे.बी. पारदीवाला और जस्टिस के. विनोद की पीठ ने सुनवाई करते हुए टिप्पणी की थी कि घटित उपरोक्त घटनाओं की तुलना 2012 में दिल्ली में घटित हुए निर्भया कांड से की जा सकती है। उन्होंने कहा कि बड़ा सवाल यह है कि निर्भया कांड के बाद अब तक भी कानून व्यवस्था में कोई सुधार हुआ है या नहीं? उन्होंने यह भी कहा कि इन घटनाओं से एक बार फिर कानून लागू करने वाली एजेंसियों और सिविल प्रशासन की विफलता सामने आई है और सिस्टम लोगों को मूलभूत सुरक्षा मुद्देया करने में विफल होता दिखाई दे रहा है। माननीय न्यायाधीशों ने यह भी कहा था कि दिल्ली के पार्कों, सड़कों, बसों, मेट्रो स्टेशनों, भूमिगत रास्तों और पैदल चलने वाले स्थानों विशेष रूप से जिन क्षेत्रों में रात को रोशनी कम होती है, को जोखिम वाले क्षेत्र बनने की इजाजत नहीं दी जा सकती है। निःसंदेह सर्वोच्च न्यायालय के उपरोक्त न्यायाधीशों द्वारा दिल्ली और उसके आस-पास के क्षेत्र में महिलाओं की असुरक्षा संबंधी की गई टिप्पणियां बेहद गम्भीर थीं और इनका न केवल दिल्ली के प्रशासन को, अपितु केन्द्र सरकार और देश के अन्य विभिन्न राज्यों के मुख्यमंत्रियों और प्रशासन को भी गम्भीरता से संज्ञान लेना चाहिए। इस संबंध में दीर्घ विचार-विमर्श होना चाहिए कि सरकारों के ज्यादातर यत्नों और विशेष रूप से महिलाओं की सुरक्षा संबंधी कड़े कानून बनाने के बावजूद देश के अधिकतर भागों में आज भी महिलाएं सुरक्षित क्यों नहीं हैं? असामाजिक तत्वों के मन में सरकार और संबंधित प्रशासन का कोई डर क्यों नहीं है? केन्द्र से लेकर राज्य स्तर तक देश में महिलाओं की सुरक्षा को सुनिश्चित बनाने के लिए गम्भीर चर्चा करके कोई उचित कार्य योजना बनाने की जरूरत फिर महसूस हो रही है। सरकारों को इस संबंध में यह

मर्मत बरसता है और वह अमृत खीर में समा जाता है। सुबह उस खीर को प्रसाद के रूप में ग्रहण किया जाता है, जो अमृत समान मानी जाती है। ज्योतिषीय दृष्टि से दूध, चावल और चीनी चंद्र ग्रह से जुड़े तत्व हैं। इसीलिए चंद्रमा की रोशनी में रखी गई खीर में उसकी शुभ ऊर्जा और औषधीय गुण समा जाते हैं। वैज्ञानिक दृष्टिकोण से भी इस परंपरा का गहरा अर्थ है। दूध में लैक्टिक एसिड और खीर में मौजूद चावल के स्टार्च के कारण जब इसे खुली चांदनी में रखा जाता है तो उसमें ऐसे परिवर्तन होते हैं, जो इसे अधिक पौष्टिक बना देते हैं। वैज्ञानिकों का मानना ​​है कि चंद्रमा की किरणों में मौजूद अल्ट्रा-वायलेट और इन्फ्रारेड ऊर्जा दूध में मौजूद सूक्ष्म जीवों की क्रिया को सक्रिय करती है, जिससे वह पाचन में सहायक और स्वास्थ्यवर्धक बन जाता है। इसीलिए शरद पूर्णिमा की रात रखी खीर को स्वास्थ्य के लिए लाभकारी माना गया है।

पौराणिक कथाओं में यह भी उल्लेख मिलता है कि रावण इस रात दर्पण के माध्यम से चंद्रमा की किरणों को अपनी नाभि पर ग्रहण कर युवा शक्ति प्राप्त करता था। यह कथा प्रतीक है कि चंद्रमा की किरणें शरीर में ऊर्जा, शांति और जीवन शक्ति भरने का सामर्थ्य रखती हैं। शरद पूर्णिमा ऋतु परिवर्तन की भी प्रतीक है। यह दिन वर्षा ऋतु की समाप्ति और शीत ऋतु के आगमन की घोषणा करता है। मौसम बदलने के इस समय शरीर को नई जलवायु के अनुकूल बनाना आवश्यक होता है। आयुर्वेद के अनुसार, इस समय वात, पित्त और कफ दोषों में असंतुलन की संभावना बढ़ती है। खीर का मधुर स्वाद और उसका शीतल प्रभाव इन दोषों को संतुलित करने में सहायक होता है। इसलिए यह पर्व केवल

भी देखना चाहिए, कि अमन-कानून लागू करने वाली एजेंसियां इस संबंध में क्यों विफल रहती हैं? उनकी कार्यशैली में और किस प्रकार के सुधार किए जा सकते हैं? इसके साथ-साथ सरकारों को यह भी देखने की जरूरत है कि समाज में ऐसे तत्व क्यों बढ़-फूल रहे हैं, जोकि महिलाओं का मान-सम्मान करने के स्थान पर उनका शारीरिक शोषण करने को तैयार रहते हैं। उनकी ऐसी मानसिकता कहां से बनती है? क्या इसका कारण सोशल मीडिया पर मौजूद अश्लील सामग्री तो नहीं है? क्या इसका कारण मनोरंजन चैनलों पर लगातार चलते अश्लील किस्म के धारावाहिक तो नहीं हैं या क्या इसका कारण यह तो नहीं है कि हमारा समाज पारिवारिक नैतिक मूल्यों से वंचित होता जा रहा है। परिवारों के भीतर अभिभावकों द्वारा जो निरंतर अपने बच्चों को नैतिक मूल्यों की शिक्षा दी जाती थी, उसमें कोई कमी तो नहीं आ गई। ये सभी ज्वलंत सवाल हैं, जिनके संबंध में गम्भीरता से सोचने की जरूरत है, क्योंकि यह मामला सिर्फ अमन-कानून का ही नहीं, अपितु हमारे समाज के भीतर नैतिक मूल्यों के पक्ष से आ रही बड़ी गिरावट का भी है। यह भी देखना चाहिए कि इस संबंध में हमारी शिक्षण संस्थाएं-स्कूलों से लेकर उच्च शैक्षणिक संस्थानों तक क्या और कैसी भूमिका निभा सकती हैं? एक तरफ हमारे राजनीतिक नेता दिन-रात भारत के विकसित राष्ट्र बनने की डींगें हांकते नहीं थकते, दूसरी तरफ हमारे समाज की कड़वी हकीकत यह है कि हमारी आधी दुनिया (महिलाएं) देश के किसी भी कोने में सुरक्षित नहीं हैं। यदि देश को सही अर्थ में विकसित राष्ट्र बनाना है तो प्रत्येक क्षेत्र में महिलाओं के पुरुषों के समान ही बड़े योगदान की जरूरत है। महिलाएं विकास और संवृद्धि समाज के निर्माण में तभी बड़ा योगदान डाल सकती हैं, यदि वह प्रत्येक स्थान पर स्वयं को सुरक्षित महसूस करेंगी।

ब्रह्मांडीय ऊर्जा, अमृतमयी चांदनी और आत्मिक आनंद का पर्व शरद पूर्णिमा

के दिन ही चंद्रमा अपनी सभी सोलह कलाओं से पूर्ण होता है। माना जाता है कि प्रत्येक सोलह मनुष्य के जीवन की किसी न किसी विशेषता का प्रतीक होती है। भगवान श्रीकृष्ण को इन सोलह कलाओं का पूर्ण रूप कहा गया है, इसलिए शरद पूर्णिमा को रास पूर्णिमा भी कहा जाता है। पौराणिक कथाओं के अनुसार इसी रात श्रीकृष्ण ने अपनी मुरली की मधुर धुन पर ब्रज की गोपियों के साथ यमुना तट पर दिव्य महारास किया था। इसीलिए यह रात प्रेम, आनंद और भक्ति का प्रतीक मानी जाती है। वृंदान और वृज क्षेत्र में आज भी शरद पूर्णिमा को बहुत उत्साह से मनाया जाता है। शरद पूर्णिमा को कोजागरी पूर्णिमा या कौमुदी उत्सव के नाम से भी जाना जाता है। 'कोजागर' का अर्थ है 'कौन जाग रहा है?' मान्यता है कि इस रात मां लक्ष्मी पृथ्वी पर विचरण करती हैं और जो व्यक्ति जागकर सच्चे मन से उनकी पूजा करता है, उस पर लक्ष्मी की कृपा बरसती है। कहा जाता है कि समुद्र मंथन के समय धन की देवी लक्ष्मी का प्रकट होना भी इसी पूर्णिमा की रात हुआ था। इसलिए यह पर्व धन, समृद्धि और शुभता का प्रतीक माना जाता है। इस दिन लोग मां लक्ष्मी के साथ भगवान विष्णु की पूजा करते हैं, साथ ही शिव-पार्वती और कार्तिकेय की आराधना का भी विधान है। इस दिन व्रत रखकर रातभर जागरण और भक्ति करने से व्यक्ति को आर्थिक समृद्धि, मानसिक शांति और शुभ फल प्राप्त होते हैं। शरद पूर्णिमा की रात का सबसे प्रसिद्ध और सुंदर प्रतीक है खीर की परंपरा। इस रात घरों में खीर बनाकर खुले आकाश के नीचे रखी जाती है ताकि चंद्रमा की चांदनी उसमें पड़े। मान्यता है कि इस रात चंद्रमा की किरणों में

धार्मिक दृष्टि से ही नहीं बल्कि स्वास्थ्य की दृष्टि से भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। शरद पूर्णिमा की रात का सौंदर्य अद्भुत होता है। जब पूर्ण चंद्रमा आकाश में अपनी सोलह कलाओं के साथ दमकता है तो उसकी दृधिया रोशनी में पूरी धरती जैसे अमृत में डूब जाती है। इस दृश्य को देखकर मन में स्वतः शांति और प्रसन्नता का संसार होता है। यह रात केवल पूजा या जागरण की नहीं बल्कि आत्म-शुद्धि और ध्यान की भी होती है। यह दिव्य पर्व हमें संदेश देता है कि जैसे चंद्रमा अंधकार को मिटाकर जग को उजाला देता है, वैसे ही हमें अपने भीतर की अज्ञानता को मिटाकर ज्ञान और करुणा का प्रकाश फैलाना चाहिए। यह पर्व केवल बाहरी चंद्रमा का नहीं बल्कि हमारे भीतर के चंद्र स्वरूप (शीलता, शांति और प्रेम) का भी उत्सव है। कुछ स्थानों पर शरद पूर्णिमा को फसल कटाई के पर्व के रूप में भी मनाया जाता है। किसान इस दिन प्रकृति को धन्यवाद देते हैं क्योंकि शरद ऋतु के आगमन के साथ खेतों में नई ऊर्जा और फसल की खुशबू भर जाती है। इस प्रकार शरद पूर्णिमा धर्म, विज्ञान, आस्था और प्रकृति, चारों का संगम है। यह रात हमें सिखाती है कि जीवन का सच्चा आनंद केवल भौतिक संपत्ति में नहीं बल्कि मन की शांति और संतुलन में है। चंद्रमा की अमृतमयी रोशनी की तरह यदि हमारे विचार और कर्म भी निर्मल हों तो जीवन भी पूर्णिमा की तरह उज्ज्वल बन सकता है। कुल मिलाकर देखा जाए तो शरद पूर्णिमा केवल एक तिथि नहीं बल्कि ब्रह्मांड की ऊर्जा से जुड़ने का एक माध्यम है, जग माध्यम है, जग माध्यम है, जग माध्यम है। शरीर का मधुर स्वाद और उसका शीतल प्रभाव इन दोषों को संतुलित करने में सहायक होता है। इसलिए यह पर्व केवल

कलाकार हैं स्वप्नद्रष्टा और शांतिपूर्ण भविष्य के शिल्पी



ललित गर्ग

अंतर्राष्ट्रीय कलाकार दिवस का वास्तविक संदेश यही है कि जहाँ हथियार भय पैदा करते हैं, वहाँ कला विश्वास जगाती है; जहाँ घृणा मनुष्यों को बाँटती है, वहाँ सृजन उन्हें जोड़ता है; और जहाँ युद्ध जीवन को उजाड़ते हैं, वहाँ कला जीवन को फिर से सुंदर बनाने का स्वप्न देती है। आज विश्व को केवल शक्तिशाली सेनाओं, समृद्ध अर्थव्यवस्थाओं और आधुनिक तकनीकों की ही आवश्यकता नहीं, बल्कि ऐसे संवेदनशील कलाकार हृदयों की भी आवश्यकता है, जो शांति को जीवन का आदर्श बना सकें।

कला एवं कलाकार मानव सभ्यता की आत्मा है। यह वह अनंत भाषा है, जिसके माध्यम से मनुष्य अपने अंतरतम की संवेदनाओं, अनुभूतियों, विचारों और स्वप्नों को रूप, रंग, ध्वनि, शब्द, लय और भावों में अभिव्यक्त करता है। जब आदिम मानव-कलाकारों ने गुफाओं की दीवारों पर अपनी अनुभूतियों को चित्रित किया होगा, जब किसी कलाकार ने पत्थर को तराशकर उसमें आकृति का सौंदर्य खोजा होगा अथवा किसी ने प्रकृति की ध्वनियों से प्रेरित होकर पहली बार सुरों को साधा होगा, तभी से कला ने मानव जीवन में अपनी उपस्थिति दर्ज कराई होगी। कला की यात्रा वस्तुतः मानव चेतना के विकास, उसकी कल्पनाशीलता और उसकी संवेदनशीलता की यात्रा है। प्रत्येक वर्ष 25 अक्टूबर को मनाया जाने वाला अंतर्राष्ट्रीय कलाकार दिवस इसी सृजनशील चेतना को सम्मान देने तथा समाज और सभ्यता के निर्माण में कलाकारों के योगदान को पहचानने का अवसर है। लेकिन इस दिवस की सार्थकता केवल कलाकारों का अभिनंदन करने, चित्रकला प्रदर्शनियों का आयोजन करने, संगीत समारोहों में भाग लेने अथवा कलाकृतियों की प्रशंसा करने तक सीमित नहीं होनी चाहिए। आज जब विश्व युद्धों की आशंकाओं, आतंकवाद, हिंसा, धार्मिक एवं वैचारिक टकराव, आर्थिक प्रतिस्पर्धा और महाशक्तियों के वर्चस्ववादी संघर्ष से घिरा हुआ है, तब कला और कलाकार की भूमिका पहले से कहीं अधिक व्यापक और महत्वपूर्ण हो जाती है। प्रश्न यह है कि क्या मनुष्य की तकनीकी प्रगति, आर्थिक समृद्धि और सैन्य शक्ति उसे अधिक शांतिप्रिय बना सकी है? यदि नहीं, तो निश्चित रूप से हमें उस मानवीय चेतना की ओर लौटना होगा, जो मनुष्य को केवल शक्तिशाली नहीं, बल्कि संवेदनशील, सहिष्णु और करुणाशील बनाती है। कला इसी चेतना का सबसे प्रभावशाली माध्यम है।

वर्तमान विश्व की विडंबना यह है कि एक ओर विज्ञान ने दूरियों को समाप्त कर दिया है, संचार के साधनों ने दुनिया को एक वैश्विक परिवार का स्वरूप दिया है और आर्थिक संबंधों ने राष्ट्रों को परस्पर निर्भर बनाया है; दूसरी ओर मनुष्यों के बीच अविश्वास, घृणा और संघर्ष की दीवारें भी ऊँची होती जा रही हैं। युद्धभूमियों में बिखरते परिवार, आतंकवाद की भीट चढ़ते निर्दोष जीवन, विस्थापन की पीड़ा झेलते बच्चे और वर्चस्व की राजनीति में कुचले जाते छोटे राष्ट्र इस प्रश्न को सामने रखते हैं कि विकास का वास्तविक अर्थ क्या है? क्या विकास केवल ऊँची इमारतों, आधुनिक हथियारों, विशाल बाजारों और कृत्रिम बुद्धिमत्ता तक सीमित है, अथवा उसका वास्तविक उद्देश्य मनुष्य के जीवन को सुरक्षित, सुंदर, स्वतंत्र और आनंदमय बनाना भी है? कला और कलाकार इस प्रश्न का उत्तर मनुष्य के हृदय में खोजते हैं। वे याद दिलाते हैं



कि सभ्यता की महानता विनाश की क्षमता से नहीं, बल्कि सृजन, संरक्षण और सह-अस्तित्व की योग्यता से मापी जानी चाहिए। राजनीति और कूटनीति जहाँ कई बार हिंनों, सीमाओं और शक्ति-संतुलन के गणित में उलझ जाती हैं, वहीं कला और कलाकार मनुष्य के साझा दुख और साझा आनंद को सामने लाते हैं। एक चित्रकार युद्ध से उजड़े घर की तस्वीर बनाता है, तो उसमें किसी एक देश का नहीं, संपूर्ण मानवता का दर्द दिखाई देता है। एक संगीतकार जब करुणा से भरी धुन छेड़ता है, तो उसकी भाषा समझने के लिए किसी अनुवाद की आवश्यकता नहीं होती। किसी कवि की पंक्तियों में व्यक्त प्रेम, किसी नर्तकी की भाव-भाषिमा में झलकती पीड़ा और किसी मूर्तिकार की रचना में उभरती मानवीय गरिमा भौगोलिक सीमाओं से परे जाकर हृदयों को जोड़ती है। यही कला की वह शक्ति है, जो शत्रुता के बीच संवाद, निराशा के बीच आशा और विभाजन के बीच आत्मीयता के पुल बना सकती है। कला और युद्ध के बीच का अंतर भी गहरे चिंतन का विषय है। युद्ध की मानसिकता दूसरे को पराजित करने में अपनी विजय खोजती है, जबकि कला दूसरे के अनुभव को समझने की दृष्टि प्रदान करती है। युद्ध सीमाओं पर दीवारें खड़ी करता है, कला उन दीवारों के पार झौंकना सिखाती है। हथियार शरीर को घायल करते हैं, किंतु घृणा मनुष्य की आत्मा को भी अहत करती है; कला उस आत्मा के घावों को भरने का प्रयास करती है। जहाँ हिंसा प्रतिशोध को जन्म देती है, वहीं सच्चा कलात्मक सृजन सहानुभूति और आत्मसंयम

की प्रेरणा देता है। इसका अर्थ यह नहीं कि कला अकेले युद्ध रोक सकती है अथवा कलाकारों की अभिव्यक्ति मात्र से आतंकवाद समाप्त हो जाएगा। युद्धों को रोकने के लिए राजनीतिक इच्छाशक्ति, न्यायपूर्ण नीतियाँ, अंतरराष्ट्रीय सहयोग और प्रभावी संस्थाएँ आवश्यक हैं। लेकिन इन प्रयासों को स्थायी आधार देने के लिए ऐसी मानवीय चेतना चाहिए, जो हिंसा को गौरव और शांति को कमजोरी न समझे। कला इसी चेतना के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। भारत की सांस्कृतिक परंपरा में कला का संबंध केवल मनोरंजन से नहीं, बल्कि जीवन-दर्शन, आध्यात्मिकता और सामाजिक समरसता से भी रहा है। यहाँ संगीत साधना है, नृत्य भावों की अभिव्यक्ति है, साहित्य लोकमंगल की चेतना है और लोककला समुदायों की स्मृति एवं पहचान का जीवंत दस्तावेज है। जैन दर्शन का अहिंसा और अनेकांत का संदेश भी हमें सिखाता है कि सत्य को समझने के लिए दृष्टियों की विविधता का सम्मान आवश्यक है। अनेकांत की भावना कला की प्रकृति से मेल खाती है, क्योंकि एक ही दृश्य, घटना अथवा अनुभूति को अलग-अलग कलाकार भिन्न दृष्टिकोणों से अभिव्यक्त कर सकते हैं। इन विविध अभिव्यक्तियों को स्थान देना संवाद, सहिष्णुता और सह-अस्तित्व को मजबूत करता है। इसके बावजूद आज कलाकारों के सामने अनेक चुनौतियाँ हैं। बाजार का दबाव कई बार कला को केवल लाभ और लोकप्रियता की कसौटी पर परखता है। त्वरित प्रसिद्धि की चाह, अभिव्यक्ति पर अनुचित प्रतिबंध, सांस्कृतिक असहिष्णुता और रचनात्मक स्वतंत्रता के प्रति संदेह कलाकार

की संभावनाओं को सीमित कर सकते हैं। डिजिटल माध्यमों ने सृजन के अवसर बढ़ाए हैं, लेकिन सतही लोकप्रियता की प्रतिस्पर्धा ने गंभीर कलात्मक अभिव्यक्ति के सामने नई चुनौतियाँ भी खड़ी की हैं। कलाकार का सम्मान केवल पुरस्कार देकर या उसकी रचना की प्रशंसा करके पूरा नहीं होता; उसे स्वतंत्र अभिव्यक्ति, गरिमापूर्ण आजीविका, उचित पारिश्रमिक और सुरक्षित रचनात्मक वातावरण उपलब्ध कराना भी आवश्यक है। साथ ही कलाकारों का दायित्व है कि वे अपनी स्वतंत्रता का उपयोग समाज में घृणा फैलाने के बजाय विवेक, संवेदना और संवाद को प्रोत्साहित करने के लिए करें।

अंतर्राष्ट्रीय कलाकार दिवस हमें इस दिशा में सामूहिक संकल्प लेने का अवसर देता है। विशेष रूप से नई पीढ़ी को यह समझाना होगा कि सृजनशीलता का सर्वोच्च उपयोग केवल व्यक्तिगत उपलब्धि नहीं, बल्कि समाज को अधिक न्यायपूर्ण, सुंदर और मानवीय बनाने में है। वास्तव में कला मनुष्य को यह विश्वास दिलाती है कि विनाश के अंधकार के बीच भी सृजन का दीप जलाया जा सकता है। वह हमें सिखाती है कि जीवन का सौंदर्य दूसरों को पराजित करने में नहीं, उनके साथ मिलकर जीने में है; मित्रता का अर्थ केवल समान विचारों वालों से निकटता नहीं, बल्कि भिन्नताओं के बावजूद सम्मान बनाए रखना है; और शांति का अर्थ केवल युद्ध का अभाव नहीं, बल्कि न्याय, स्वतंत्रता, करुणा और परस्पर विश्वास की उपस्थिति भी है। कलाकार अपने रंगों, स्वरों, शब्दों, मुद्राओं और कल्पनाओं से ऐसे विश्व की तस्वीर रच सकते हैं, जिसमें मनुष्य की पहचान उसकी जाति, भाषा, धर्म या राष्ट्रीयता से पहले उसकी मानवीय गरिमा से हो।

अंतर्राष्ट्रीय कलाकार दिवस का वास्तविक संदेश यही है कि जहाँ हथियार भय पैदा करते हैं, वहाँ कला विश्वास जगाती है; जहाँ घृणा मनुष्यों को बाँटती है, वहाँ सृजन उन्हें जोड़ता है; और जहाँ युद्ध जीवन को उजाड़ते हैं, वहाँ कला जीवन को फिर से सुंदर बनाने का स्वप्न देती है। आज विश्व को केवल शक्तिशाली सेनाओं, समृद्ध अर्थव्यवस्थाओं और आधुनिक तकनीकों की ही आवश्यकता नहीं, बल्कि ऐसे संवेदनशील कलाकार हृदयों की भी आवश्यकता है, जो शांति को जीवन का आदर्श बना सकें। कलाकार मानते हैं कि ऐसे ही स्वप्नद्रष्टा और भविष्य के शिल्पी हैं। उनसे सृजन को सम्मान देना वस्तुतः मनुष्यता के उज्ज्वल भविष्य का सम्मान करना है। जब कला जीवन का उत्सव बनेगी, संवेदना सामाजिक संस्कार बनेगी और सह-अस्तित्व वैश्विक जीवन-दृष्टि बनेगा, तभी पृथ्वी युद्धों की आशंकाओं से मुक्त होकर शांति, मैत्री, अहिंसा और सौंदर्य की साझा धरती बन सकेगी।

(लेखक, पत्रकार, स्तम्भकार)



पौधे को कैसे होता है पुष्पित होने का एहसास

वैज्ञानिकों ने अंततः 80 साल पुरानी एक पहेली को हल करने का दावा किया है कि पौधों को यह बात कैसे पता चलती है कि उन्हें कब पुष्पित होना है। वैज्ञानिकों के मुताबिक यह उनके जीन्स में होता है। वाशिंगटन विश्वविद्यालय के एक दल के अनुसार फूल खिलने की प्रक्रिया किसी पौधे के पुष्पित पल्लवित होने के लिए महत्वपूर्ण होती है और इसके उचित समय का पता लगाने में आणविक घटनाक्रमों का सिलसिला होता है। जिसमें पौधे की जैविक घड़ी और धूप शामिल है। दल का नेतृत्व करने वाले प्रोफेसर ताकातो इमाइजुमी ने कहा कि अरबीडोप्सिस नामक अध्ययन में यह समझने का प्रयास किया गया कि किसी सामान्य पौधे में फूलों के खिलने का काम कैसे होता है। इससे यह समझने में बेहतरी होगी कि धान, गेहूँ और जौ जैसी फसलों के तौर पर उगे और जटिल पौधों में ये ही जीन्स किस तरह काम करते हैं। उन्होंने कहा, यदि हम फूल उगने के समय को नियमित कर सकते हैं तो इसे बढ़ाकर या इसमें देरी कर उपज बढ़ाने में सक्षम हो सकते हैं। प्रणाली को समझने से हमें इसमें बदलाव की सहजता होती है। साल में विशेष समयों पर पौधों के पुष्पित होते समय उनकी पत्तियों में फ्लोवरिंग लोकस टी नामक प्रोटीन बनता है जो इस प्रक्रिया को प्रेरित करता है। यह प्रोटीन पत्तियों से शूट एपेक्स में पहुंचता है जो पौधे का वह हिस्सा है जहां कोशिकाएं एक जैसी होती हैं। इसका मतलब है कि ये कोशिकाएं पत्तियां या फूल बन सकती हैं। इस शूट एपेक्स में प्रोटीन में आणविक बदलाव होते हैं जो कोशिकाओं को फूल बनने की दिशा में बढ़ाते हैं।

क्या तुम्हें पता है कि हम इनसानों की तरह ही पेड़-पौधे भी आपस में बातें करते हैं! वो हमारी बात समझ सकते हैं। पेड़-पौधों को म्यूजिक सुनना भी पसंद है। वैज्ञानिक शोध में भी यह बात सामने आई है कि पेड़, फूलों के माध्यम से बातचीत करते हैं। पेड़ों के कम्युनिकेशन से जुड़ी कुछ मजेदार बातें

फूल और पौधे भी करते हैं बातें

हमने भारत के महान वैज्ञानिक जगदीश चंद्र बोस का नाम सुना है न। उन्होंने ही सबसे पहले यह बात बताई थी कि पौधे यानी प्लांट भी संवेदनशील होते हैं और जब कोई उन्हें प्यार करता है, तो वे महसूस करते हैं। उन्हें भी अच्छा संगीत प्रभावित करता है। और पता है? पौधे न सिर्फ किसी चीज को महसूस करते हैं, बल्कि अपनी बात कहते हैं। लेकिन बोल कर नहीं, कुछ दूसरे तरीकों से। वे हमारी तरह ही एक्टिव रहते हैं। वे खतरे को भांप कर अपनी रक्षा के उपाय भी करते हैं। अपने साथी पौधों को इसकी सूचना भी देते हैं। ये कोई कल्पना भर नहीं है, बल्कि इसे लेकर कई रिसर्च हुए हैं और उनसे ये बातें पता चली हैं। आज हम तुम्हें पौधों के बारे में कुछ ऐसी ही दिलचस्प बातें बता रहे हैं।

अपनी रक्षा के लिए आवाज लगाते हैं पौधे
फूल-पौधे कई बार अपनी सुगंध के जरिये अपनी रक्षा के लिए मदद मांगते हैं। जब कोई कीट पत्तियों, डालियों, फूलों को खा रहा होता है, तो अपनी महक के जरिये पौधे अपने मददगार इन्सेक्ट को आकर्षित करते हैं। ये इन्सेक्ट महक से आकर्षित होकर पौधे के पास आते हैं और उसे नुकसान पहुंचाने वाले कीटों (पेस्ट्स) को खा जाते हैं। जैसे कि तंबाकू का पौधा अपने सलाइवा की मदद से हॉर्नवर्म के कैटरपिलर को पहचान लेता है और फिर एक केमिकल सिग्नल छोड़ता है, जो कैटरपिलर के दुश्मन को आकर्षित करता है। फिर कुछ ही घंटों में कैटरपिलर का दुश्मन इन्सेक्ट यानी कीट पौधे के पास आ जाता है और उसे कैटरपिलर से छुटकारा दिला देता है।

खतरे को देख अपनी सुरक्षा बढ़ा देते हैं पौधे
पता है, पौधे अपने आसपास के पौधों के केमिकल सिग्नल्स को समझ सकते हैं और कई बार दूसरे पौधों पर कोई खतरा मंडराता है, तब उस सिग्नल को देख अपनी सुरक्षा को बढ़ा देते हैं, क्योंकि उन्हें पता चल जाता

है कि कोई भूखा इन्सेक्ट आसपास ही है। करीब पांच-छह साल पहले 48 स्टडी का विश्लेषण किया गया था, जिनमें यह बात पता चली कि पौधे अपनी सुरक्षा बढ़ा देते हैं, जब उनके आसपास के पौधों को नुकसान पहुंचता है। जैसे कि जब सेंजब्रश को हॉर्नवर्म नुकसान पहुंचाता है, तो वह अपनी सुरक्षा में ट्रिप्सीन प्रोटीनेज इन्हिबिटर्स (टीपीआईज) प्रोटीन रिलीज करता है। टीपीआईज इन्सेक्ट को प्रोटीन डाइजेस्ट करने से रोक देते हैं और इन्सेक्ट की ग्रोथ को भी रोक देते हैं। जब आसपास के पौधे, यहां तक कि दूसरी प्रजाति के पौधे, सेंजब्रश के नुकसान को भांप लेते हैं तो अपनी सुरक्षा की तैयारी कर लेते हैं।

एक-दूसरे से मुकाबला करते हैं पौधे
तुम्हें पता है! पौधे सूरज की रोशनी, अपनी पोजीशन के लिए आसपास के पौधों के साथ धक्कामुक्की भी करते हैं। यह बात अलग है कि ऐसा वे अपने तरीके से करते हैं। एक झगड़ालू प्लांट है नैपवीड। नैपवीड की जड़ें एक खास किस्म का केमिकल रिलीज करती हैं, जो उसे मिट्टी से पोषक तत्व प्राप्त करने में मदद करता है। साथ ही वो केमिकल नैपवीड के आसपास की देसी घास को भी खत्म कर देता है। इस तरह नैपवीड अपने आसपास

की जगह हथिया लेता है। है न यह स्वार्थी और बदमाश पौधा! लेकिन कुछ प्लांट स्मार्ट भी होते हैं और इस केमिकल के खिलाफ सुरक्षा कवच बना लेते हैं। ल्यूपिन की जड़ें ऑक्जैलिक एसिड निकालती हैं, जो नैपवीड द्वारा रिलीज किए जाने वाले नुकसानदायक केमिकल के खिलाफ एक बैरिकेड बना देती है। यहां तक कि ल्यूपिन आसपास के पौधों की भी नैपवीड जैसे आक्रामक पौधों से रक्षा करता है।

अपने सहोदर को पहचानते हैं पौधे
जब किसी पौधे के पास दूसरा कोई पौधा या पौधे उग रहे होते हैं, तो वह उसे महसूस कर सकता है। जानवरों की तरह उनमें भी अपने सहोदर को पहचानने और मदद करने की प्रवृत्ति होती है। वे सूरज की रोशनी और दूसरी चीजों को हासिल करने में एक-दूसरे की मदद करते हैं और जब कोई दूसरा पौधा उनके ऊपर छाने लगता है, तो वे भी और बढुने लगते हैं। एक पौधा है 'सी रॉकेट'। उसके साथ एक प्रयोग किया गया। जब उसे एक गमले में अपने 'सिबलिंग' के साथ उगाया गया, तो उसकी जड़ें कम फैलीं। जब उसे 'अपरिचित पौधों' के साथ दूसरे गमले में उगाया गया, तो उसने अपनी जड़ें ज्यादा फैला लीं, ताकि वह मिट्टी से अपने लिए पोषक तत्व ज्यादा ले सके, सूरज की रोशनी ज्यादा ले सके। यानी जब पौधे अपने सिबलिंग के साथ उगते हैं, तो एक-दूसरे की जरूरतों का ज्यादा ध्यान रखते हैं। एक और एक्सपेरिमेंट से यह पता चला कि पौधे अपने सिबलिंग को केमिकल सिग्नल के जरिये पहचानते हैं।

मैमल्स के साथ भी संपर्क करते हैं पौधे
पौधे केवल इन्सेक्ट को ही आकर्षित नहीं करते, चमगादड़ जैसे मैमल्स को संदेश भेज कर अपने पास बुला लेते हैं। एक मांसाहारी पिचर प्लांट है- नेथेस हेम्सलेना। उसके पास चमगादड़ (बैट) को आकर्षित करने का एक अनूठा सिस्टम है। इस प्लांट का आकार कटोरे या घड़े जैसा होता है। एक नई स्टडी के मुताबिक, इस प्लांट का स्ट्रक्चर ऐसा होता है कि उसके कारण चमगादड़ उसके पास खिंचे चले आते हैं और अपने मल-मूत्र के जरिये इस पिचर प्लांट को पोषक तत्व प्रदान करते हैं।





कितने तरह की स्केटिंग

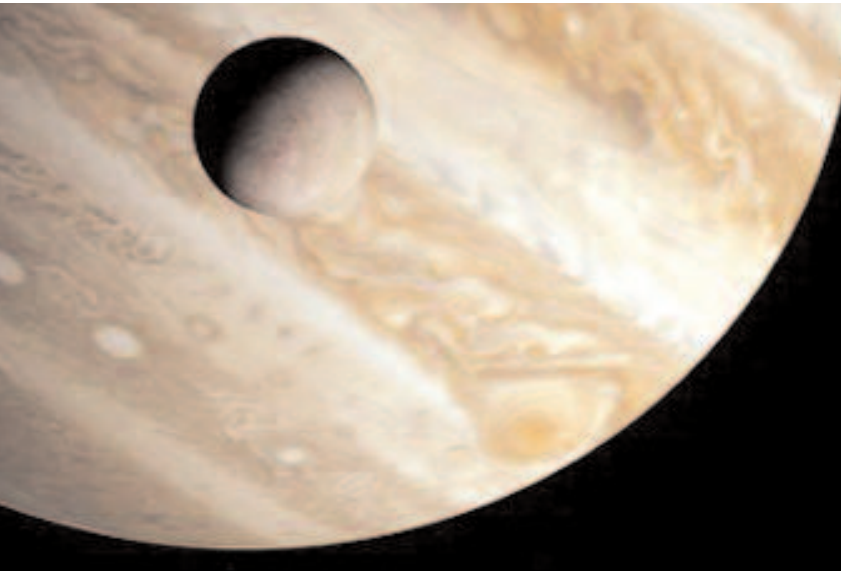
रोलर स्केटिंग, आइस स्केटिंग, इन लैन स्केटिंग। रोलर स्केटिंग का भारत में बहुत चलन है। इसे सीखना आसान है।



स्केटिंग करो फिट रहो

स्केटिंग उतनी ही आसान और सुरक्षित है जितना कि दूसरे गेम खेलना, जैसे साइकिल चलाना, बास्केटबॉल या अन्य गेम खेलना। आजकल बहुत से स्कूलों में स्केटिंग सिखाई जाती है।

स्केटिंग केवल मनोरंजन का ही साधन नहीं है, बल्कि तुम इसे अपना कैरियर भी बना सकते हो। स्केटिंग के भारत में बहुत से प्रशिक्षण केंद्र हैं, जो बच्चों को चुनकर उन्हें दूसरे देशों में वैम्पियनशिप के लिए भेजते हैं। लेकिन ये सब बातें करने से पहले यह जानो कि स्केटिंग के क्या फायदे हैं - स्केटिंग एक ऐसी व्यायाम की मशीन है, जिसको करने से तुमको मजा भी आता है और चुस्त और स्वस्थ रहते हो। पैरों की ताकत बढ़ती है। शरीर की सभी मांसल की एक्सरसाइज हो जाती है। रीढ़ की हड्डी भी सही रहती है। हाथों और पैरों का सामंजस्य बनाए रखने में मदद मिलती है। दिमाग और समझने की क्षमता बढ़ती है। चौकन्ना रहकर सीखते हो। स्केटिंग करना भागना और साइकिल चलाने से अधिक फायदेमंद है। तुमको सब बच्चों से मिलने का और बात करने का मौका मिलता है और नई जानकारी मिलती है।



वैज्ञानिकों ने इस बात पर विचार किया कि जो यह नई चीज दिखाई दे रही है, वह अगर क्षुद्रग्रह और धूमकेतु नहीं है तो आखिर क्या है? वैज्ञानिक इस बात को लेकर बड़ी उलझन में थे। वे सोच रहे थे कि हमने जो पिछले महीने ऑर्बिट में देखा था, वह आखिर क्या था? (सौर मंडल में ऑर्बिट एक ऐसा रास्ता है, जिसमें एक वस्तु दूसरी वस्तु के चारों ओर घूमती है। ऑर्बिट में हर चीज अपने आप में खास होती है।) वैज्ञानिकों ने पाया कि वृहस्पति ग्रह के चारों ओर घूमने वाला यह नया उपग्रह है, जो पहले नहीं देखा जा सका था। यही जगह है कि वैज्ञानिकों ने इस उपग्रह के लिए कोई खास नाम नहीं रखा है। फिलहाल इसे एस/1999 जे नाम से पुकारा जा रहा है। नए पाए गए उपग्रह का व्यास 5 किमी है। इसका मतलब यह है कि इस उपग्रह के एक छोर से दूसरे छोर तक पैदल चलने में केवल 5 किमी का सफर करना होगा। इस तरह देखा जाए तो यह वृहस्पति ग्रह का सबसे छोटा उपग्रह है। केवल वृहस्पति का ही नहीं, बल्कि इस सौर मंडल का यह सबसे छोटा उपग्रह होगा। इस उपग्रह के पाए जाने से पहले वृहस्पति का जो सबसे छोटा उपग्रह था, उसका नाम लेडा था। लेडा का व्यास 8 से 16 किमी तक था। अगर तुम ध्यान से देखोगे तो यह देखोगे कि इससे पहले भी वृहस्पति के उपग्रहों में हलचल दिखाई दी है। कुछ दिनों पहले वृहस्पति का सबसे बड़ा उपग्रह भी खोजा गया था। सबसे बड़े उपग्रह ने बहुत हलचल मचाई। यह

उपग्रह हमारे सौर मंडल में पाया जाने वाला अकेला उपग्रह है, जहां धरती की तुलना में ज्वालामुखी गुण कहीं ज्यादा पाए जाते हैं। हम सभी यह जानते हैं कि यह वृहस्पति का आखिरी उपग्रह नहीं है। यह उपग्रह अपने अंदर बहुत से रहस्य समेटे हुए है, जो वक्त के साथ खोजने पर सामने आएंगे।

हमारा चांद सबसे अनूठा

हमारे पास यानी पृथ्वी के पास एक ही चांद है, जिसे हम चंद्रा मामा कहते हैं। अपने सौरमंडल का सबसे चमकीला है अपना चंद्रमा। तुम्हें तो मालूम ही है कि हमारे और सूर्य के बीच में दो और ग्रह हैं। सूर्य के सबसे करीब बुध है और दूसरे स्थान पर शुक्र। हम तीसरे स्थान पर हैं। बुध और शुक्र के पास कोई चंद्रमा नहीं है, लेकिन हमारे पास एक चंद्रमा है। उस पर सूर्य की रोशनी पड़ती है और वह चमकता रहता है। तुम्हें जानकर आश्चर्य होगा कि हम कभी भी पूरे चांद को नहीं देख पाते। हमेशा उसका एक ही हिस्सा हम देख पाते हैं। जानते हो ऐसा क्यों होता है? ऐसा इसलिए होता है, क्योंकि जितने समय में वह हमारी पृथ्वी का एक चक्कर लगाता है, उतने ही समय में अपनी धुरी पर भी एक चक्कर लगा लेता है। इस कारण हमें उसका एक ही हिस्सा दिखता है और दूसरा हिस्सा हमेशा अंधेरे में रहता है। चांद को पृथ्वी का एक चक्कर लगाने में लगभग 27 दिन 7 घंटे और 43 मिनट का समय लग जाता

है। यह हमारी पृथ्वी से काफी करीब भी है। पृथ्वी से इसकी औसत दूरी लगभग 3 लाख 84 हजार 400 किलोमीटर है। यानी पृथ्वी से चंद्रमा की दूरी कभी कम और कभी अधिक हो जाती है। जब चंद्रमा पृथ्वी से दूर होता है, उस समय यह दूरी लगभग 4 लाख 5 हजार 500 किलोमीटर होती है और जब चंद्रमा पृथ्वी के करीब आ जाता है तो दोनों के बीच की दूरी 3 लाख 56 हजार 300 किलोमीटर हो जाती है। शायद तुम्हें यह मालूम नहीं होगा कि समुद्र में बड़ी-बड़ी लहरें कब और क्यों उठती हैं। यह अपने चंद्रमा के कारण ही होता है। चंद्रमा और पृथ्वी के बीच की दूरी कम होती है तो समुद्र में ऐसी लहरें उठती हैं। इसका कारण है चंद्रमा का गुरुत्वाकर्षण बल। वैसे तो यह बल पृथ्वी के गुरुत्वाकर्षण बल के छठे हिस्से के बराबर है, लेकिन समुद्र के पानी पर उसका असर हो ही जाता है। अगर तुम वहां जाओ तो रॉकेट से सिर्फ 13 घंटे में पहुंच सकते हो। प्रकाश को तो इतनी दूरी तय करने में दो सेकेंड भी नहीं लगते हैं। चंद्रमा का व्यास 3476 किलोमीटर है। अगर तुम ऐसे चार चंद्रमाओं को मिला दोगे तो जितना बड़ा चंद्रमा बनेगा, उतनी ही बड़ी है हमारी पृथ्वी। यानी हमारी पृथ्वी का लगभग एक चौथाई आकार है चंद्रमा का। यहां न तो हवा है और न ही मौसम। वैज्ञानिकों ने यह भी पता लगा लिया है कि पृथ्वी की एक बड़ी टक्कर से चंद्रमा बना। यह टक्कर आज से लगभग 4.5 अरब वर्ष पहले हुई थी।

क्रांट म्यूच्यूअल फंड ने पेश किया सिल्वर ईटीएफ फंड ऑफ फंड्स

निवेशकों को चांदी में निवेश का एक सुलभ और पारदर्शी माध्यम मिलेगा

नई दिल्ली ।

क्रांट म्यूच्यूअल फंड ने निवेशकों के लिए अपनी एक नई योजना क्रांट सिल्वर ईटीएफ फंड ऑफ फंड्स शुरू करने की घोषणा की है। यह एक खुली-समाप्त योजना है जो उन निवेशकों को लक्षित करती है जो सीधे क्मोडिटी बाजार में उतरे बिना चांदी के मूल्य में होने वाली वृद्धि का लाभ उठाना चाहते हैं। यह फंड मुख्य रूप से चांदी के एक्सचेंज ट्रेडेड फंड्स (ईटीएफ) की यूनिट्स में पूंजी का निवेश करेगा, जिससे निवेशकों को चांदी में निवेश का एक सुलभ और पारदर्शी माध्यम मिलेगा। नए फंड ऑफर (एनएफओ) अवधि के दौरान निवेशक न्यूनतम 5,000 रुपये से निवेश शुरू कर सकते हैं, जिसके बाद 1 रुपये के गुणक में कोई भी अतिरिक्त राशि लगाई जा सकती है। इस फंड का 95 से 100 प्रतिशत हिस्सा सिल्वर ईटीएफ में लगाया जाएगा, जबकि शेष 5 प्रतिशत तक नकदी और सरकारी ऋण पत्रों में रखा जाएगा ताकि दैनिक तरलता बनी रहे। फंड का प्रदर्शन घरेलू बाजार में भीतकि चांदी की कीमतों के आधार पर मापा जाएगा। इस योजना में निवेश पर कोई एंटी शुल्क नहीं लिया जाएगा। हालांकि, यदि कोई निवेशक आवंटन की तारीख से 15 दिनों के भीतर अपनी यूनिट्स को वापस बेचना है, तो उस पर 1 प्रतिशत का एग्जिट लोड लागू होगा। 15 दिनों की अवधि समाप्त होने के पश्चात पैसे निकालने पर कोई शुल्क देय नहीं होगा। फंड का प्रबंधन एक विशेषज्ञ टीम द्वारा किया जाएगा जो बाजार के उतार-चढ़ाव को ध्यान में रखते हुए परिसंपत्तियों का आवंटन करेगी।

बाजार में भूचाल- 20 महीने का सबसे खराब रहा बीता सप्ताह

निवेशकों के 20 लाख करोड़ स्वाहा

नई दिल्ली ।

भारतीय शेयर बाजार ने हाल ही में समाप्त हुए कारोबारी सप्ताह में पिछले 20 महीनों की सबसे बड़ी गिरावट दर्ज की। वैश्विक तनाव, कच्चे तेल की बढ़ती कीमतें और कंपनियों के उच्च मूल्यांकन के चलते बाजार में चैतरफा बिकवाली हावी रही, जिसका सबसे बुरा असर मिडकैप और स्मॉलकैप शेयरों पर पड़ा। चार कारोबारी सत्रों वाले इस हफ्ते में, निफ्टी मिडकैप इंडेक्स 5.6 फीसदी और स्मॉलकैप इंडेक्स 7.3 फीसदी लुप्तक गया। सप्ताह के अंतिम दिन शुक्रवार को मुख्य सूचकांक निफ्टी 123 अंक गिरकर 22,600 और सेंसेक्स 125 अंक टूटकर 73,123 के स्तर पर बंद हुआ। इस तेज बिकवाली के कारण भारतीय शेयर बाजार में सूचीबद्ध कंपनियों का कुल बाजार पूंजीकरण एक ही सप्ताह में 20.6 लाख करोड़ रुपये घटकर साफ हो गया। इसमें सबसे बड़ा नुकसान छोट्टी और मध्यम कंपनियों के निवेशकों को हुआ, जिनकी संपत्ति में लगभग 8.9 लाख करोड़ रुपये की कमी आई। बाजार विशेषज्ञों के अनुसार, यह गिरावट घरेलू आर्थिक परिस्थितियों के कारण नहीं, बल्कि अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों के 115 डॉलर प्रति बैरल के पार जाने और भू-राजनीतिक अनिश्चितता के कारण आई है। ब्रोकिंग और धन प्रबंधन संस्थानों के शेयरों में भी इस दौरान 4 से 5 प्रतिशत तक की बड़ी गिरावट देखी गई। कमजोर रुपये ने डॉलर के मुकाबले विदेशी निवेशकों की बिकवाली को और तेज किया।

एयरटेल ने एक विशेष एंटरटेनमेंट पैक पेश किया

यूजर्स को मिलेगा 28 दिनों तक विज्ञापन-मुक्त कॉंटेंट

नई दिल्ली ।

दूरसंचार कंपनी भारती एयरटेल ने अपने प्रीपेड ग्राहकों को प्रीमियम डिजिटल मनोरंजन का बेहतर अनुभव देने के लिए वैश्विक वीडियो प्लेटफॉर्म यूट्यूब के साथ एक रणनीतिक साझेदारी की घोषणा की है। इस कदम के तहत, एयरटेल ने एक विशेष एंटरटेनमेंट पैक पेश किया है, जो यूजर्स को यूट्यूब प्रीमियम की सुविधा प्रदान करेगा। यह विशेष सेवा 200 रुपए के डिजिटल टॉप-अप पैक के रूप में उपलब्ध होगी, जिसके साथ ग्राहकों को 30 जीबी अतिरिक्त हाई-स्पीड डेटा भी मिलेगा। यह पैक 28 दिनों की वैधता के साथ आता है। यूट्यूब प्रीमियम के तहत, उपयोगकर्ता बिना किसी विज्ञापन के वीडियो देख सकेंगे, साथ ही बैकग्राउंड प्ले, ऑफलाइन डाउनलोड और यूट्यूब म्यूजिक प्रीमियम का भी निर्बाध आनंद ले पाएंगे। ग्राहक एयरटेल ऐप के रिवॉइर्स सेक्शन के माध्यम से आसानी से इस सेवा को सक्रिय कर सकते हैं। यह सुविधा किसी भी सक्रिय प्रीपेड प्लान वाले ग्राहकों के लिए मान्य होगी।

बर्लिन में उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने जर्मन उद्योग जगत के प्रमुखों के साथ की बैठक

पीयूष गोयल की बर्लिन यात्रा के दौरान भारत-जर्मनी आर्थिक सहयोग पर ध्यान केंद्रित

नई दिल्ली ।

केंद्रीय उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने 23 अक्टूबर 2026 को बर्लिन में कई तरह की कार्यक्रमों के साथ जर्मनी की अपनी दो दिवसीय आधिकारिक यात्रा का समापन किया, जिसमें जर्मन सरकार के वरिष्ठ अधिकारियों, उद्योग जगत के प्रमुखों, अनुसंधान संस्थानों और भारतीय प्रवासियों के सदस्यों के साथ मुलाकात की।इन कार्यक्रमों

में व्यापार, निवेश, उन्नत विनिर्माण, अनुसंधान और उभरती प्रौद्योगिकियों में भारत-जर्मनी सहयोग को मजबूत करने पर ध्यान केंद्रित किया गया । पीयूष गोयल ने जर्मन फेडरल चांसलरों में आर्थिक और वित्तीय नीति सलाहकार और जी7/जी20 शेरपा लेविन होल के साथ द्विपक्षीय बैठक की। चर्चा में द्विपक्षीय आर्थिक सहयोग और भारत और जर्मनी के बीच आर्थिक और

निवेश संबंधों को और मजबूत करने के अवसरों पर चर्चा हुई। मंत्री पीयूष गोयल ने इन प्रमुखों से की मुलाकात मंत्री पीयूष गोयल ने सीईओ, सीमेंस हेल्टिक्स एंजी के साथ व्यक्तिगत बैठकों कीं, बर्न्ड मोंटैग; कास्टर्न कोसफेल्ड, बर्टैल्समेन के कार्यकारी बोर्ड के सदस्य और सीईओ, बर्टैल्समेन इन्वेस्टमेंट्स; और, सीएफओ, वोक्सवैगन एंजी और सीईओ, स्कोडा ऑटो, होल्त्जर पीटर्स।

त्वरित लाभ बिना किसी कागजी दौड़-धूप के सीधे पहुंचाने का मार्ग प्रशस्त करती है। तय समय से 5 महीने पहले रचा इतिहास कृषि मंत्री शिवराज ने कहा कि 23 अक्टूबर की रात तक देश में 11 करोड़ फार्मर आईडी बनाने का कार्य सफलतापूर्वक पूरा किया। पीएम मोदी ने इस कार्य के लिए 31 मार्च 2027 तक का लक्ष्य

निर्धारित किया था जिसे कृषि मंत्रालय, राज्य सरकारों और मैदानी स्तर के अधिकारियों के समन्वित प्रयासों से 5 महीने पहले ही हासिल किया है। शिवराज सिंह चौहान ने कहा, +आज का दिन भारतीय खेती और किसानों के लिए ऐतिहासिक है। एक सपना साकार हुआ है, एक संकल्प पूरा हुआ है।

नई दिल्ली ।

देश की प्रमुख टायर निर्माता कंपनी जेके टायर चालू वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही (अक्टूबर-दिसंबर) में टायरों की कीमतों में 4-5 प्रतिशत तक बढ़ोतरी करने की तैयारी कर रही है। कंपनी का कहना है कि कच्चे माल की बढ़ती लागत और कंटेनर दुलाई महंगी होने के कारण कीमतें बढ़ाना जरूरी हो गया है। कंपनी के

अे धिकारी ने बताया कि तीसरी तिमाही में टायरों की कीमतों में 4-5 प्रतिशत तक की बढ़ोतरी करने की योजना है। इससे पहले पहली तिमाही में कंपनी ने कीमतें 5 प्रतिशत और दूसरी तिमाही में 7 प्रतिशत बढ़ाई थीं। कंपनी के मुताबिक, पश्चिम एशिया में भू-राजनीतिक तनाव के चलते कारोबारी माहौल चुनौतीपूर्ण बना हुआ है। कच्चे माल की लागत लगातार ऊंची बनी हुई है, जबकि

सप्लाई चेन में बाधाओं और कंटेनर फ्रेट की बढ़ी हुई दरों से भी कंपनी पर लागत का दबाव पड़ रहा है। उनके अनुसार, दूसरी तिमाही में कच्चे माल की लागत पहली तिमाही के मुकाबले करीब 9 प्रतिशत बढ़ गई। चालू वित्त वर्ष की पहली छमाही में कच्चे माल की कुल लागत में लगभग 30 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। कंपनी को तीसरी तिमाही में भी कच्चे माल की पूरी बास्केट की लागत में



4 -

5 प्रतिशत की अतिरिक्त वृद्धि का अनुमान है। लागत बढ़ने के बावजूद कंपनी को बड़े रिम वाले टायरों की मांग में सुधार की

देश का विदेशी मुद्रा भंडार पांच अरब डॉलर घटकर 721 अरब डॉलर पर



मुंबई ।

देश का विदेशी मुद्रा भंडार 16 अक्टूबर को समाप्त सप्ताह में 5.01 अरब डॉलर घटकर 721.02 अरब डॉलर रहा। इससे पिछले सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार 8.58 अरब डॉलर घटकर 726.03 अरब डॉलर रहा था। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने यह जानकारी दी। प्रवासी भारतीयों की जमा पर विशेष रियायती अदला-बदली योजना के तहत बड़ी मात्रा में विदेशी मुद्रा आने से चार सितंबर को समाप्त सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार अब तक के उच्चतम स्तर 785.71 अरब डॉलर पर पहुंच गया था। इस योजना के जरिए बैंकों ने करीब 133 अरब डॉलर को रिकॉर्ड राशि जुटाई थी। हालांकि, इसके बाद से विदेशी मुद्रा भंडार में लगातार गिरावट आ

शेयर बाजार के लिए बीता सप्ताह काफी उतार-चढ़ाव भरा रहा

विदेशी निवेशकों की बिकवाली और कमजोर बैंकिंग शेयरों ने बढ़ाया दबाव

मुंबई ।

भारतीय शेयर बाजार के लिए बीता सप्ताह काफी उतार-चढ़ाव भरा रहा। सप्ताह के पहले दिन शुरुआती गिरावट से उबरने की कोशिश करने वाले सेंसेक्स और निफ्टी पर बाद में निजी बैंकिंग शेयरों में कमजोरी, कंपनियों के निराशाजनक नतीजों, कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों और पश्चिम एशिया में भू-राजनीतिक तनाव का दबाव हावी रहा। सप्ताह के अंत में आई रिकवरी भी बाजार को नुकसान से नहीं

बचा सकी। विदेशी निवेशकों की बिकवाली और रुपये में कमजोरी ने निवेशकों की चिंता बढ़ाई। सप्ताह की शुरुआत में सेंसेक्स एक समय 470 अंक से अधिक टूट गया, जबकि निफ्टी भी 23,000 के स्तर से नीचे आ गया। हालांकि, भारतीय स्टेट बैंक और रिलायंस इंडस्ट्रीज के शेयरों में खरीदारी से बाजार को कुछ सहारा मिला। इसके बावजूद निजी बैंकिंग शेयरों में कमजोरी और कंपनी आय से जुड़ी चिंताओं के कारण सेंसेक्स 876.37 अंक



गिरकर 73,852.90 पर बंद हुआ। निफ्टी 257.20 अंक टूटकर 22,888.95 पर आ गया। मंगलवार को विजयादशमी के अवसर पर बाजार बंद रहा।

बुधवार को कारोबार की शुरुआत तेजी के साथ हुई। सेंसेक्स शुरुआती कारोबार में 650 अंक से अधिक चढ़ा, जबकि निफ्टी ने 23,000 का स्तर पार किया।

घरेलू और कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर की कीमतों में कोई बदलाव नहीं

दिल्ली में घरेलू सिलेंडर का भाव 942, जबकि कोलकाता में 968 रुपए

नई दिल्ली ।

घरेलू और कमर्शियल गैस सिलेंडर की कीमतों में शे निवार को कोई बदलाव नहीं किया गया है। कमर्शियल सिलेंडर की कीमतों में आखिरी बार 1 अक्टूबर को बढ़ोतरी हुई थी। उस समय अलग-अलग शहरों में इसके दाम करीब 62 रुपये से 72 रुपये तक बढ़ाए गए थे। इसके बाद से कीमतें स्थिर बनी हुई हैं। वहीं घरेलू गैस सिलेंडर के दाम में आखिरी बार जून 2026 में बढ़ोतरी की गई थी। घरेलू गैस सिलेंडर की कीमतों में शहर के हिसाब से अंतर देखने को मिलता है। दिल्ली में 14.2 किलोग्राम वाले घरेलू सिलेंडर का भाव 942 रुपये है, जबकि कोलकाता में इसके लिए 968 रुपये चुकाने पड़ रहे हैं। इस तरह

दिल्ली में घरेलू सिलेंडर कोलकाता के मुकाबले 26 रुपये सस्ता है। मुंबई में इसकी कीमत 941.50 रुपये और चेन्नई में 957.50 रुपये है। वहीं गुरुग्राम में 950.50 रुपये, नोएडा में 939.50 रुपये और बेंगलुरु में 944.50 रुपये में घरेलू सिलेंडर मिल रहा है। देश के दूसरे शहरों में भी घरेलू एलपीजी की कीमतें अलग-अलग हैं। भुवनेश्वर में सिलेंडर का भाव 968 रुपये और चंडीगढ़ में 951.50 रुपये है। हैदराबाद में घरेलू सिलेंडर के लिए 994 रुपये देने पड़ रहे हैं। जयपुर में इसकी कीमत 945.50 रुपये और लखनऊ में 979.50 रुपये है। वहीं, पटना में घरेलू गैस सिलेंडर सबसे महंगे शहरों में शामिल है, जहां इसका भाव 1,031.50 रुपये है। ये कीमतें बताती हैं कि

मैकडॉनल्ड्स ऑपरेटर वेस्टलाइफ फूडवर्ल्ड को 2.7 करोड़ का घाटा

परिचालन राजस्व 642 करोड़ रुपए से बढ़कर 747 करोड़ रुपए पहुंचा

नई दिल्ली ।

मैकडॉनल्ड्स के पश्चिमी और दक्षिणी भारत के कारोबार का संचालन करने वाली वेस्टलाइफ फूडवर्ल्ड लिमिटेड को वित्त वर्ष 2026-27 की दूसरी तिमाही में 2.7 करोड़ रुपए का घाटा हुआ है। यह पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में दर्ज 37 करोड़ रुपए के लाभ से एक महत्वपूर्ण बदलाव है। हालांकि, कंपनी ने इस दौरान परिचालन राजस्व में 16.4 प्रतिशत की मजबूत वृद्धि दर्ज करते हुए इसे 747 करोड़ रुपए तक पहुंचाया।

यह घाटा मुख्य रूप से अन्य वित्तीय एवं गैर-परिचालन खर्चों के दबाव के कारण हुआ है। कंपनी की स्टॉक एक्सचेंज फाइलिंग के अनुसार, परिचालन राजस्व एक साल पहले की समान अवधि के 642 करोड़ रुपए से बढ़कर 747 करोड़ रुपए हो गया। कंपनी का परिचालन प्रदर्शन अपेक्षाकृत मजबूत रहा, जिसमें ऐ बिटा सालाना आधार पर 39.2 प्रतिशत बढ़कर 94 करोड़ रुपए पहुंच गया, जबकि पिछले वर्ष यह 67.3 करोड़ रुपए था। इसी दौरान ऐ बिटा मार्जिन 10.5 प्रतिशत से बढ़कर 12.5 प्रतिशत हो गया।

तिमाही के दौरान, वेस्टलाइफ फूडवर्ल्ड ने अपने नेटवर्क का विस्तार करते हुए 11 नए रेस्तरां जोड़े, जिससे उसके कुल आउटलेट्स की संख्या 80 शहरों में 492 हो गई है। मैकडॉनल्ड्स ऐप के कुल डाउनलोड 5.8 करोड़ के पार पहुंच गए और मासिक सक्रिय उपयोगकर्ताओं की संख्या लगभग 42 लाख हो गई।

एलपीजी सिलेंडर की लागत शहर के अनुसार बदलती है। कमर्शियल गैस सिलेंडर की कीमतों में 1 अक्टूबर को हुई बढ़ोतरी के बाद अलग-अलग शहरों में इसके दाम इस प्रकार हैं।



एलपीजी सिलेंडर की लागत शहर के अनुसार बदलती है। कमर्शियल गैस सिलेंडर की कीमतों में 1 अक्टूबर को हुई बढ़ोतरी के बाद अलग-अलग शहरों में इसके दाम इस प्रकार हैं।

दिल्ली और नोएडा में 19 किलोग्राम वाले सिलेंडर की कीमत 2,810 रुपये है। मुंबई में यह 2,764.50 रुपये और कोलकाता में 2,954 रुपये पर है। चेन्नई में कमर्शियल सिलेंडर की कीमतें बहुत मायने रखती हैं।

2,983 रुपये है। लखनऊ और जयपुर में इसकी कीमत 2,932.50 रुपये, जबकि पटना में 3,100.50 रुपये है। हैदराबाद में 3,065 रुपये, चंडीगढ़ में 2,833 रुपये, भुवनेश्वर में 2,988 रुपये और बेंगलुरु में 2,898 रुपये का भाव है। बता दें कि होलार, रेस्टोरेंट और अन्य व्यावसायिक प्रतिष्ठानों के लिए कमर्शियल सिलेंडर की कीमतें बहुत मायने रखती हैं।

एआई शेयरों में वैश्विक बिकवाली भारतीय बाजारों के लिए बड़ा अवसर- भंसाली

भारत एटी-एआई ट्रेड से सुरक्षित, बैंकिंग और लाजिकेप में निवेश के अवसर

नई दिल्ली ।

एम्बिट एसेट मैनेजमेंट के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) सुशांत भंसाली का मानना है कि वैश्विक बाजारों में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) से जुड़ी कंपनियों के शेयरों में जारी बिकवाली भारतीय शेयर बाजार के लिए एक बड़ा अवसर है। उन्होंने कहा कि भारत एटी-एआई ट्रेड के कारण वैश्विक जोखिमों से काफी हद तक सुरक्षित है, और मजबूत भारतीय आधार विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों को वापस आकर्षित करेगा, जो वर्तमान में उच्च अमेरिकी बॉन्ड दरों के कारण दूरी बनाए हुए हैं।

भंसाली के अनुसार, लाजिकैप शेयर इस समय सबसे अधिक रियायती मूल्य पर उपलब्ध हैं, जो विदेशी निवेश आकर्षित कर सकते हैं। उन्होंने बताया कि बैंकिंग क्षेत्र ऐतिहासिक रूप से निचले वैल्यूएशन पर है, जबकि ऋण वृद्धि 18-20व पर मजबूत है। इसके अलावा, सूचना प्रौद्योगिकी और कंज्यूमर क्षेत्रों में भी लंबे समय के लिए निवेश के उत्कृष्ट अवसर बन रहे हैं।

सरकार गहरे समुद्र में तेल-गैस खोज का जोखिम घटाएगी

योजना के संचालन संबंधी दिशानिर्देश जार

नई दिल्ली ।

सरकार 84,084 करोड़ रुपए की समुद्र मंथन योजना के तहत गहरे समुद्र में तेल एवं गैस की खोज के जोखिम को कम करने के लिए कंपनियों को वित्तीय सहायता देगी। इसके तहत 56 खोजी कुओं की लागत का इंसु0 प्रतिशत तक और चार भूवैज्ञानिक अध्ययन वाले कुओं की लागत का पूरा खर्च निर्धारित सीमा के भीतर सरकार उठाएगी। पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने योजना के संचालन संबंधी दिशानिर्देश जारी कर दिए हैं। इसका उद्देश्य गहरे समुद्र में तेल और गैस की खोज को प्रोत्साहन देना और आयातित हाइड्रोकार्बन पर भारत की निर्भरता को कम करना है। पेट्रोलियम सचिव नीरज मिश्रा ने दिशानिर्देशों की प्रस्तावना में समुद्र मंथन योजना को हाल के वर्षों में तेल एवं गैस की खोज और उत्पादन के क्षेत्र में सबसे महत्वकांक्षी पहल बताया। उन्होंने कहा कि इससे भारत के तेल एवं गैस भंडार में 60 करोड़ टन से अधिक तेल समतुल्य संसाधन जुड़ सकते हैं। दिशानिर्देशों के तहत, 56 खोजी



कुओं के लिए सरकार अधिकतम 675 करोड़ रुपए प्रति कुओं और भूवैज्ञानिक अध्ययन वाले चार कुओं के लिए 1,350 करोड़ रुपये प्रति कुओं तक सहायता देगी। इन चार कुओं के लिए सहायता केवल सरकारी कंपनियां या उनके नेतृत्व वाले गठजोड़ हासिल कर सकेंगे। योजना के तहत 400 मीटर से अधिक गहरे पानी वाले क्षेत्रों को गहरे समुद्र और 1,500 मीटर से अधिक गहरे पानी वाले क्षेत्रों को अति गहरे समुद्र की श्रेणी में रखा गया है। वित्तीय सहायता दो चरणों में दी जाएगी। कुएं की स्वीकृत गहराई का 40 प्रतिशत काम पूरा होने पर मंजूर राशि का 40 प्रतिशत और कुएं की खुदाई पूरी होने तथा रिपोर्ट मंजूर होने के बाद शेष 60 प्रतिशत दिया जाएगा।

वर्मा जी ने लगाया भारत को जीत का तिलक

रेड्डी ने दिया साथ, क्राइस्टचर्च में टीम इंडिया की मौज

नई दिल्ली, एजेंसी। तिलक वर्मा और नितीश कुमार रेड्डी की दमदार पारी की वजह से भारत ने शनिवार को न्यूजीलैंड के हाथों से जीत छीन ली है। भारत ने दूसरे टी20 में न्यूजीलैंड को चार विकेट से हरा दिया है। इसी के साथ टीम इंडिया ने सीरीज में 2-0 की बढ़त बना ली है। न्यूजीलैंड ने पहले बल्लेबाजी करते हुए फिलिप्स और जैकब्स की दमदार पारियों की वजह से भारत के सामने 181 रनों का लक्ष्य रखा था, जवाब में तिलक और नितीश रेड्डी के नाबाद साझेदारी की वजह से भारत ने आखिरी ओवर में लक्ष्य को हासिल कर लिया।

न्यूजीलैंड की शुरुआत रही खराब

इससे पहले कप्तान श्रेयस अय्यर ने न्यूजीलैंड को पहले बल्लेबाजी करने का न्यौता दिया था। न्यूजीलैंड की शुरुआत बेहद खराब रही थी। टिम साइफर्ट सिर्फ सात रन बनाकर पवेलियन लौट गए। इसके बाद फिन एलन को प्रिंस यादव ने बोल्ट कर न्यूजीलैंड को दूसरा झटका दिया। तीन नंबर पर बल्लेबाजी करने आए डेरिल मिचेल भी कुछ खास नहीं कर पाए। वो 6 रन बनाकर भुवनेश्वर कुमार का शिकार हुए। भुवी ने चार साल बाद टी20 अंतरराष्ट्रीय में भारत के लिए विकेट निकाला।

फिलिप्स-जैकब्स की दमदार पारी

पहले मैच की तरह एक बार फिर ग्लेन फिलिप्स और बेवन जैकब्स ने टीम के लिए शानदार पारी खेली। फिलिप्स और जैकब्स के बीच चौथे विकेट के लिए 76 गेंदों में 116 रनों की शानदार साझेदारी हुई। फिलिप्स ने 43 गेंदों में बार चौको और इतने ही छक्कों की बदौलत 70 रनों की पारी खेली। वहीं जैकब्स ने पांच चौको और एक छक्के की मदद से 46 गेंदों में 58 रन बनाए, जिसकी वजह से न्यूजीलैंड ने 20 ओवर में पांच विकेट खोकर 180 रन स्कोरबोर्ड पर लगाए। भारत की ओर से सबसे ज्यादा दो विकेट अश्वीन सिंह ने लिए।

तिलक वर्मा ने जड़ा अर्धशतक

तिलक वर्मा ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए 26 गेंदों में 51 रन बनाए। उनकी पारी में छह चौके और एक छक्का शामिल रहा। उन्होंने तेजी से रन बनाते हुए न्यूजीलैंड के गेंदबाजों पर दबाव बनाया और टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई। दूसरी ओर, नितीश कुमार रेड्डी ने भी आक्रामक अंदाज अपनाया। उन्होंने महज 13 गेंदों पर 26 रन बनाकर तिलक का अच्छा साथ दिया। दोनों बल्लेबाजों ने तेजी से रन जोड़कर भारतीय टीम की जीत सुनिश्चित की।

सीरीज में भारत की 2-0 से बढ़त

इस जीत के साथ भारत ने पांच मैचों की टी-20 सीरीज में 2-0 की बढ़त हासिल कर ली है। मुकाबले में भारतीय टीम की वापसी ने दिखाया कि दबाव की स्थिति में भी साझेदारी के दम पर मैच का परिणाम बदला जा सकता है। अब भारतीय टीम की नजरे सीरीज में अपनी बढ़त को और मजबूत करने पर होंगे।



मेसी का सम्मान

स्पेन ने अर्जेंटीना के पूर्व कप्तान को प्रिंसेस ऑफ ऑस्टुरियस अवॉर्ड दिया, हुआ जोरदार स्वागत

ओवेएदो। अर्जेंटीना के फुटबॉल दिग्गज लियोनल मेसी का स्पेन में जोरदार स्वागत हुआ। ऑलिव्हादा में 2022 फीफा विश्व कप विजेता को देखने सैकड़ों प्रशंसक पहुंचे, जहां उन्हें प्रिंसेस ऑफ ऑस्टुरियस अवॉर्ड से सम्मानित किया गया। ओलंपिक्स डॉट कॉम के अनुसार, इंटर मियामी के फॉरवर्ड मेसी, अपनी पत्नी एंटीनेला रोकुल्लों के साथ पहुंचे। उन्होंने होटल के बाहर प्रशंसकों से बातचीत की और ऑटोग्राफ दिए। यह सम्मान खेल हस्तियों को उनके शानदार करियर और अपने खेल के दायरे से बाहर किए गए योगदान के लिए दिया जाता है।



मेसी ने हाल ही में लिया था संन्यास

अर्जेंटीना के स्टार फुटबॉलर लियोनल मेसी ने हाल ही में अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल से संन्यास लेने की घोषणा कर दी थी। मेसी ने अपनी कप्तानी में अर्जेंटीना को 2022 फुटबॉल विश्व कप का खिताब दिलाया था। इस साल भी अर्जेंटीना उनकी कप्तानी में फीफा विश्व कप में खेलने उतरी थी, लेकिन उसे फाइनल में स्पेन के हाथों हार का सामना करना पड़ा था। उन्होंने अर्जेंटीना को एक विश्व कप और दो कोपा अमेरिका का खिताब दिलाया। मेसी ने अर्जेंटीना के लिए 208 मैच खेले हैं और 126 गोल किए हैं। उनके नाम 68 असिस्ट भी हैं। वह अर्जेंटीना के इतिहास में सबसे ज्यादा मैच खेलने और सबसे ज्यादा गोल करने वाले खिलाड़ी हैं। दो दशक से ज्यादा लंबे इस सफर में उन्होंने राष्ट्रीय टीम को चार बड़े अंतरराष्ट्रीय खिताब दिलाने में अहम भूमिका निभाई 2021 और 2024 कोपा अमेरिका, 2022 फाइनलिस्मिमा और सबसे बड़ा 2022 फीफा विश्व कप।

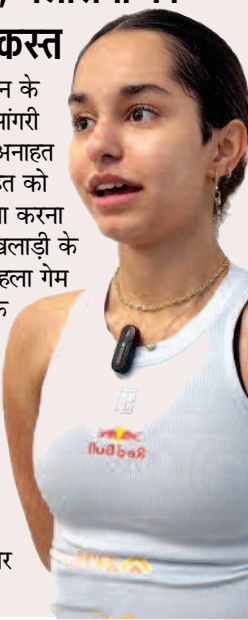
अनाहत को मिली हार

सिलिकॉन वैली ओपन: सेमीफाइनल में सफर हुआ समाप्त, मलेशिया की शिवसांगरी ने दी शिकस्त

रेडवुड सिटी। सिलिकॉन वैली ओपन के सेमीफाइनल में मलेशिया की शिवसांगरी सुब्रमन्यम से हारकर भारतीय स्टार अनाहत सिंह का सफर समाप्त हो गया। अनाहत को शिवसांगरी से 1-3 से हार का सामना करना पड़ा। अनाहत सिंह ने मलेशियाई खिलाड़ी के खिलाफ जोरदार शुरुआत की और पहला गेम 11-5 से जीत लिया। हालांकि, इसके बाद सुब्रमन्यम ने अपने खेल का स्तर बढ़ाया और 37 मिनट तक चले मुकाबले को 11-5, 6-11, 4-11, 7-11 से जीतकर फाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली। यह अनाहत की मलेशियाई खिलाड़ी से कुल मिलाकर चौथी और प्रोफेशनल स्क्वैश एसोसिएशन (पीएसए) टूर पर तीसरी हार थी।

अनाहत के लिए शानदार रहा साल

अनाहत के लिए साल 2026 बेहद खास रहा है। उन्होंने 2026 वर्ल्ड जूनियर स्क्वैश चैंपियनशिप में गर्ल्स सिंगल्स का टाइटल जीता और यह खिताब जीतने वाली पहली भारतीय बनीं। उन्होंने एशियन गेम्स 2026 में सिल्वर पदक जीतकर इस इवेंट में पहली भारतीय महिला होने का गौरव हासिल किया था। अनाहत ने इससे पहले हांगझोऊ में 2023 एशियन गेम्स में विमेंस टीम और मिक्सड डबल्स कॉम्पिटिशन में दो ब्रॉन्ज मेडल जीते थे। 18 साल की अनाहत का नाम स्क्वैश खिलाड़ी के तौर पर वैश्विक स्तर पर तेजी से आगे बढ़ रहा है। भारत को भविष्य में वैश्विक मंचों पर उनसे करिश्माई प्रदर्शन की उम्मीद है। सेमीफाइनल से बाहर होने के बावजूद, सिलिकॉन वैली में अनाहत के प्रदर्शन ने इंटरनेशनल सर्किट पर उनके बढ़ते कद को दिखाया। वर्ल्ड नंबर 15 अनाहत ने इस इवेंट में आठ बार की वर्ल्ड चैंपियन टॉप सीड एल शेरबिनी को सीधे गेम में हराकर क्वाटर फाइनल में जगह बनाते हुए बड़ा उलटफेर किया था। इसके बाद उन्होंने मिक्स की छठी सीड सलमा हैनी को हराया।



संक्षिप्त

समाचार



सानिया ने की धमाकेदार वापसी

मुंबई। टेनिस स्टार सानिया मिर्जा ने पॉडकास्ट 'सर्विंग इट अप विद सानिया' के दूसरे सीजन के साथ वापसी की है। खेल, एंटरटेनमेंट और बेबाक बातचीत को एक साथ लाने वाले इस पॉडकास्ट के पहले एपिसोड में एक्टर सोनाक्षी सिन्हा और जहीर इकबाल नजर आएंगे, जो अपने रिश्ते, शादी और साथ काम करने को लेकर खुलकर बात करते दिखेंगे। पॉडकास्टर के तौर पर अपने सफर के बारे में बात करते हुए सानिया मिर्जा ने कहा, 'जब मैंने पहली बार पॉडकास्टिंग में हाथ आजमाया, तो मुझे यकीन नहीं था कि मुझे इसमें कितना मजा आएगा, लेकिन समय के साथ-साथ मुझे एहसास हुआ कि ऐसी बातचीत और लोगों को उनकी इमेज से अलग जानना कितना मनोरंजक होता है। सानिया मिर्जा ने दूसरे सीजन की वापसी पर खुशी जाहिर करते हुए बताया, 'पहले सीजन की सफलता और दर्शकों के रिसर्पॉन्स ने मुझे सीजन-2 के साथ वापस आने की और बड़ी वजह दे दी। मैंने सालों तक टेनिस कोर्ट पर धमाल मचाया है और अब एक पॉडकास्टर के तौर पर अपनी इस नई पारी को एन्जॉय कर रही हूँ। इस सीजन में हमारे पास शानदार लाइनअप है और मैं दर्शकों के साथ इन बातचीतों को देखने के लिए उत्सुक हूँ।' शो का पहला एपिसोड सानिया के सोनाक्षी और जहीर के साथ पिकलबॉल खेलने से शुरू होगा, जिसमें कपल के सात साल के रिश्ते पर बातचीत होगी। अभिनेत्री सोनाक्षी और उनकी पति जहीर इकबाल साल 2022 में फिल्म 'डबल एक्स' में साथ नजर आए थे और साइकोलॉजिकल/रोमांटिक थ्रिलर फिल्म 'तू है मेरी किरण' में साथ काम किया है। यह फिल्म सिनेमाघरों में प्रदर्शित हो रही है। अभिनेत्री सोनाक्षी ने जहीर इकबाल के साथ स्क्रीन शेयर करने के बारे में कहा, 'मेरे लिए ऑन स्क्रीन रोमांस करना सबसे मुश्किल काम है।

प्रतिका ने खेली शतकीय पारी श्री चरणी का भी चला जादू



वडोदरा। भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए जिम्बाब्वे को पहले वनडे मुकाबले में 9 विकेट से रौंदा। बड़ौदा क्रिकेट एसोसिएशन स्टेडियम में जिम्बाब्वे से मिले 198 रनों के लक्ष्य को भारतीय टीम ने सिर्फ एक विकेट खोकर 27.1 ओवर में हासिल किया। लक्ष्य का पीछा करने उतरी भारतीय टीम की शुरुआत शानदार रही। पहले विकेट के लिए कप्तान स्मृति मंधाना और प्रतिका रावल ने मिलकर 15.3 ओवर में 94 रन जोड़े। मंधाना 34 गेंदों का सामना करने के बाद 32 रन बनाकर आउट हुईं। हालांकि, प्रतिका ने एक छोर को संभाले रखा और उन्होंने शेफाली वर्मा संग मिलकर टीम को लक्ष्य तक पहुंचाया। शेफाली ने 33 गेंदों का सामना करते हुए 64 रनों की नाबाद पारी खेली।

अपनी इस पारी के दौरान शेफाली ने 5 चौके और 4 छक्के लगाए। वहीं, प्रतिका ने 96 गेंदों में 100 रनों की नाबाद पारी खेली। प्रतिका ने अपनी इस इनिंग में 15 चौके लगाए। शेफाली और प्रतिका ने दूसरे विकेट के लिए मिलकर 70 गेंदों में 106 रनों की अटूट साझेदारी निभाई। इससे पहले, भारतीय गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन के आगे जिम्बाब्वे की बल्लेबाजों ने आसानी से घुटने टेक दिए और पूरी टीम 49.5 ओवर में 197 रन बनाकर ऑलआउट हुई। जिम्बाब्वे की ओर से बिलल्ड बीजा ने सर्वाधिक 62 रन बनाए। उन्होंने अपनी इस पारी में 5 चौके लगाए। टीम की शुरुआत अच्छी नहीं रही और लोरीन फिरी सिर्फ एक रन बनाकर आउट हुईं। इसके बाद मोडेस्टर मुफिकवा अच्छी शुरुआत का फायदा नहीं उठा सकीं और 25 रन बनाने के बाद श्री चरणी का शिकार बनीं। चिपो मुगुरी-ट्टिपानो 21 रन बनाकर आउट हुईं। शार्न मेयर्स 8 रन बनाकर दीप्ति शर्मा को गेंद पर पवेलियन लौटाईं।

डब्ल्यूपीएल में सुषमा वर्मा के लिए बड़ी बोली लगानी चाहिए: रीमा

नई दिल्ली। भारत की पूर्व क्रिकेटर रीमा मल्होत्रा का मानना है कि मुंबई इंडियंस को आने वाली विमेंस प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) 2027 के ऑक्शन में विकेटकीपर-बैटर सुषमा वर्मा को टारगेट करना चाहिए ताकि टॉप ऑर्डर में उनकी चिंताओं को दूर किया जा सके। रीमा के मुताबिक, मुंबई को अपना ओपनिंग कॉम्बिनेशन ठीक करना होगा और विकेटकीपर-बैटर जी कमलिनी का रिप्लेसमेंट ढूँढना होगा, साथ ही पांचवें सीजन से पहले अपने रिपन और तेज गेंदबाजी विकल्पों को भी मजबूत करना होगा। मुंबई इंडियंस, जो डब्ल्यूपीएल 2026 में प्लेऑफ से चूक गई थी, ने कप्तान हरमनप्रीत कौर की लीडरशिप में 11 खिलाड़ियों के एक कोर ग्रुप को रिटैन किया है।

ब्लाइंड क्रिकेट एशिया कप: फिर खिताब जीतने उतरेगी टीम इंडिया

नई दिल्ली। भारत ने दूसरे पुरुष ब्लाइंड क्रिकेट एशिया कप के लिए 17 सदस्यीय टीम की घोषणा की है। यह टूर्नामेंट 15 से 20 नवंबर तक बांग्लादेश के ढाका में आयोजित होगा। मौजूदा चैंपियन भारत, एक दशक के लंबे अंतराल के बाद हो रहे इस टूर्नामेंट में अपना खिताब का बचाव करने उतरेगा। क्रिकेट एसोसिएशन फॉर द ब्लाइंड इन इंडिया (सीबीआई) ने 10 दिनों के गहन चयन और कोचिंग कैंप के बाद इस टीम की पुष्टि की, जिसमें 24 संभावित खिलाड़ी शामिल थे।

बांग्लादेश में होने वाले इस महद्दीपीय टूर्नामेंट के लिए रवाना होने से पहले, चुने गए खिलाड़ी दिल्ली एनसीआर में एक महीने के तैयारी कैंप में हिस्सा लेंगे। इस ट्रेनिंग प्रोग्राम में बल्लेबाजी, गेंदबाजी, फील्डिंग, फिटनेस, कडीशनिंग और मैच की रणनीति

पर ध्यान दिया जाएगा। चयन प्रक्रिया के दौरान खिलाड़ियों का उनके प्रदर्शन, फिटनेस स्तर, तकनीकी कौशल और समग्र तैयारियों के आधार पर आकलन किया गया। बी। श्रेणी में नरेश तुमदा, संजय कुमार शाह, देवराज बेहरा, अशोक रेड्डी, प्रवीण कुमार शर्मा और मुकेश कुमार रावत को चुना गया है।

बी2 श्रेणी में दुन्ना वेंकटेश्वर राव, रणबीर सिंह, लोकेशा, मनीष कुमार और नकुला बडनायक शामिल हैं। वहीं, बी3 श्रेणी में दुर्गा राव टोम्पाकी, सुनील रमेश, सुखराम माझी, ए. रवि, दिनेश रथवा और दीपक को टीम में जगह मिली है।

सीएबीआई के चेयरमैन डॉ. महादेश जी. किवादासनवर ने चुने गए खिलाड़ियों को बधाई दी और उनकी तैयारियों पर भरोसा जताया। उन्होंने कहा, 'पुरुष ब्लाइंड



क्रिकेट एशिया कप 2026 में भारत का प्रतिनिधित्व करने के लिए चुने गए 17 खिलाड़ियों को बधाई। हर खिलाड़ी ने

राष्ट्रीय टीम में अपनी जगह बनाने के लिए कड़ी मेहनत की है। हमें उम्मीद है कि वे भारत की

गौरवशाली विरासत को आगे बढ़ाएंगे और अपना खिताब बचाने में सफल रहेंगे। मैं टीम की सफलता की कामना करता हूँ।

भारत ने जनवरी 2016 में कोच्चि में सीएबीआई द्वारा आयोजित पहले ब्लाइंड टी20 एशिया कप को जीता था, जिसमें उन्होंने फाइनल में पाकिस्तान को 44 रनों से हराया था। भारतीय टीम ने 208/5 का स्कोर बनाया और फिर पाकिस्तान को 164 रन पर रोककर अपना पहला खिताब जीता था।

भारतीय टीम: नरेश तुमदा, संजय कुमार शाह, देवराज बेहरा, अशोक रेड्डी, प्रवीण कुमार शर्मा, मुकेश कुमार रावत, दुन्ना वेंकटेश्वर राव, रणबीर सिंह, लोकेशा, मनीष कुमार, नकुला बडनायक, दुर्गा राव टोम्पाकी, सुनील रमेश, सुखराम माझी, ए. रवि, दिनेश रथवा और दीपक।

टाईम पास

आज का राशिफल



चू चे चो ला ली
बू ले लो आ

संतान की ओर से हर्ष के प्रसंग बनेंगे। समय को देखकर कार्य करना ज्यादा हितकर रहेगा। परिश्रम अधिक करना पड़ेगा तभी आप लाभ की आशा कर सकते हैं। कार्य क्षेत्र में पदोन्नति के योग बनेंगे। बौद्धिक कार्यों में दक्षता बढ़ेगी। स्वास्थ्य मनः स्थिति से अधिक प्रभावित रहेगा। शुभांक-३-४-७



का की कू च ड
छ के को हा

मितव्ययता रखें क्योंकि रुपये-पैसे की सुविधा आगे मिले न मिले। व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। संतोष से सफलता मिलेगी। कार्यक्षेत्र में स्थिति सामान्य ही रहेगी। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बना रहेगा। पुरुषार्थ का सहाय लें। शुभांक-४-६-८



मा नी मू ने मो
रा टी डू दे

कार्यारम्भ से पहले उचित मूल्यांकन कर लें। मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनी रहेगी। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। पर-प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। शुभांक-५-७-८



रा टी छ दे हो
ता ती चू ते

विवादों व मुकदमेबाजी से रहित मिलेंगे। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। शुभांक-५-७-९



ये वो मा नी शू
या फा डा ने

ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। खान-पान में सावधानी रखें। व्यापार में प्रगति होगी। भ्रातृपक्ष में विरोध की संभावना है। शिक्षा में आशुनुकूल कार्य होने में संदेह है। धार्मिक यात्रा का योग है। शुभांक-२-५-८



गू ने गो सा
सी सू से को रा

मुंह मांगी मुराद मिलेगी यानि इच्छित फल की प्राप्ति होगी। मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने के प्रयास सफल होंगे। धार्मिक कार्यों में समय व धन व्यय होगा। अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा। शुभांक-२-४-७



पाचन तंत्र दुरुस्त रखने के लिए इन चीजों का करें सेवन

पाचन तंत्र हमारी सेहत को बहुत प्रभावित करता है। पाचन तंत्र हमारे खाने को पचाकर उस खाने से शरीर को पोषक तत्व पहुंचाने में खास भूमिका निभाता है। इसलिए पाचन तंत्र को दुरुस्त रखना जरूरी है। इसके लिए अपनी दिनचर्या में कुछ बातों का ध्यान रखना चाहिए।

सुबह गुनगुना पानी पीएं

सुबह जागने के बाद गुनगुना पानी पीना आंत की सफाई, नए खून के निर्माण, वजन कम करने और त्वचा को चमक देने में सहायता करता है।

जब भोजन करें

भोजन के तुरंत बाद चाय या कॉफी न लें, क्योंकि ये भोजन से लौह तत्व लेने में बाधा पैदा करते हैं। भोजन के तुरंत बाद लेटें या सोएं नहीं, क्योंकि इससे पेट में मौजूद अम्ल खाने की नली में पहुंचकर सीने में जलन पैदा कर सकता है। भोजन को निगलने के पहले खूब चबाएं, ताकि उसमें मुंह से निकलने वाला पाचक रस मिल जाए। फलों का रस पीने की बजाय उन्हें काटकर खाएं, ताकि उनका फाइबर आपको मिल सके।

भोजन के आधा घंटा पहले पानी पीना पाचन में सहायक होता है।

अनन्यास

पाचन सुधारता है, सूजन घटाता है, आंखों की रोशनी बढ़ाता है, हड्डियां मजबूत करता है और त्वचा को स्वस्थ रखता है।

दही

अस्वस्थ पेट के लिए दही सबसे बढ़िया आहार होता है। यह पेट को तत्काल ठंडक प्रदान करता है।

अदरक

पाचन संबंधी समस्याओं को ठीक करने का अदभुत जरिया है। भोजन पचाने के लिए जरूरी

रसों और एंजाइम के प्रवाह को प्रेरित करता है। खांसी-जुकाम, अपच, उल्टी और गले की पीड़ा से राहत देता है।

मेथी दाना

मेथी दाने और दही का सम्मिलित प्रभाव पेट दर्द और उल्टी से तुरंत राहत देता है। कुछ दाने निगलने होते हैं, उन्हें चबाना नहीं होता।

काली मिर्च

पाचन सुधारने, भूख बढ़ाने और पेट संबंधी समस्याओं को दूर करने में असरदार होती है। यह पेट की गैस को भी दूर करती है।

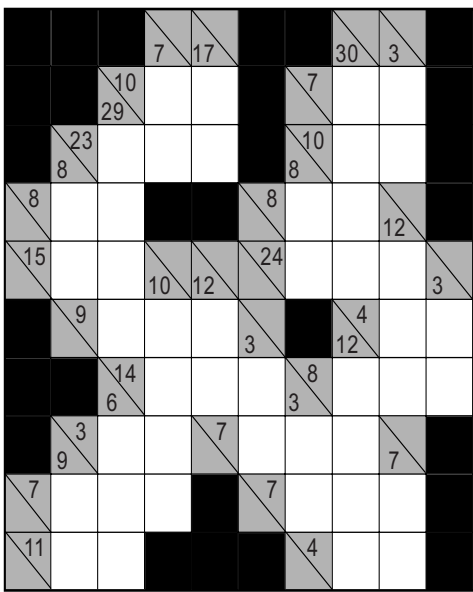
सौंफ

अपच, पेट फूलना, कब्ज और इरिटेबल बाउल सिंड्रोम के उपचार में उपयोगी है। गैस और अपच से पीड़ित बच्चे को एक चम्मच कुटी सौंफ एक कप गर्म पानी में शहद के साथ मिलाकर 10 मिनट तक हिलाने के बाद धीरे-धीरे पिलाएं।

केला

केला आपकी आंतों को स्वस्थ रखने, हृदय की लय बनाए रखने वाले पोषक तत्व प्रदान करने और स्वास्थ्य के लिए आवश्यक विटामिन देने में मदद करते हैं। केला पेट के लिए बहुत फायदेमंद फल है, जो आपके बिगड़े पेट को प्राकृतिक रूप से ठीक करने में मदद करता है

काकुरो पहेली - 4049



खाली वॉ में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता।

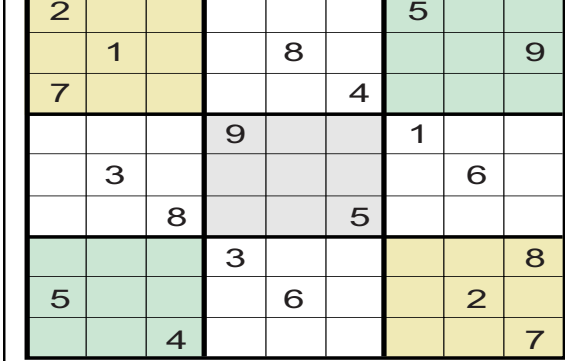
उदाहरणतः

1	2	3	4	6
6	8	9	5	6
8	4	6	7	8
9	5	7	8	9

काकुरो - 4048 का हल

1	6	4	1	6	4	9
9	8	1	7	9	8	1
3	1	2	1	7	9	2
4	3	2	1	9	6	1
7	2	9	7	8	9	2
8	3	1	7	8	3	1
7	1	3	2	1	4	9

सूडोकू -4049



सूडोकू -4048 का हल

2	3	6	8	5	1	4	9	7
9	4	5	7	6	3	8	2	1
1	7	8	2	9	4	6	5	3
3	1	9	6	7	2	5	4	8
5	6	2	1	4	8	3	7	9
7	8	4	5	3	9	1	6	2
4	9	1	3	2	5	7	8	6
8	2	7	4	1	6	9	3	5
6	5	3	9	8	7	2	1	4

■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरें जाने आवश्यक हैं।
■ प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3x3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें।
■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते।
■ पहेली का केवल एक ही हल है।

लॉफिंग जॉन

एक साधु बाजार में घूम रहा था। रास्ते में वह एक दुकानदार से बोला- बच्चा! साधु बाबा को कुछ दक्षिण दे दें। प्रभु की लीला हुई तो तेरी किस्मत पूरी तरह बदल जाएगी।

दुकानदार बोला- साधु बाबा, आप तो मुझे माफही करो। मुझे प्रभु की लीला नहीं चाहिए, पहले ही मैं अपनी एक लीला से परेशान हूं। दूसरी लीला का मैं क्या करूँगा।

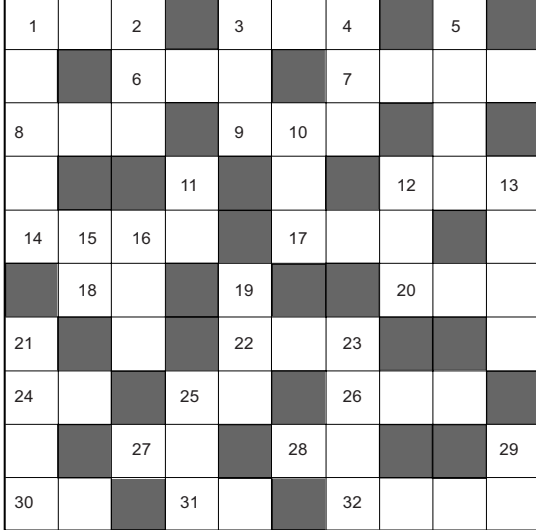
एक नवविवाहित पति-पत्नी एक बहुत शानदार मकान में जीवन व्यतीत कर रहे थे। कुछ दिन बाद ही शहर में कुछ प्रसिद्ध कलाकारों का आगमन हुआ, उनके पास डाक से नाटक के दो टिकट आए।

टिकटों के साथ एक पर्चा था, जिस पर लिखा हुआ था- यह उपहार मैं भेज रहा हूँ। भेजने वाला बाद में आएगा।

पति-पत्नी खुश होकर नाटक देखने गए। जब आधी रात को घर लौटे तो देखा कि घर की सभी वस्तुओं का सफाया हो चुका था। मेज पर कागज का एक पर्चा पड़ा था, जिस पर लिखा था- अब पता चला टिकट किसने भेजे थे?

□ □ □

फिल्म वर्ग पहेली- 4049



बारें से दायें:-
१. 'सारे शहर में आप सा कोई' गीत वाली फिल्म-३
२. 'जब जब प्यार पे पहर हुआ' गीत वाली की फिल्म-३
३. मिथुन, मधु, रंभा की 'तुम्हें हम बहुत प्यार करने लगे' गीत वाली फिल्म-३
४. 'तेरी प्यारी प्यारी' गीत वाली राजेंद्र कुमार, बी. सरोजदेवी की फिल्म-४
५. बॉबी देओल, रानी मुखर्जी की 'औंठों के रस्ते दिल में' गीत वाली फिल्म-३
६. राजेश खन्ना, शर्मिला की फिल्म-३
७. 'सकाय लेओ खटिया' गीत वाली गोविंदा, कस्मिका की फिल्म-२, २
८. फिल्म 'शहीद' में नायिका-३
९. 'आई बहार खिलते हैं दिल' गीत वाली सलमान, रेवली की फिल्म-२
१०. शक्तिचक्र, रेखा की 'जाने कैसे बीतेगी ये बरसातें' अभिनीत फिल्म-२
११. 'मच गया शोर सारी' गीत वाली अमिताभ, परवीन की फिल्म-३
१२. खूबि, टीना की 'एक हसीना थी एक दीवाना था' गीतवाली फिल्म-२
१३. धर्मेन्द्र, मनोजकुमार, सायराबानो की फिल्म-२
१४. रणधीरकपूर, रेखा की 'हो देख तुझको दिल ने कहा' गीत वाली फिल्म-३
१५. 'मैं नये जमाने की' गीत वाली अजय देवगन, रवीना टंडन की 'दीवाने हैं दीवानों से तू' गीत वाली फिल्म-२
१६. 'आइये आ जाइये, आ ही जाइये' गीत वाली अनिलकपूर, जैकी श्रॉफ, मनीषा, सोमाली, रेखा की फिल्म-२
१७. राजेश खन्ना, राखी, शर्मिला की 'नी मैं यार मरना' गीत वाली फिल्म-२
१८. अमिताभ, जीनत की फिल्म-४

ऊपर से नीचे:-

१. 'बचपन की मोहब्बत को' गीत वाली भारतभूषण, मीना की फिल्म-२, ३
२. सुनील दत्त, मीना की फिल्म-३
३. 'ऐ ज़िंदगी गले लगा ले' गीत वाली कमल हासन, श्रीदेवी की फिल्म-३
४. लकी अली, मीरा की 'जाना है जाना है चलते ही' गीत वाली फिल्म-३
५. 'मेरे सपनों की रानी कब' गीत वाली राजेश खन्ना, शर्मिला की फिल्म-४
६. नसीरुद्दीनशाह, शबाना की 'सौली हवा दू गई' गीत वाली फिल्म-३
७. 'ऐसी रंग दे दिया' गीत वाली राजेश खन्ना, हेमा मालिनी की फिल्म-२
८. सनी, अमृता की 'ये मेरी जिंदगी बेजान लाश थी' गीत वाली फिल्म-३
९. 'उहरी तो सही सोचो तो' गीत वाली गोविंदा, मनीषा कोइराला की फिल्म-४
१०. 'एक लड़की बस गई' गीतवाली फिल्म-२
११. 'भोर आई गया आँखाय' गीत वाली राजेश खन्ना, जया की फिल्म-३
१२. कमल सदाना, काजोल की 'जब ना माना दिल दीवाना' गीत वाली फिल्म-३
१३. 'आशयें छिचें दिल की' गीत वाली नसीर, श्रेयस, श्वेता की फिल्म-४
१४. अनिलकपूर, फरहा की 'पूछ रही है लड़की हेराबादी' गीत वाली फिल्म-४
१५. 'आपका खत मिला' गीत वाली जितेंद्र, रामेश्वरी, सारिका की फिल्म-३
१६. संजयदत्त, अभिषेक, जायेदखान, ईशा देओल, यशमसेन, शिफा की फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 4048



उत्सव, चरित्र, रंग, मस्ती, खिलती, दम, न, ले, कि, न, ज़ा, ती, र्वा, रे, खा, ना, नि, न, अं, दा, ज, प्या, सा, न, द, गु, मा, चि, स, ज, छी, जं, र, वी, न, ले, गा, न, जं, ग, र, हे, मा, सी, ली, वे, ता, की, न, या, ज, मा, न, दा, न, न, दे, म, स्ती

शब्द पहेली - 4048 का हल



RATE TARIFF

राष्ट्रीय शिखर

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

RASHTRIYA SHIKHAR
NATIONAL HINDI DAILY

DISPLAY B&W

Rs. 750/-

(Per Sq. cm)

DISPLAY COLOR

Rs. 750/- +
50% Extra

(Per Sq. cm)

CLASSIFIED DISPLAY

Rs. 75/-

(Per Sq. cm)

Note : Court Notice Rs. 2000/- (4x10) Rs. 50/- Per Sq. Cm. Extra for additional space.

CLASSIFIED Run On words

Rs. 15/-

(Per Word)

Note : For Classified run on words-Minimum-40 words Maximum 60 Words



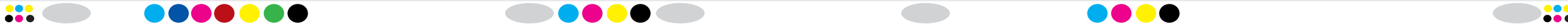
Special Page / Position Premium

Front Page (Semi)	- 50%	Island Position	- 50%	Strip Advt.	- 15%
Front Page (Solus)	- 75%	Right Hand Page	- 10%	Political Advt.	- 50%
Back Page	- 25%	Top of AD Column	- 15%	Pull Outs	- 50%
Page Three	- 20%	Any Other Spl. Position	- 10%	Discount as per deal	

Mechanical Data : 8 Cols. Per Page, Col. Width 33cm., Col. Length 50cm.

Ghaziabad Office : 64, Navyug Market, 1st Floor, Ghaziabad (UP)
Corporate Office : G-237, HIG, Pratap Vihar, Ghaziabad (U.P.)-201001
Mob.: 9310230557, 9625163807, E-mail : rashtriyaashikhar@gmail.com, Website : www.rashtriyaashikhar.com

Follow us : @ RashtriyaShikhar/





पुलिस कंपनी से हो रही राम गोपाल वर्मा की वापसी

अपनी नई क्राइम थ्रिलर फिल्म पुलिस कंपनी के साथ फिल्म निर्देशक राम गोपाल वर्मा बड़े पर्दे पर वापसी कर रहे हैं। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर निर्देशक ने एक विस्तृत नोट साझा करते हुए अपनी आगामी फिल्म के शीर्षक और उसकी बहुप्रतीक्षित रिलीज डेट का खुलासा किया। यह फिल्म अगले साल 4 जून को सिनेमाघरों में दस्तक देगी, जिससे उनके प्रशंसकों और फिल्म प्रेमियों में खासा उत्साह देखने को मिल रहा है। फिल्म में प्रतिभाशाली अभिनेता हर्षवर्धन राणे मुंबई के मशहूर एनकाउंटर स्पेशलिस्ट दया नायक की चुनौतीपूर्ण भूमिका में नजर आएंगे, जो कहानी का एक महत्वपूर्ण हिस्सा होंगे। फिल्म के अगुए शीर्षक पुलिस कंपनी को लेकर राम गोपाल वर्मा ने अपनी चिर-परिचित शैली में गहराई से समझाया। उन्होंने कहा, पुलिस एक संस्था है और कंपनी एक पैसा कमाने वाला संगठन है, लेकिन जब इसकी शक्तियां हद से ज्यादा बढ़ जाती हैं, तो एक संस्था कंपनी बन जाती है। इसलिए इसका नाम पुलिस कंपनी है। यह व्याख्या फिल्म के गहरे और यथार्थवादी कथानक की ओर इशारा करती है, जहाँ कानून प्रवर्तन के अंदरूनी कामकाज और शक्ति के दुरुपयोग को खंगाला जाएगा। टी-सीरीज और आरजीवी कंपनी के संयुक्त प्रोडक्शन तले भूषण कुमार और कृष्ण कुमार द्वारा निर्मित यह फिल्म, मुंबई के अंडरवर्ल्ड के सबसे हिंसक दौर (1997 से 2004) की सच्ची घटनाओं से प्रेरित है। यह फिल्म उस विशेष एनकाउंटर स्काइड की कहानी को उजागर करेगी, जिसने इस अवधि के दौरान लगभग 300 गैंगस्टरों का सफाया किया था। पुलिस कंपनी केवल अपराध की दुनिया ही नहीं, बल्कि पुलिस की दुनिया के दूसरे पहलू को भी सामने लाएगी, जिसे वर्मा एक कंपनी के दूसरे रूप के तौर पर देखते हैं, जहाँ नैतिकता और भ्रष्टाचार के बीच की महीन रेखा धुंधली पड़ जाती है। फिल्म में हर्षवर्धन राणे के साथ फरदीन खान, फातिमा सना शेख, परेश रावल, सौरभ शुक्ला, मकरंद देशपांडे और अश्विनी कालसेकर जैसे दिग्गज कलाकार मुख्य भूमिकाओं में दिखाई देंगे, जो कहानी में कई परतें जोड़ेंगे। यह माना जा रहा है कि यह फिल्म राम गोपाल वर्मा को उनकी पिछली सफल अंडरवर्ल्ड जॉनर की फिल्मों जैसे कंपनी और सत्या की शैली में वापस लाएगी, जिसके लिए वे विशेष रूप से जाने जाते हैं।

कनिका ने बयां किया दर्द



अभिनेत्री कनिका मान इन दिनों बिग बॉस-20 में नजर आ रही हैं। शो के एक एपिसोड में आसिफ खान से बातचीत के दौरान उन्होंने बताया कि कैसे उनके परिवार वाले उनकी कीमत को मां बनने से जोड़ रहे हैं। अभिनेत्री ने मजेदार अंदाज में बताया कि उनके परिवार वाले उन्हें तब तक जीरो ही समझते हैं, जब तक वो दो-तीन बच्चे पैदा नहीं कर देती। परिवार की इस सोच पर उन्होंने हंसते हुए कहा, मेरे घरवाले मुझे जीरो गिनते हैं, जब तक मैं उन्हें दो-तीन बच्चे नहीं दे दूंगी, तब तक मैं जीरो ही हूँ। अभिनेत्री की इस बात पर रिएक्ट करते हुए कटेस्टेंट और अभिनेता आसिफ ने बताया कि उनकी मां भी अक्सर बच्चे की खाइिश जाहिर करती रहती हैं। उन्होंने बताया कि पहले तो उनकी मां सीधे-सीधे अपनी इच्छा जताती थीं लेकिन अब मजेदार तरीके से इशारों में अपनी बात कहती हैं। आसिफ ने कहा कि उनकी मां अक्सर उनकी प्रोफेशनल उपलब्धियों को नजरअंदाज कर देती हैं और सिर्फ इसी बात पर ध्यान देती हैं कि वो कब पिता बनेंगे।



ऐश्वर्या ने टाइप-1 डायबिटीज को बताया अपनी जिंदगी का हिस्सा

पिछले दस सालों से टीवी अभिनेत्री ऐश्वर्या सखुजा ने टाइप-1 डायबिटीज के साथ अपने सफर को साझा किया है। कई लोकप्रिय टीवी शो में अपनी अदाकारी से दर्शकों का दिल जीतने वाली ऐश्वर्या ने बताया कि यह सफर इंसुलिन लेने, शरीर को समझने और जीवनशैली में लगातार बदलाव करने का रहा है। उन्होंने इस बीमारी को अपनी जिंदगी का एक हिस्सा बताया, लेकिन पूरी पहचान मानने से इनकार किया है, जिससे लाखों लोगों को प्रेरणा मिली है। सास बिना ससुराल, मैं ना भूलूंगी, त्रिदेविया और रिश्ता डेंट कॉम जैसे टीवी शो में अभिनय करने वाली ऐश्वर्या ने बताया कि शुरुआत में उन्हें अपनी बीमारी का गलत पता चला था। जब तक उन्हें समझ आता कि उनके शरीर के साथ क्या हो रहा है, तब तक उन्हें अंदाजा भी नहीं था कि उनकी जिंदगी इस तरह बदलने वाली है और उन्हें हर दिन इसके साथ तालमेल बिठाना पड़ेगा। अभिनेत्री ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट साझा कर अपने अनुभव बताए। उन्होंने लिखा, दस साल से इंसुलिन ले रही हूँ। दस साल से अपनी बॉडी को समझ रही हूँ। इस दौरान कई उतार-चढ़ाव आए, बहुत कुछ सीखा, कई बार निराशा

हुई और धीरे-धीरे चीजों को समझना पड़ा। ऐश्वर्या ने जोर देकर कहा कि इन दस सालों में उन्होंने अपना खयाल रखने की पूरी कोशिश की है, यहाँ तक कि उन दिनों में भी जब खुद को देखभाल करना किसी फुल-टाइम जॉब जैसा लगता है। उन्होंने व्यायाम को अपने जीवन का हिस्सा बनाया और अपने खान-पान पर भी विशेष ध्यान दिया। उन्होंने सीखा है कि अपना खयाल रखने का मतलब परफेक्ट होना नहीं है, बल्कि इसका मतलब है बार-बार कोशिश करते रहना। इस सफर में उन्हें अपने शरीर के प्रति थोड़ा और नरम होना भी सीखना पड़ा है, खासकर उस शरीर के प्रति जिसे इंसुलिन की निरंतर आवश्यकता होती है। अभिनेत्री ने अपनी पोस्ट में स्पष्ट किया कि वह डायबिटीज को किसी खूबसूरत चीज के रूप में पेश नहीं करेगी। उन्होंने लिखा, यह थका देने वाली, कई बार नाइंसाफी जैसी लगने वाली और बहुत मेहनत मांगने वाली बीमारी हो सकती है। लेकिन उन्होंने यह भी जोड़ा कि यह मेरी जिंदगी का एक हिस्सा है, लेकिन मेरी पूरी पहचान नहीं। अपनी पोस्ट के आखिर में, ऐश्वर्या ने टाइप-1 डायबिटीज के साथ जी रहे अन्य लोगों को भी हिम्मत दी।



अक्षय और प्रियदर्शन की फिल्म की शूटिंग नवंबर में होगी शुरू

सुपरस्टार अक्षय कुमार और निर्देशक प्रियदर्शन की जोड़ी अपनी अगली कॉमेडी फिल्म के लिए हाथ मिलाने जा रहे हैं। इस फिल्म की शूटिंग नवंबर के आखिरी हफ्ते में शुरू होने की उम्मीद जताई जा रही है। खास बात यह है कि यह प्रियदर्शन के निर्देशन में बनने वाली 99वीं फिल्म होगी, जो उनके शानदार करियर में एक और मील का पत्थर साबित होगी। यह फिल्म 1970 के दशक की पृष्ठभूमि पर आधारित होगी, जिसमें अक्षय कुमार एक अनोखे और अतरंगी किरदार में नजर आएंगे। रिपोर्ट के मुताबिक, अक्षय कुमार और प्रियदर्शन की यह अभी तक अनटाइटल फिल्म कॉमेडी से भरपूर होगी। इसमें अक्षय कुमार एक अतरंगी टाइगर हंटर के रोल में दिखेंगे, जो उनके प्रशंसकों के लिए एक नया और दिलचस्प अनुभव होगा। सोर्स ने बताया कि रमेश तौरानी के प्रोडक्शन में बन रही इस फिल्म की शूटिंग इस साल नवंबर के आखिरी हफ्ते में शुरू होने की पूरी तैयारी है। यह खबर उन दर्शकों के लिए किसी खुशखबरी से कम नहीं है, जो लंबे समय से इस जोड़ी को बड़े पर्दे पर एक साथ देखने का इंतजार कर रहे थे। फिल्म की शूटिंग का शेड्यूल करीब तीन महीने का तय किया गया है, जिसके लिए मेकर्स ने राजस्थान के खूबसूरत वाइल्डलाइफ इलाकों को चुना है। इसके अलावा, मुंबई में भी विशाल सेट बनाकर शूटिंग की जाएगी और भोपाल की आकर्षक लोकेशंस पर भी कुछ महत्वपूर्ण दृश्यों को फिल्माया जाएगा। कॉमेडी के इस तगड़े डोज को और ज्यादा मजेदार बनाने के लिए फिल्म में अनु कपूर और राजपाल यादव जैसे दिग्गज सितारों की एंट्री हो चुकी है, जिनकी कॉमिक टाइमिंग दर्शकों को खूब गुदगुदाएगी। हालांकि, फिल्म के मेकर्स फिलहाल लीड एक्ट्रेस की तलाश कर रहे हैं, जो जल्द ही पूरी होने की उम्मीद है। इस फिल्म की कहानी प्रियदर्शन और रोहन शंकर ने मिलकर लिखी है, जो इससे पहले अक्षय कुमार की भूत बंगला के लिए भी साथ काम कर चुके हैं। इस बारे में निर्देशक प्रियदर्शन से संपर्क किया, तो उन्होंने फिलहाल ज्यादा जानकारी देने से बचते हुए कहा कि प्रोजेक्ट को पूरी तरह लॉक हो जाने दीजिए, फिर मैं इस पर विस्तार से बात करूंगा। अक्षय कुमार और प्रियदर्शन की यह जोड़ी शानदार कॉमेडी फिल्मों के लिए जानी जाती है, जिन्होंने भारतीय सिनेमा को कई कल्ट क्लासिक्स दिए हैं।

रामायण का हॉलीवुड में वर्ल्ड प्रीमियर



भारतीय सिनेमा के लिए एक खास उपलब्धि के तौर पर नमित मल्होत्रा की फिल्म 'रामायण-राइज ऑफ अ लीजेंड' का वर्ल्ड प्रीमियर लॉस एंजलिस के प्रतिष्ठित एकेडमी म्यूजियम ऑफ मोशन पिक्चर्स में आयोजित किया जाएगा। निर्माताओं के मुताबिक, यह खास कार्यक्रम 27 अक्टूबर को डेविड गेफेन थिएटर में होगा, जिसमें करीब 945 मेहमान शामिल होंगे। भारतीय संस्कृति और दिवाली की भावना को अंतरराष्ट्रीय मंच पर पेश करने की तैयारी के बीच यह आयोजन फिल्म को लेकर उत्सुकता बढ़ा रहा है। फिल्म का निर्देशन नितेश तिवारी ने किया है और इसे बड़े स्तर पर तैयार किया जा रहा है। 'रामायण-राइज ऑफ अ लीजेंड' का प्रीमियर सिर्फ फिल्म की स्क्रीनिंग तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि इसके जरिए भारतीय परंपरा और सांस्कृतिक विरासत को भी सामने लाने की योजना है। आयोजकों ने मेहमानों से पारंपरिक भारतीय उत्सवी परिधान पहनकर आने का अनुरोध किया है, ताकि दिवाली के रंग और रौनक अंतरराष्ट्रीय मंच पर दिखाई दे सकें। कार्यक्रम में हॉलीवुड की हस्तियों, फिल्म निर्माताओं, अंतरराष्ट्रीय मीडिया प्रतिनिधियों और मनोरंजन जगत से जुड़े लोगों के शामिल होने की उम्मीद है।

‘सॉरी बोलने में कभी दिक्कत नहीं हुई’, अक्षय खन्ना ने साझा किए निजी अनुभव

बॉलीवुड अभिनेता अक्षय खन्ना अपनी बेहतरीन अभिनय क्षमता के साथ-साथ बेहद निजी जीवन जीने के लिए भी जाने जाते हैं। वह न तो सोशल मीडिया पर सक्रिय हैं और न ही अपनी फिल्मों के प्रमोशनल कार्यक्रमों में अक्सर नजर आते हैं। जब अक्षय खन्ना ने बताया था कि वह अपनी मर्जी से अंतर्मुखी (इंट्रोवर्ट) नहीं हैं। अक्षय सार्वजनिक आयोजनों और मीडिया की चक्काचौध से भी दूरी बनाए रखते हैं। शूटिंग से फुर्सत मिलने पर वह अपना अधिकतर समय अलीबाग स्थित घर में बिताना पसंद करते हैं। कई साल पहले लोकप्रिय चैट शो 'रेंडेवू विद सिमी गरेवाल' में पहुंचने पर अभिनेत्री और होस्ट सिमी गरेवाल ने अक्षय खन्ना के व्यक्तित्व के इस रहस्यमयी पहलू को समझने की कोशिश की थी। बातचीत के दौरान सिमी ने कहा था कि अक्षय अपने आसपास एक तरह की दीवार खड़ी कर लेते हैं, जिससे लोग उनसे दूर हो जाते हैं। इस पर अक्षय ने जवाब दिया, 'मैं शायद अब उन दीवारों को थोड़ा पारदर्शी दिखाने लगा हूँ, लेकिन वे अब भी मौजूद हैं।' जब सिमी ने उनसे पूछा कि क्या वह बेहद संवेदनशील और भावुक व्यक्ति हैं तो अक्षय ने इसे स्वीकार करते हुए कहा, 'जो लोग मेरे बेहद करीब होते हैं, उनके प्रति मैं बहुत संवेदनशील हूँ। उनकी छोटी-सी बात भी मुझे गहराई से

प्रभावित कर देती है।' अक्षय ने यह भी माना कि वह किसी का दिल दुखाना नहीं चाहते, लेकिन कई बार अनजाने में ऐसा हो जाता है। उन्होंने कहा, 'बाद में मुझे इसका पछतावा होता है और मैं सोचता हूँ कि दोबारा ऐसा नहीं करूंगा, लेकिन कभी-कभी गलती हो ही जाती है। क्योंकि मैं खुद बहुत संवेदनशील हूँ, इसलिए दूसरों की भावनाओं को लेकर भी काफी सतर्क रहता हूँ।' माफी मांगने को लेकर अपने विचार साझा करते हुए अक्षय ने कहा कि उन्हें कभी भी 'सॉरी' बोलने में परेशानी महसूस नहीं हुई। उन्होंने कहा, 'माफी मांगना बहुत अच्छी बात है। यह बेहद आसान है और आपको राहत भी देती है।' इसी बातचीत के दौरान अक्षय खन्ना ने यह भी स्पष्ट किया था कि वह अपनी पसंद से इंट्रोवर्ट नहीं हैं। उन्होंने कहा कि उन्हें लोगों से मिलना-जुलना और उन्हें जानना अच्छा लगता है, लेकिन यह उनके लिए स्वाभाविक रूप से आसान नहीं है। अक्षय ने कहा, 'मुझे लोगों से मिलना और उन्हें समझना अच्छा लगता है, बस मेरे पास यह करने की वो क्षमता या कोशल नहीं है। किसी काम को नहीं करना चाहते और उसे न कर पाने में बहुत बड़ा अंतर होता है।' उनके इस बयान ने यह दिखाया कि लोगों से दूरी बनाकर रखने की उनकी छवि के पीछे कोई अहंकार नहीं, बल्कि उनका स्वभाव और व्यक्तित्व है।



जेलर 2 की बॉक्स ऑफिस पर रिकॉर्ड तोड़ कमाई, हो रहा विवाद भी

बॉलीवुड की फिल्म जेलर 2 बॉक्स ऑफिस पर रिकॉर्ड तोड़ कमाई कर रही है। सुपरस्टार रजनीकांत की इस फिल्म ने महज 5-6 दिनों में वर्ल्डवाइड 541 करोड़ रुपये से अधिक का कारोबार कर लिया है। हालांकि, मोहनलाल के कैमियो को लेकर एक विवाद खड़ा हो गया है, जिस पर उनके बॉडी डबल जॉबी कोडाकारा ने अपनी चुप्पी तोड़ी है और पूरे मामले पर स्पष्टीकरण दिया है। यह विवाद तब शुरू हुआ जब जेलर 2 की रिलीज के दिन जॉबी कोडाकारा ने मलयालम सुपरस्टार मोहनलाल के साथ कुछ तस्वीरें

सोशल मीडिया पर साझा कीं। इन तस्वीरों के सामने आने के बाद अटकलें लगने लगीं कि फिल्म के कुछ दृश्यों में मोहनलाल की जगह उनके बॉडी डबल का इस्तेमाल किया गया है। कुछ दर्शकों ने तो यह दावा भी कर दिया कि जॉबी ने मोहनलाल के कई दृश्यों, यहां तक कि फिल्म के क्लाइमैक्स के महत्वपूर्ण दृश्यों को भी अंजाम दिया है, जिससे सोशल मीडिया पर बहस छिड़ गई। इस विवाद के तूल पकड़ने पर, जॉबी कोडाकारा ने यूट्यूब चैनल जंगो स्पेस को दिए एक विस्तृत इंटरव्यू में अपनी बात रखी। उन्होंने स्पष्ट किया कि जेलर 2 में उनका रोल केवल सीमित था और

फिल्म में उनके केवल एक या दो शॉट्स का ही इस्तेमाल किया गया है। जॉबी ने बताया, सच कहूँ तो सिर्फ मेरे हाथ और पैर ही फिल्म में दिख रहे हैं। उन्होंने आगे खुलासा किया कि उनके ये शॉट्स क्लाइमैक्स के दौरान एयरपोर्ट के एक सीन में देखने को मिलते हैं, जहाँ वे गाड़ी चलाते हुए गियर बदल रहे हैं और एक्सीलरेटर दबा रहे हैं। जॉबी ने यह भी कहा कि उन्हें लगता है कि शूटिंग शेड्यूल या समय की कमी के कारण उन्हें इस छोटे से काम के लिए लिया गया होगा, न कि किसी बड़े दृश्य के लिए। उन्होंने मोहनलाल को दुनिया के बेहतरीन

अभिनेताओं में से एक बताते हुए उन सभी दावों को सिर से खारिज कर दिया कि उन्होंने क्लाइमैक्स के बड़े दृश्यों में अभिनय किया या फिल्म में उनका चेहरा दिखाया गया। जॉबी की इस सफाई से मोहनलाल के कैमियो को लेकर फैला भ्रम काफी हद तक दूर हो गया है और यह स्पष्ट हो गया है कि फिल्म में मोहनलाल की उपस्थिति उनकी असली पहचान के साथ ही थी। मालूम हो कि फिल्म में रजनीकांत के अलावा मिथुन चक्रवर्ती और विद्या बालन भी मुख्य भूमिकाओं में हैं, वहीं ऋतिक रोशन और मोहनलाल जैसे दिग्गजों के कैमियो ने दर्शकों को खूब लुभाया है।



लाइव रिपोर्टिंग के दौरान समुद्री लहर की चपेट में आया पत्रकार, कैमरावुमन सहित गिरा

स्पेन,एजेंसी। लाइव रिपोर्टिंग के दौरान पत्रकारों को कई बार अप्रत्याशित परिस्थितियों का सामना करना पड़ता है। ऐसा ही मामला स्पेन के बास्क क्षेत्र के ओन्डारोआ शहर से सामने आया है, जहां समुद्र की ऊंची लहर ने लाइव रिपोर्टिंग कर रहे पत्रकार और उनकी कैमरावुमन को अपनी चपेट में ले लिया। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। जानकारों के मुताबिक, पत्रकार सर्जियो ओवेखेरो टीवी कार्यक्रम के लिए समुद्र के किनारे से लाइव रिपोर्टिंग कर रहे थे। वह दर्शकों को समुद्र में उठ रही ऊंची लहरों और उनसे होने वाले खतरे के बारे में बता रहे थे। इसी दौरान अचानक एक शक्तिशाली लहर समुद्र किनारे बनी सुरक्षा दीवार को पार करते हुए उनके पास पहुंच गई। पानी का बहाव इतना तेज था कि सर्जियो और उनके साथ मौजूद कैमरावुमन राकेल अपना संतुलन नहीं संभाल सके और गिर पड़े। इस अप्रत्याशित घटना के कारण कुछ समय के लिए टीवी प्रसारण का निमनत्व भी बाधित हो गया। स्टूडियो में मौजूद एंकर ओदेई एस्नाओला अपने सहयोगियों को अचानक मुसीबत में देखकर चिंतित हो गए। घटना के बाद संबंधित चैनल ने जानकारी दी कि पत्रकार सर्जियो और कैमरावुमन राकेल दोनों सुरक्षित हैं और उन्हें कोई गंभीर चोट नहीं आई है। सोशल मीडिया पर वीडियो सामने आने के बाद यूजर्स ने पत्रकारों की सुरक्षा को लेकर चिंता जताई। कई लोगों ने उनके सुरक्षित होने पर राहत व्यक्त की। इस घटना ने एक बार फिर खराब मौसम और समुद्र में उठती ऊंची लहरों के बीच रिपोर्टिंग करने के जोखिम को उजागर किया है। विशेषज्ञों के अनुसार, ऐसे हालातों में समुद्र से सुरक्षित दूरी बनाए रखना बेहद जरूरी है।

जॉर्डन में चर्च पर कातिलाना हमला : 7 की मौत, दर्जनों घायल

अम्मान,एजेंसी। जॉर्डन के दक्षिणी प्रांत करاک में शुक्रवार को उस समय दशहट फैल गई जब एक ग्रीक ऑथोडॉक्स चर्च में चल रहे अंतिम संस्कार के दौरान अज्ञात बंदूकधारियों ने अंधाधुंध गोलीबारी कर दी। इस दिल दहला देने वाले हमले में कम से कम 7 लोगों की मौके पर ही मौत हो गई और 10 से ज्यादा लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। यह खूनी वारदात राजधानी अम्मान से लगभग 145 किलोमीटर दूर हमुद कस्बे के एक चर्च में हुई, जहां शांतिपूर्वक प्रार्थना सभा चल रही थी। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, यह हमला पूरी तरह सुनियोजित था। अचानक एक गाड़ी से दो संधिध हमलावर नीचे उतरे और उन्होंने बिना कुछ कहे भीड़ पर फायरिंग शुरू कर दी। प्रत्यक्षदर्शी खालिद इरुकान के मुताबिक अंतिम संस्कार में दर्जनों लोग शामिल थे। एक हमलावर के हाथ में एक-47 कलाशिकोव राइफल थी जबकि दूसरे के पास पिस्टल थी। दोनों हमलावरों ने कई मिनट तक लगातार गोलां चलाई जिससे किसी को संभलने का मौका नहीं मिला। चारों तरफ गोलियों की आवाजें और लोगों की चीखें गूंजने लगीं। अचानक हुई इस फायरिंग से वहां भगदड़ मच गई और पूरा परिसर खुन से लथपथ हो गया। हमला करने के बाद दोनों शूटर तेजी से मौके से फरार हो गए। सूचना मिलते ही जॉर्डन के सुरक्षा बलों ने इलाके को घेर लिया है और हमलावरों की तलाश में व्यापक सर्च ऑपरेशन शुरू कर दिया है। घायल लोगों को तुरंत नजदीकी अस्पतालों में भर्ती कराया गया है जहां कई लोगों की हालत नाजुक बनी हुई। इस वारदात के तुरंत बाद जॉर्डन सरकार के प्रवक्ता मोहम्मद अल-मोमानी ने एक बयान जारी किया। मोमानी ने कहा, ‘सुरक्षा एजेंसियां करारक में हुई इस हिंसक गोलीबारी की घटना की गहन जांच कर रही हैं। फिलहाल किसी भी आतंकी या विद्रोही संगठन ने इस हमले की सीधी जिम्मेदारी नहीं ली है। पुलिस और सेना के जवान हमलावरों का सुराग लगाने के लिए आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाल रहे हैं। अधिकारियों ने कहा है कि दोषियों को किसी भी हाल में बख्शा नहीं जाएगा।

मिशिगन में भारतीय-अमेरिकी मतदाताओं पर राजनीतिक दलों की नजर

ट्रंप चुनावी रैली की तैयारी में



लिन्ह गुयेन ने कहा कि एशियाई-अमेरिकी मतदाताओं और उम्मीदवारों को पर्याप्त राजनीतिक वित्तीय सहायता नहीं मिलने के कारण इस संगठन की स्थापना की गई थी। संगठन ने मिशिगन में अब्दुल एल-सय्यद, जोसलिन बेन्सन, लेफ्टनेंट गवर्नर गार्लिन गिलक्रिस्ट द्वितीय और भारतीय मूल के विधायक रजोव पुरी का समर्थन किया है। एएपीआईडेटा के आंकड़ों के अनुसार, मिशिगन में करीब 1,38,644 भारतीय-अमेरिकी रहते हैं, जो राज्य का सबसे बड़ा एशियाई समुदाय हैं। भारतीय-अमेरिकी आबादी मुख्य रूप से

- ट्रंप ने ईरान के बाद तयूबा पर ध्यान देने की कही बात तो रुबियो ने बदलाव का आह्वान किया
- हवाना ने कहा- अमेरिकी कदम को हताशा जाहिर कर रहे

हवाना, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के क्यूबा को लेकर दिए गए बयान और विदेश मंत्री मार्को रुबियो की अपील के बाद दोनों देशों के बीच जुबानी टकराव तेज हो गया है। रुबियो ने क्यूबा के लोगों से देश में बदलाव लाने का आह्वान किया, जबकि क्यूबा के उप विदेश मंत्री कालोस फर्नांडीज डी कोसियो ने अमेरिकी कदम पर तंज कसते हुए कहा कि ऐसा लग रहा है, जैसे अमेरिका दृथपेस्ट बेच रहा हो। राष्ट्रपति ट्रंप ने शुक्रवार को कहा था कि ईरान से निपटने के बाद अमेरिका क्यूबा के मामले पर ध्यान देगा। उन्होंने संकेत दिया कि क्यूबा के साथ समझौते को आगे बढ़ाने के लिए अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो को भेजा जा सकता है। इसके बाद ही रुबियो ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर पोस्ट कर कहा, कि क्यूबा में सकारात्मक बदलाव चाहने वालों के लिए



यह सही समय है। उन्होंने प्रश्नचार, अथूरे वादों और कुछ लोगों को मिलने वाली विशेष सुविधाओं से निराश लोगों से इस अवसर का लाभ उठाने की अपील की। अपनी पोस्ट में उन्होंने क्यूबा के लोगों से अमेरिकी खुफिया एजेंसी सीआईए के साथ गुप्त साझेदारी के जरिए बदलाव लाने का भी आह्वान किया।

_____**सीआईए ने स्पेनिश भाषा में जारी किया वीडियो**_____

इस घटनाक्रम के बीच सीआईए ने सोशल मीडिया पर

पीएचपी की दो गंभीर सुरक्षा खामियों से बढ़ी चिंता, गूगल, अमेजन और ओपनएआई सतर्क

वाशिंगटन,एजेंसी। दुनिया भर में इंटरनेट की सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ गई है। प्रोग्रामिंग लैंग्वेज पीएचपी में दो गंभीर सुरक्षा खामियां सामने आने का दावा किया गया है, इस संभावित खतरे को देखकर टेक कंपनियों और साइबर सुरक्षा विशेषज्ञ सतर्क हो गए हैं। इन कमजोरियों का फायदा उठाकर हैकर प्रभावित सर्वरों तक अनधिकृत पहुंच बना सकते हैं, संवेदनशील डेटा चुरा सकते हैं और वेबसाइटों की सामग्री में बदलाव कर सकते हैं। हालांकि, इसका अर्थ यह नहीं है कि पीएचपी पर आधारित सभी वेबसाइटें हैक हो गई हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, इन खामियों को ‘पीएचपी-2-शेल’ नाम दिया गया है और इन्हें सीवीई-2026-109618 तथा सीवीई-2026-109619 के रूप में दर्ज किया है। ब्रिटेन के नेशनल साइबर सिक्योरिटी सेंटर ने भी प्रभावित सिस्टमों को सुरक्षित करने के लिए तत्काल अपडेट करने की सलाह दी है। साइबर सुरक्षा कंपनी विज के शोधकर्ताओं ने कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) की मदद से इन कमजोरियों की पहचान की। इसके बाद प्रमुख टेक कंपनियों ने भी संभावित जोखिम का आकलन करने और सुरक्षा उपायों को मजबूत करने पर ध्यान केंद्रित किया। पीएचपी एक ओपन-सोर्स प्रोग्रामिंग भाषा है, जिसका इस्तेमाल वेबसाइटों और वेब एप्लिकेशनों के विकास में व्यापक रूप से किया जाता है। इस कारण इसके सुरक्षा ढांचे में सामने आने वाली गंभीर खामियां बड़ी संख्या में ऑनलाइन सेवाओं के लिए जोखिम पैदा कर सकती हैं। हालांकि, वास्तविक खतरा इस बात पर निर्भर करेगा कि संबंधित सर्वर प्रभावित है या नहीं और उस पर सुरक्षा पैच लगाया गया है या नहीं। अमेर्जन की थेट इंटेलिजेंस टीम के मुताबिक, 17 अक्टूबर को उसके हनीपॉट सिस्टम पर इन कमजोरियों का फायदा उठाने का प्रयास देखा गया था। यह भी जांच का विषय है कि हमलावरों को इन खामियों की जानकारी सार्वजनिक होने से पहले कैसे मिली। स्थिति को देखकर पीएचपी डेवलपमेंट टीम ने सुरक्षा अपडेट जारी किए हैं। विशेषज्ञों ने वेबसाइट संचालकों और आईटी टीमों को सलाह दी है कि वे अपने पीएचपी वर्जन की जांच करें, नवीनतम सुरक्षा पैच इंस्टॉल करें और सर्वरों की निगरानी बढ़ाएं।

ट्रंप ने बुजुर्गों की देखभाल के लिए 25 करोड़ डॉलर की योजना का किया ऐलान

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने देशभर में बुजुर्गों की देखभाल करने वाले केंद्रों में करीब 5,000 नर्सों की भर्ती के लिए 25 करोड़ डॉलर (250 मिलियन डॉलर) के निवेश की घोषणा की है। फ्लोरिडा में चुनावी रैली के दौरान उन्होंने योजना का ऐलान किया। यह घोषणा 3 नवंबर को होने वाले मध्यावधि चुनावों से पहले रिपब्लिकन पार्टी के प्रचार अभियान के बीच की गई।

ट्रंप ने कहा कि उनकी सरकार बुजुर्गों को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध करने और देखभाल केंद्रों में कर्मचारियों की कमी दूर करने के लिए निवेश करेगी। इस योजना से

फ्लोरिडा सहित देशभर के एल्डर केयर केंद्रों को लाभ मिलने की उम्मीद है। फ्लोरिडा में बुजुर्ग आबादी का अनुपात अधिक होने के कारण इस पहल को विशेष रूप से महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

हालांकि, राष्ट्रपति ने नहीं बताया कि 25 करोड़ डॉलर की राशि किन राज्यों या संस्थानों को दी जाएगी। भर्ती प्रक्रिया कब शुरू होगी और इसकी जिम्मेदारी कौन-सी सरकारी एजेंसी संभालेगी, इस बारे में भी विस्तृत जानकारी नहीं दी गई। यह भी स्पष्ट नहीं है कि

5,000 नर्सों की होगी भर्ती

प्रस्तावित राशि का इस्तेमाल स्थायी नियुक्तियों, भर्ती प्रोत्साहन या कर्मचारियों की कमी दूर करने के अन्य उपायों के लिए किया जाएगा। इस घोषणा के दौरान अमेरिकी स्वास्थ्य एवं मानव सेवा मंत्री रॉबर्ट एफ. कैनेडी जूनियर और सेंसरस फॉर मेडिकेयर एंड मेडिकेड सर्विसेज के प्रशासक डॉ. मेहमत ओज भी मौजूद थे। ट्रंप ने दोनों अधिकारियों की प्रशंसा करते हुए स्वास्थ्य क्षेत्र में अपनी सरकार की प्राथमिकताओं का उद्घेख किया। रैली में राष्ट्रपति ने डॉक्टरों की पर्वी पर मिलने वाली

दवाओं की कीमतें कम करने के प्रयासों का भी जिक्र किया। उन्होंने दावा किया कि अंतरराष्ट्रीय समझौतों के माध्यम से अमेरिकी उपभोक्ताओं के लिए दवाओं की कीमतों में 50 से 90 प्रतिशत तक की कमी लाई जा सकती है। बुजुर्गों की देखभाल से जुड़ी घोषणा रिपब्लिकन पार्टी के व्यापक चुनावी एजेंड का हिस्सा है। ट्रंप ने मतदाताओं से कांग्रेस के दोनों सदनों में रिपब्लिकन उम्मीदवारों का समर्थन करने की अपील की। अमेरिका में दीर्घकालिक देखभाल केंद्र उन

ईरान से अमेरिकी अधिकारियों को खतरा बढ़ा, मध्य पूर्व में दूतावासों का स्टाफ घटाया

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के शीर्ष खुफिया अधिकारी ने विदेश मंत्री मार्को रुबियो को चेतावनी दी है कि ईरान ने अमेरिकी अधिकारियों को निशाना बनाने की कोशिशें तेज की हैं। कुछ कथित जानलेवा साजिशें मध्य पूर्व और अन्य देशों में अंतिम चरण तक पहुंच चुकी हैं। इस चेतावनी के बाद अमेरिका ने क्षेत्र में अपने राजनयिक मिशनों की सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा शुरू की है और कई स्थानों पर कर्मचारियों की संख्या कम की है। रिपोर्ट के अनुसार, 23 अक्टूबर को जारी अवर्गीकृत ज्ञापन में नेशनल इंटेलिजेंस के निदेशक जे क्लेटन ने विदेश मंत्री रुबियो को खतरे की जानकारी दी। ज्ञापन की प्रती सीआईए निदेशक जॉन रैटविल्फ को भी भेजी गई थी। इसमें कहा गया कि अमेरिकीकर्मियों को निशाना बनाने की कथित साजिशें मध्य पूर्व के अलावा कुछ अन्य देशों में भी आगे बढ़ चुकी हैं। हालांकि, दस्तावेज में संभावित निशाने या साजिशों के स्वरूप का खुलासा नहीं किया गया है। एक अमेरिकी अधिकारी ने ज्ञापन की पुष्टि कर कहा कि दूतावासों में तैनात कर्मचारियों की सुरक्षा को लेकर लगातार नए खुफिया इनपुट का आकलन होता है। अधिकारी के मुताबिक, हूती हमलों का खतरा और अमेरिकी कर्मचारियों को

निशाना बनाने की कथित ईरानी साजिशें क्षेत्र में राजनयिक मिशनों की परिचालन स्थिति तथा कर्मचारियों की संख्या तय करने को प्रभावित कर रही हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, अमेरिकी विदेश विभाग ने सऊदी अरब में रियाद स्थित दूतावास और जेद्दा तथा दहरान के वाणिज्य दूतावासों से गैर-जरूरी कर्मचारियों को वापस बुलाने का आदेश दिया। इसके अलावा संयुक्त अरब अमीरात, लेबनान, कतर और जॉर्डन में स्थित अमेरिकी राजनयिक मिशनों में भी कर्मचारियों की संख्या कम की है। बहरीन और कुवैत में भी इसी तरह के कदम उठाए जाने की खबरें सामने आई हैं। हालांकि, विदेश विभाग के प्रवक्ता टॉमी पिर्गॉट ने स्पष्ट किया कि कर्मचारियों को वापस बुलाने का औपचारिक आदेश केवल सऊदी अरब के लिए था। यह घटनाक्रम तब सामने आया है, जब राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान के खिलाफ सैन्य कार्रवाई का विकल्प खुला रखा है। फ्लोरिडा में रैली के दौरान उन्होंने संभावित सैन्य अभियान का संकेत देकर कहा कि अमेरिका कार्रवाई कर सकता है या ईरान समझौते के लिए तैयार हो सकता है। इस बीच, अमेरिकी सेना द्वारा मध्य पूर्व में कुछ ठिकानों पर सैनिकों की संख्या कम किए जाने की खबरें भी सामने आई हैं।

वेस्ट बैंक में इजरायली चेक पोस्ट पर फायरिंग, एक सैनिक की मौत

हेब्रोन,एजेंसी। वेस्ट बैंक के हेब्रोन शहर के पास एक सैन्य चेकपोस्ट पर हुए भीषण हमले ने पूरे मध्य पूर्व में एक बार फिर तनाव बढ़ा दिया है। आम नागरिकों के वेश में आए दो हथियारबंद हमलावरों ने सुरक्षा बलों और आम लोगों पर अंधाधुंध गोलीबारी की, जिसमें 23 वर्षीय एक इजरायली सैनिक शहीद हो गया और चार नागरिक गंभीर रूप से घायल हो गए। मौके पर मौजूद सुरक्षाबलों ने त्वरित जवाबी कार्रवाई करते हुए दोनों हमलावरों को वहीं मार गिराया। इस घातक घटना के तुरंत बाद इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहु ने एक उच्च-स्तरीय सुरक्षा बैठक बुलाई। बैठक में उन्होंने पूरे हेब्रोन शहर की घेराबंदी करने के साथ-साथ पूरे वेस्ट बैंक क्षेत्र में सख्त लॉकडाउन की तैयारी के निर्देश दिए हैं। इजरायली सरकार के भीतर से अब बेहद कड़े कदम उठाने की मांग उठने लगी है। सरकार के प्रमुख मंत्रियों ने वेस्ट बैंक के विभिन्न इलाकों में भी गाजा की तर्ज पर व्यापक सैन्य अभियान चलाने की वकालत की है। उनका मानना है कि नागरिकों और सुरक्षाकर्मियों की सुरक्षा के लिए संदिग्ध क्षेत्रों में फिलिस्तीनियों की आवाजाही पर पूर्ण प्रतिबंध और घर-घर तलाशी अभियान चलाया जाना अनिवार्य हो गया है। जानकारों के अनुसार, हेब्रोन में शुरू होने वाली यह नाकेबंदी और संभावित तलाशी अभियान पूर्व में शरणार्थी शिविरों में की गई कठोर सैन्य कार्यवाहियों के मांडल पर आधारित हो सकता है, जिससे इस पूरे क्षेत्र में तनाव और अधिक बढ़ने की आशंका है। यदि हेब्रोन और इसके आसपास के इलाकों में सैन्य कार्रवाई का दायरा बढ़ता है, तो पूरा क्षेत्र एक नए और गंभीर मानवीय संकट की चपेट में आ सकता है। यह हमला इजरायल में होने वाले आगामी आम चुनावों से ठीक पहले हुआ है, जिससे देश का आंतरिक राजनीतिक माहौल भी काफी गरमा गया है। इस अत्यंत संवेदनशील समय में हुई वारदात का असर सीधे तौर पर राष्ट्रीय सुरक्षा और चुनावी माहौल पर देखने को मिलेगा। एक तरफ जहां सत्ता पक्ष इसे आतंकी नेटवर्क को ख्वस्त करने की आवश्यकता के रूप में पेश कर रहा है, वहीं राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि यह घटना मतदाताओं की सोच और भविष्य की राष्ट्रीय सुरक्षा नीतियों को गहराई से प्रभावित करेगी।

हूतियों के खिलाफ सैन्य संघर्ष में शामिल होने से तुर्की का इंकार : सऊदी अरब और पाकिस्तान के साथ मक्का संयुक्त रक्षा समझौते के बावजूद रक्षा मंत्री ने स्पष्ट किया रुख

-याशर गुलेर ने कहा—सैन्य सहायता का उद्देश्य प्रतिरोधक क्षमता मजबूत करना होगा

अंकारा, एजेंसी। तुर्की ने ईरान समर्थित हूती विद्रोहियों के खिलाफ किसी सैन्य संघर्ष में शामिल होने से इनकार किया है। तुर्की के रक्षा मंत्री याशर गुलेर ने कहा है कि उनका देश हूतियों के साथ किसी तरह के संघर्ष में उतरने पर विचार नहीं कर रहा है। उनका यह बयान ऐसे समय आया है, जब तुर्की ने सऊदी अरब और पाकिस्तान के साथ मक्का संयुक्त रक्षा समझौता किया है। एक साक्षात्कार के दौरान याशर गुलेर ने

कहा, हम हूतियों के साथ किसी भी तरह के संघर्ष में शामिल होने पर विचार नहीं कर रहे हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि सऊदी अरब को तुर्की की ओर से दी जाने वाली संभावित सैन्य सहायता का मुख्य उद्देश्य उसकी प्रतिरोधक क्षमता को मजबूत करना होगा। तुर्की, सऊदी अरब और पाकिस्तान के बीच अगस्त में मक्का संयुक्त रक्षा समझौते पर हस्ताक्षर हुए थे। इस सप्ताह समझौते को मंजूरी के लिए तुर्की की संसद में पेश किया गया।

समझौते के प्रावधानों के अनुसार, तीनों देशों में से किसी एक पर हमला होने की स्थिति को तीनों देशों पर हमला माना जाएगा। हालांकि, रक्षा मंत्री के बयान से संकेत मिलता है कि समझौते के बावजूद तुर्की हूती विद्रोहियों के खिलाफ सीधे सैन्य संघर्ष में शामिल होने से दूरी बनाए रखना चाहता है। सऊदी अरब पर हूती विद्रोहियों के हमलों के बीच तुर्की ने संभावित सैन्य सहयोग को प्रतिरोधक



क्षमता बढ़ाने तक सीमित रखने की बात कही है।

ओलेशकी में 29 अक्टूबर से सीजफायर होने का किया दावा

रूस-यूक्रेन युद्ध में मेलानिया ट्रंप की मध्यस्थता का दावा

वाशिंगटन, एजेंसी। रूस और यूक्रेन के बीच जारी युद्ध के बीच दक्षिणी यूक्रेन के ओलेशकी शहर में अस्थायी युद्धविराम को लेकर बड़ा दावा किया गया है। उपलब्ध कराए गए विवरण के मुताबिक, अमेरिका की फस्ट लेडी मेलानिया ट्रंप की मध्यस्थता से दोनों पक्ष 29 अक्टूबर 2026 से सैन्य कार्रवाई रोकने पर सहमत हुए हैं। इसका उद्देश्य युद्धक्षेत्र में फंसे नागरिकों तक भोजन, दवाइयां और अन्य जरूरी सहायता पहुंचाना तथा उन्हें सुरक्षित बाहर निकालना है। हालांकि, इस समझौते

और व्हाइट हाउस की कथित पुष्टि की स्वतंत्र आधिकारिक पुष्टि जरूरी है। दावे के अनुसार, मेलानिया ट्रंप ने रूस और यूक्रेन के नेतृत्व के साथ संपर्क कर मानवीय सहायता के मुद्दे पर सहमति बनाने की कोशिश की। बताया गया है कि इस पहल का लक्ष्य राजनीतिक विवादों से अलग हटकर आम नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करना है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पहले भी युद्ध समाप्त कराने की इच्छा जता चुके हैं, लेकिन दोनों देशों के बीच व्यापक शांति समझौता अब तक नहीं हो पाया है।

दक्षिणी यूक्रेन के खेरसोन क्षेत्र में स्थित ओलेशकी युद्ध के कारण गंभीर संकट से गुजर रहा है। उपलब्ध विवरण के मुताबिक, युद्ध से पहले लगभग 24 हजार की आबादी वाले इस शहर में अब करीब 1,700 से 2,000 लोग ही रह गए हैं। इनमें बुजुर्गों और बच्चों की संख्या भी शामिल है। लगातार गोलाबारी, बिजली संकट और बारूदी सुरंगों के खतरे ने लोगों की मुश्किलें बढ़ा दी हैं। प्रस्तावित युद्धविराम के तहत नागरिकों तक भोजन, साफ पानी और जरूरी दवाइयां पहुंचाने की योजना

बताई गई है। जो लोग शहर छोड़ना चाहते हैं, उन्हें सुरक्षित रास्ता उपलब्ध कराने की बात कही गई है। नागरिक अपनी इच्छा से रूस या यूक्रेन के सुरक्षित इलाकों में जा सकेंगे। राहत अभियान से पहले रास्तों से बारूदी सुरंगें हटानी भी अहम चुनौती होगी। यदि यह समझौता लागू होता है, तो ओलेशकी के नागरिकों को तत्काल राहत मिल सकती है। हालांकि, किसी एक शहर में अस्थायी युद्धविराम का अर्थ पूरे युद्ध का अंत नहीं है।



बुजुर्गों को आवासीय, चिकित्सा और नर्सिंग सेवाएं प्रदान करते हैं, जिन्हें दैनिक गतिविधियों में नियमित सहायता की जरूरत होती है।

स्वामी, प्रकाशक, अनीता शर्मा द्वारा मुद्रक, रजनी कुमारी- मैसर्स साई प्रिंटिंग प्रेस D-85 सेक्टर-6 नोएडा, गौतमबुद्धनगर से मुद्रित एवं जी-271 एचआईजी, प्रताप विहार, सेक्टर-11, गाजियाबाद (उ०प्र०) से प्रकाशित। संपादक -अतुल शर्मा *

ईमेल-rashtriyashikhar@gmail.com (समस्त विवादों का क्षेत्र गाजियाबाद न्यायालय रहेगा) (* इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन तथा कानूनी मामलों हेतु उत्तरदायी)

समाचार संपादक-आरव शर्मा (एडवोकेट) 9310230557, 9625163807

(PRGI No. - UPHIN/25/A0086)